रायपुर । रविवार, 02 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 1 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर.एन.आई. रजि. क्र. CTHIN/26A6251

@ खेल तन्वी शर्मा ने कटाया फाइनल का टिकट...
@ साहित्य केसरी मोरे पिया गए रंगून...
@ व्यापार 2035 तक 691 अरब डॉलर की बायोइकोनॉमी...

‘विश्व केसरी’ का छत्तीसगढ़ संस्करण आज से : पत्रकारिता से कोई समझौता नहीं

- सुजीत कुमार, प्रधान संपादक

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक ‘विश्व केसरी’ आज से छत्तीसगढ़ की धरती से अपने नए संस्करण का शुभारंभ कर रहा है। यह केवल एक नए समाचार पत्र का प्रकाशन नहीं, बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों, जनविश्वास और निर्भीक समाचार संस्कृति को पुनर्स्थापित करने का एक संकल्प है।

आज जब समाचार और विज्ञापन की सीमाएँ लगातार धुंधली होती जा रही हैं, तब ‘विश्व केसरी’ ने एक स्पष्ट और सार्वजनिक निर्णय लिया है कि वह अपनी संपादकीय स्वतंत्रता को किसी भी कीमत पर प्रभावित नहीं होने देगा। हमारा मानना है कि जिस समाचार पत्र की आर्थिक निर्भरता सत्ता और प्रशासन पर बढ़ जाती है, उसकी निष्पक्षता पर स्वाभाविक प्रश्न खड़े होने लगते हैं। इसी कारण ‘विश्व केसरी’ सरकार अथवा प्रशासन से विज्ञापन प्राप्त करने की दौड़ का हिस्सा नहीं बनेगा, ताकि समाचारों की गुणवत्ता, निष्पक्षता और निर्भीकता पर किसी प्रकार का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव न पड़ सके।

हमारा उद्देश्य किसी सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करना है। जो निर्णय जनहित में होंगे, उनका स्वागत किया जाएगा और जहाँ जनहित की अनदेखी होगी, वहाँ तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर निर्भीक प्रश्न भी पूछे जाएंगे। हमारी निष्ठा केवल संविधान, सत्य और जनता के प्रति होगी।

‘विश्व केसरी’ न तो किसी राजनीतिक दल का मुखपत्र बनेगा, न किसी उद्योग समूह का प्रचार माध्यम और न ही किसी व्यक्ति विशेष की छवि निर्माण का मंच। हमारा विश्वास है कि समाचार पत्र का सबसे बड़ा दायित्व सत्ता के साथ खड़ा होना नहीं, बल्कि समाज और नागरिकों के साथ खड़ा होना है।

छत्तीसगढ़ की पहचान केवल राजधानी रायपुर तक सीमित नहीं है। बस्तर से सरगुजा, बिलासपुर से दुर्ग, राजनांदगांव से कोरिया और जशपुर तक हर क्षेत्र की समस्याएँ, उपलब्धियाँ, संघर्ष और संभावनाएँ ‘विश्व केसरी’ के पन्नों पर समान महत्व के साथ स्थान पाएंगी। गाँव, किसान, युवा, महिलाएँ, श्रमिक, आदिवासी समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, न्याय व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन से जुड़े मुद्दे हमारी प्राथमिकता होंगे।

हम सनसनी नहीं, सत्य प्रकाशित करेंगे। सबसे पहले होने की होड़ से अधिक महत्वपूर्ण हमारे लिए सबसे सही होना है। प्रत्येक समाचार तथ्यों की कसौटी पर परखा जाएगा और यदि कभी कोई त्रुटि होगी तो उसे स्वीकार कर पारदर्शिता के साथ सुधारा भी जाएगा। यही जिम्मेदार पत्रकारिता की पहचान है।

डिजिटल युग में अफवाहें कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँच जाती हैं। ऐसे समय में तथ्य आधारित, प्रमाणित और विश्वसनीय पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। ‘विश्व केसरी’ इसी आवश्यकता को अपना दायित्व मानते हुए समाचारों की सत्यता को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा।

यह समाचार पत्र किसी व्यक्ति, संस्था या सत्ता प्रतिष्ठान का नहीं, बल्कि उन लाखों पाठकों का होगा जो आज भी निष्पक्ष और विश्वसनीय पत्रकारिता में विश्वास रखते हैं। हम अपने पाठकों से केवल एक सहयोग चाहते हैं—यदि कहीं अन्याय, भ्रष्टाचार, अनियमितता या जनहित का कोई मुद्दा हो, तो उसे हमारे संज्ञान में लाएँ। आपकी सूचना और हमारा निष्पक्ष सत्यापन मिलकर समाज के प्रति पत्रकारिता का दायित्व निभाएंगे।

छत्तीसगढ़ संस्करण के शुभारंभ पर हम प्रदेश के सभी पाठकों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और जागरूक नागरिकों को विश्वास दिलाते हैं कि ‘विश्व केसरी’ का प्रत्येक अंक सत्ता से नहीं, सत्य से प्रेरित होगा। यही हमारी प्रतिबद्धता है, यही हमारी पहचान होगी और यही आने वाले वर्षों में हमारी सबसे बड़ी पूंजी होगी।

‘समाचार हमारा धर्म है, सत्य हमारी शक्ति और जनहित हमारी सर्वोच्च प्रतिबद्धता।’

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का दमदार प्रदर्शन, पदकों की लगी झड़ी

एजेंसी ■ ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम कर लिए हैं। विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन ने देश का गौरव बढ़ाया है और भारत की स्थिति मजबूत हुई है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली ‘डबल पोडियम’ फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की।

सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। सोमन ने 13.38 मीटर के शुरुआती थ्रो के साथ प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। इसके बाद अपने दूसरे प्रयास में गोल्ड मेडल दिलाने वाले 13.40 मीटर के थ्रो तक सुधार किया। उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा, जबकि शेष थ्रो क्रमश: 13.14 मीटर, 13.17 मीटर और 13.11 मीटर के थे। हालांकि, वे अपने दूसरे राउंड के प्रयास में सुधार नहीं कर सके, लेकिन पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह काफी था। दूसरी ओर, शुभम ने फाइनल के दौरान बेहतरीन निरंतरता दिखाई। उन्होंने 13.08 मीटर से शुरुआत की, उसके बाद 12.42 मीटर का थ्रो किया, और फिर तीसरे राउंड में सुधार करते हुए 13.27 मीटर तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने 13.16 मीटर और 12.88 मीटर का थ्रो किया, और अंत में अपने आखिरी प्रयास में 13.28 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके सिल्वर मेडल पक्का किया। सोमन राणा के लिए यह गोल्ड मेडल एक और बड़ी कामयाबी थी, जिन्होंने 2006 में जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना में सेवा के दौरान माइन ब्लास्ट में घायल होने के बाद यह मुकाम हासिल किया।

अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड

एजेंसी ■ पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अजीत डोभाल को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद उपस्थित अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की।

इस समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, लोकमान्य तिलक ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहित तिलक सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक व्यक्ति और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस समारोह ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रसेवा के विचारों को एक बार फिर स्मरण कराया। 81 वर्षीय अजीत डोभाल भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं और अभी इस पद पर बने हुए हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने मिजोरम, सिक्किम, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में काम किया है।

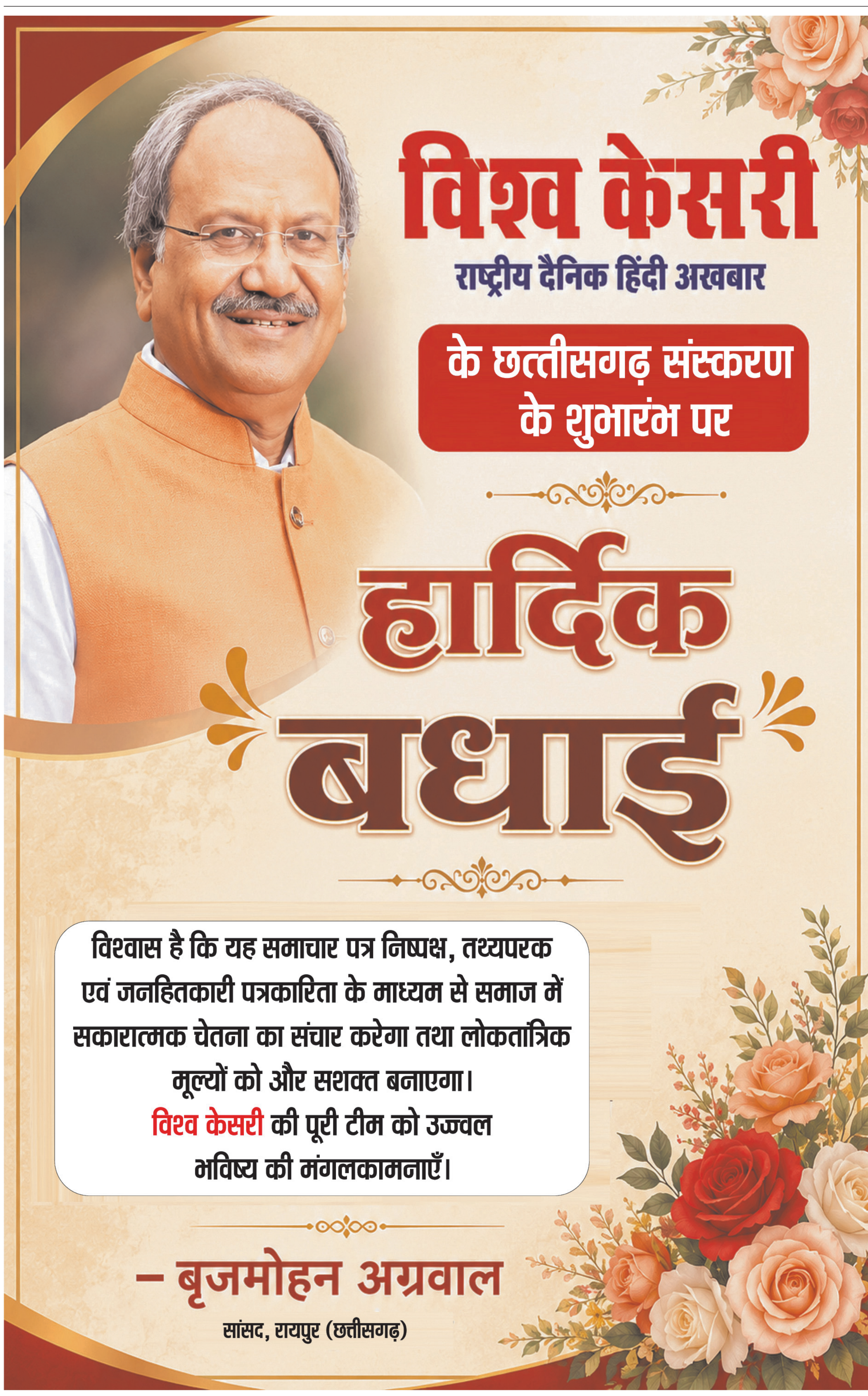

रूफटॉप सोलर में उत्तर प्रदेश ने मारी बाजी, लखनऊ बना देश का नंबर-1, टॉप 100 में प्रदेश के 17 जिले शामिल

विश्व केसरी■

लखनऊ। स्वच्छ और सस्ती बिजली की दिशा में उत्तर प्रदेश ने बड़ा कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर लगाने में देशभर में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है।

केंद्र सरकार की ताजा सूची के मुताबिक देश के शीर्ष 100 जिलों में उत्तर प्रदेश के 17 जनपद शामिल हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि राजधानी लखनऊ 1,24,167 रूफटॉप सोलर संयंत्रों के साथ लगातार देश में पहले नंबर पर बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपी नेडा) के डायरेक्टर रविंदर सिंह ने बताया कि लखनऊ में बड़ी संख्या में घरों और संस्थानों ने छत पर सोलर पैनल लगवाए हैं। इसी वजह से लखनऊ ने देश में नंबर-1 होने का गौरव बरकरार रखा है।

इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी पीछे नहीं रहा। वाराणसी ने देश में 10वां स्थान हासिल किया है। यहां 48,829 संयंत्र लग चुके हैं। वहीं ,औद्योगिक शहर कानपुर नगर भी 43,289 संयंत्रों के साथ देश में 14वें स्थान पर पहुंच गया है। इस तरह देश के टॉप 15 जिलों में यूपी के तीन जिले लखनऊ, वाराणसी और कानपुर शामिल हैं।

टॉप 100 में यूपी के ये 17 जिले रूफटॉप सोलर को लेकर यूपी के लोगों में जागरूकता तेजी से बढ़ी है और इसका असर रैंकिंग में साफ दिख रहा है। शीर्ष 100 में शामिल यूपी के अन्य जिलों में बरेली 28,315 संयंत्रों के साथ देश में 24वें, आगरा 26,375 संयंत्रों के साथ 29वें और प्रयागराज 23,773 संयंत्रों के साथ 37वें स्थान पर है। झांसी 18,354 संयंत्रों के साथ 51वें, रायबरेली 17,532 के साथ 56वें और गोरखपुर 14,498 के साथ 70वें नंबर पर है। सहारनपुर 13,821 के साथ 73वें, मुजफ्फरनगर 13,464 के साथ 75वें और मेरठ 13,137 के साथ 78वें स्थान पर रहा। इसके अलावा बाराबंकी 13,126 के साथ 79वें, अलीगढ़ 12,925 के साथ 81वें, शाहजहांपुर 12,158 के साथ 86वें, सीतापुर 12,008 के साथ 88वें और उन्नाव 11,779 संयंत्रों के साथ 90वें स्थान पर है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सरकार रूफटॉप सोलर लगवाने पर सब्सिडी दे रही है। इस वजह से आम लोग भी अब सोलर की तरफ बढ़ रहे हैं। रूफटॉप सोलर लगने से घरों का बिजली बिल कम हो रहा है। दिन में बनी अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर लोग कमाई भी कर पा रहे हैं। इससे एक तरफ जेब पर बोझ कम हुआ है, तो दूसरी तरफ पर्यावरण को भी फायदा मिल रहा है। सोलर से बिजली बनने से कार्बन उत्सर्जन घट रहा है और हवा साफ हो रही है। यूपी नेडा के डायरेक्टर रविंदर सिंह ने कहा कि वाराणसी में सोलर अभियान का असर साफ दिख रहा है।

टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने भाजपा में शामिल होने की बात से किया इनकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत रॉय और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शनिवार को विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियों और राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। दोनों नेताओं ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए, जबकि कुछ फैसलों का स्वागत भी किया।

कोलकाता में टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने भाजपा से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर कहा कि कुछ सांसदों ने उनसे बातचीत के दौरान भाजपा में शामिल होने से इनकार किया है। उनके अनुसार, उन सांसदों का मानना है कि भाजपा में जाने का अर्थ धर्मनिरपेक्ष मूल्यों से समझौता करना होगा। उनकी पार्टी भी ऐसे नेताओं से संपर्क में है और यदि वे टीएमसी में शामिल होने का फैसला करते हैं तो इसका स्वागत किया जाएगा।

बागी सांसदों की संभावित वापसी को लेकर सौगत रॉय ने कहा कि उन्होंने कुछ सांसदों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की है। उनके अनुसार, वे भाजपा में सहज महसूस नहीं कर रहे हैं और संभव है कि वहां बने रहने के लिए उन पर दबाव या धमकी हो। उन्होंने कहा कि यदि वे वापस आते हैं तो यह सकारात्मक राजनीतिक घटनाक्रम होगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने पार्टी नेतृत्व से भी चर्चा की है। प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन की कोलकाता वापसी पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी सांसद ने कहा कि यह सभी के लिए खुशी की बात है। उन्होंने तस्लीमा नसरीन को एक अच्छी कवयित्री और लेखिका बताते हुए कहा कि उनकी वापसी में किसी प्रकार की राजनीति नहीं है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती पर सौगत रॉय ने कहा कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण आम लोगों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ा है। यदि सरकार इन कीमतों को कम करने की दिशा में कदम उठाती है तो यह स्वागतयोग्य फैसला होगा।

उधर, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बोलने के लिए खड़े होने पर हुए हंगामे को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सच्चाई से बचना चाहती है और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके साथ कथित तौर पर कठोर कार्रवाई क्यों की गई।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती पर इमरान मसूद ने कहा कि पहले कीमतों में भारी बढ़ोतरी की गई और अब सीमित राहत देकर इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पहले लगभग एक हजार रुपये तक कीमतें बढ़ाईं और अब केवल दो सौ रुपये की कमी की है, जिससे आम लोगों को वास्तविक राहत नहीं मिलेगी। बसपा प्रमुख मायावती के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए इमरान मसूद ने कहा कि बसपा का ऐसा रुख नया नहीं है और पार्टी पहले भी इस तरह के राजनीतिक फैसले लेती रही है।

संक्षिप्त खबरें

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विरोध का मकसद धर्म का अपमान नहीं, सरकार से जवाब मांगना : सपा

विश्व केसरी■

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर संसद परिसर में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर सनातन धर्म के अपमान के भाजपा के आरोप पर समाजवादी पार्टी की विधायक पल्लवी पटेल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे लोगों का उद्देश्य किसी धर्म का अपमान करना नहीं, बल्कि चढ़ावा चोरी के मामले में सरकार से जवाब मांगना था।

पल्लवी पटेल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जो लोग इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। उनका कहना है कि यदि राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी किसी तरह की चोरी या गड़बड़ी हुई है, तो सरकार को सामने आकर इस पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग अलग-अलग मंचों और तरीकों से अपनी आवाज सरकार तक पहुंचा रहे हैं और यह जानना चाहते हैं कि यदि कोई घटना हुई है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी है और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

डीडीए ने 6 महीने में 85 प्रतिशत से ज्यादा शिकायतें निपटाईं, हर हफ्ते होती है जनसुनवाई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों की शिकायतें अब तेजी से सुनी और सुलझाई जा रही हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने जनवरी से जून 2026 तक सिर्फ 6 महीने में 85 प्रतिशत से ज्यादा शिकायतों का निपटारा कर दिया है। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू के 'जनता पहले' वाले निर्देशों के बाद डीडीए ने अपने काम करने का तरीका बदला। नतीजा ये हुआ कि साल की शुरुआत में डीडीए के पास लंबित शिकायतों की संख्या 22,946 थी, जो जून के अंत तक घटकर सिर्फ 3,167 रह गई। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान सीपीजीआरएएमएस, एलजी लिसनिंग पोस्ट, सीएम जनसुनवाई, डीआरएमएस, मोबाइल 311 और समस्या निदान सेवा जैसे अलग-अलग प्लेटफॉर्म से आई कुल 19,779 शिकायतों का समाधान किया गया। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने पदभार संभालते ही सभी विभागों को कहा था कि काम में पारदर्शिता लाएं और जनता की समस्याओं को जल्दी सुलझाएं ताकि 'विकसित दिल्ली' का लक्ष्य पूरा हो सके। डीडीए के अधिकारियों के साथ हुई पहली बैठक में ही उन्होंने खास तौर पर कहा था कि जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और तुरंत निपटारा किया जाए।

चमियारी पुलिस चौकी पर हमले के चार आरोपी गिरफ्तार, आईएसआई हैंडलर के निर्देश पर फेंका था ज्वलनशील पदार्थ

विश्व केसरी■

अमृतसर। पंजाब पुलिस की 'वार अगेंस्ट गैंगस्टर्स' मुहिम के तहत अमृतसर ग्रामीण पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अजनाला थाना क्षेत्र के अंतर्गत चमियारी पुलिस चौकी पर हुए हमले के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान समर्थित आईएसआई हैंडलर के संपर्क में थे और उन्हें इस हमले को अंजाम देने के लिए आर्थिक मदद भी प्राप्त हुई थी। पुलिस के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने चमियारी पुलिस चौकी पर ज्वलनशील पदार्थ (इंसेंडियरी ऑब्जेक्ट) फेंककर हमला किया था। घटना के बाद थाना अजनाला में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनके आधार पर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों का संपर्क सोशल मीडिया के जरिए एक पाकिस्तान समर्थित आईएसआई हैंडलर से हुआ था। उसी के निर्देश पर उन्हें हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई थी। पंजाब पुलिस ने बताया कि फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है। जांच एजेंसियां इस साजिश के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक, पूरे मॉड्यूल, विदेशी संपर्कों और फंडिंग नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

आतंकवादी बड़े हमले करने में सक्षम नहीं, आसान लक्ष्यों को निशाना बनाकर फैलाना चाहते हैं डर: पूर्व डीजीपी एसपी वैद

विश्व केसरी■

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम हुए एक आतंकवादी हमले में दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और हमले की जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने दोनों मजदूरों से पहले उनका नाम और धर्म पूछा और उसके बाद उन्हें निशाना बनाया। इस घटना ने एक बार फिर घाटी में प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा और आतंकवाद की चुनौती को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक एसपी वैद ने आईएएनएस से बात करते हुए इस हमले को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि अपनी आजीविका कमाने के लिए कश्मीर आए दो युवकों की निर्मम हत्या कर दी गई। दोनों की उम्र लगभग 25 से 26 वर्ष थी और वे छत्तीसगढ़ के निवासी थे। हत्या से पहले उनसे उनकी पहचान और धर्म के बारे में पूछा गया, जो पिछले वर्ष पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के तौर-तरीकों से मेल खाता है। घटना का पैमाना भले छोटा हो, लेकिन आतंकियों की कार्यशैली वही दिखाई देती है, जिसमें पहचान के आधार पर लोगों को निशाना बनाया जाता है। एसपी वैद ने कहा कि यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा जारी है। पुलिस, सेना, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, खुफिया एजेंसियों, सीआईडी, आईबी के वरिष्ठ अधिकारी संयुक्त रूप से पूरे घटनाक्रम की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमले के पीछे शामिल आतंकियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जाएगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा। पूर्व डीजीपी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की स्थिति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि वहां हालात गंभीर बताए जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता के रिश्तेदार के वीडियो पर एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी■

मुंबई। महाराष्ट्र साइबर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक कथित भड़काऊ वीडियो के मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला कांग्रेस नेता भाई जगताप के आधिकारिक एकाउंट पर साझा किए गए वीडियो से जुड़ा है। हालांकि वीडियो उनके अकाउंट से पोस्ट किया गया है, लेकिन एफआईआर अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि 31 जुलाई को दोपहर लगभग 2:00 बजे वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट देख रहा था। उसी दौरान भाई जगताप के एक्स अकाउंट द्वारा प्रकाशित एक पोस्ट पर पड़ी। इस पोस्ट में एक वीडियो साझा किया गया है, जिसके कैप्शन में 'दिल्ली पुलिस के सरकार पर गंभीर आरोप' लिखा गया है।

वीडियो में एक व्यक्ति, जिसे भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अधिकारी बताया गया है, यह कहते हुए दिखाई देता है, 'मैं तत्काल प्रभाव से भारतीय पुलिस सेवा से अपना इस्तीफा सौंप रहा हूं। सरकार मुझसे यह उम्मीद कर रही थी कि मैं प्रेस के सामने आकर सड़कों पर अपने हक की मांग कर रहे छात्रों के बारे में सरासर झूठ बोलूं। मुझसे कहा गया कि उन्हें अपराधी साबित करूं लेकिन मैं ऐसी किसी भी व्यवस्था का हिस्सा नहीं रह सकता जो मुझे सच बोलने से रोके और मासूम छात्रों को फंसाने के लिए मजबूर करे। ये छात्र कोई आतंकवादी नहीं हैं, ये हमारे देश का भविष्य हैं। मैंने पुलिस की नौकरी सच का साथ देने के लिए चुनी थी, झूठ बेचने के लिए नहीं। मैं सरकार के इस कृत्य का हिस्सा नहीं बन सकता। आज से मैं सरकार के साथ नहीं, बल्कि इन छात्रों के साथ हूं।' शिकायतकर्ता के अनुसार, यह वीडियो एआई की मदद से तैयार किया गया फर्जी वीडियो है, जिसमें दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी की आवाज और संवाद में कृत्रिम रूप से बदलाव किया गया है।

कावेरी मुद्दे पर तमिलनाडु के पास सुप्रीम कोर्ट ही है एकमात्र विकल्प : निर्मल कुमार

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु सरकार के मंत्री निर्मल कुमार ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक से कावेरी जल में अपना उचित हिस्सा पाने के लिए राज्य के पास सुप्रीम कोर्ट जाना ही एकमात्र व्यावहारिक विकल्प है। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य में लगातार बनी सरकारों ने तमिलनाडु को पानी देने में अनिच्छा दिखाई है। तिरुनेलवेली में पत्रकारों से बात करते हुए निर्मल कुमार ने कहा कि तमिलनाडु सरकार राज्य के हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी कि उसे कावेरी जल में अपना उचित हिस्सा मिले। उन्होंने इस विवाद पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री के रुख की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु की चिंताओं को समझने में विफल रही है। निर्मल कुमार ने केंद्रीय मंत्री पर कर्नाटक के बांध बनाने के प्रस्ताव का समर्थन करने और तमिलनाडु के हितों के खिलाफ काम करने का भी आरोप लगाया। निर्मल कुमार के अनुसार, अंतरराज्यीय नदी जल विवाद को सुलझाने में अलग-अलग राज्यों की भूमिका सीमित होती है।

ईडी ने यूकेएसएसएससी परीक्षा पेपर लीक मामले में 63.30 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की

विश्व केसरी■

देहरादून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के देहरादून कार्यालय ने यूकेएसएसएससी परीक्षा पेपर लीक मामले में 63.30 लाख रुपए की संपत्ति अस्थाई रूप से जब्त की।

ईडी देहरादून उप क्षेत्रीय कार्यालय ने यूकेएसएसएससी परीक्षा पेपर लीक घोटाले के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 63.30 लाख रुपए की चल और अचल संपत्ति को अस्थाई रूप से जब्त कर लिया है।

ईडी ने यूकेएसएसएससी स्नातक स्तरीय (वीडीओ/वीपीडीओ) परीक्षा, 2021 के पेपर लीक के संबंध में देहरादून के रायपुर पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज एफआईआर और वीडीओ/वीपीडीओ परीक्षा, 2016 में अनियमितताओं के संबंध में देहरादून सतर्कता विभाग द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर पीएमएलए के तहत जांच शुरू की। जांच में पता चला कि हकम सिंह रावत और मेसर्स आरएमएस टेक्नो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों सहित एक संगठित गिरोह इस घोटाले में शामिल था। लिमिटेड (परीक्षा के लिए मुद्रण एजेंसी), सरकारी कर्मचारियों, बिचौलियों और दलालों ने बेईमानी से गोपनीय प्रश्नपत्र लीक किए, परीक्षा प्रक्रिया में हेरफेर किया और उम्मीदवारों से भारी मात्रा में धन वसूला। लीक हुए प्रश्नपत्रों को बिचौलियों के एक नेटवर्क के माध्यम से उम्मीदवारों को भारी धनराशि के बदले वितरित किया गया। अपराध से प्राप्त धन का उपयोग चल और अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए किया गया। पीएमएलए के तहत की गई वित्तीय जांच में पता चला कि हकम सिंह रावत ने उम्मीदवारों से लगभग 95 लाख रुपए प्राप्त किए और यूकेएसएसएससी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक से हुई अवैध कमाई को वैध आय के रूप में दिखाने का प्रयास किया।

युवाओं को माफ कर राष्ट्र-निर्माण का संदेश देना मोदी की बड़ी सोच : एनडीए नेता

विश्व केसरी■

रांची/लखनऊ। भाजपा के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवाओं से अपील और उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने युवाओं के प्रति बड़ा दिल दिखाया है तथा उन्हें राष्ट्र-निर्माण की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश दिया है। भाजपा नेताओं ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग युवाओं और विपक्ष को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व उनकी उदारता और बड़े दिल को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर कुछ युवाओं द्वारा प्रधानमंत्री और उनकी माता के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:-
Email ID - rmczonev@gmail.com

पत्र क्र /....33911.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 01-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33911

वार्ड का नाम - 4 - यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR105E00380 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RAKESHWARI SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती VINOD KUMAR SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती HIRMAT MIRI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O RAJU MIRI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

' सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:-
Email ID - rmczonev@gmail.com

पत्र क्र /....33976.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 01-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 33976

वार्ड का नाम - 4 - यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104H00328 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RUMAN AGRAWAL पिता / पति श्री/श्रीमती MANOJ AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SHANTI DEVI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O LATE PARAS RAM AGRAWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

' सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

व्याकरण ही नहीं, सत्यता और संतुलन ही भाषा की वास्तविक शुचिता : कुलपति प्रो. मनोज दयाल

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के एकमात्र कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के युगद्रष्टा मुंशी प्रेमचंद की जयंती 31 जुलाई के अवसर पर एक ऐतिहासिक पहल की गई। इस पावन अवसर पर विश्वविद्यालय में 'बौद्धिक विमर्श इकाई' की स्थापना की गई, जिसके तहत 'सार्वजनिक जीवन में भाषा की शुचिता' विषय पर एक विशेष राष्ट्रीय विमर्श आयोजित हुआ।

आम आदमी की सहज-सरल बोली को साहित्य के उच्च शिखर पर स्थापित किया

इस अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक एवं पत्रकारिता योगदान को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने अपनी धारदार लेखनी से समाज की विसंगतियों पर करारा प्रहार किया और आम आदमी की सहज-सरल बोली को साहित्य के उच्च शिखर पर स्थापित किया। आज के दौर में भाषा की शुचिता का दायरा केवल व्याकरणिक शुद्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सत्यता, वैचारिक संतुलन और वस्तुनिष्ठता का समाहित होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में संवाद का सकारात्मक प्रयोग समाज को जोड़ता है, जबकि मर्यादाहीन और कलुषित भाषा सामाजिक विभाजन को जन्म देती है।

डिजिटल युग में संवाद की मर्यादा सबसे बड़ी चुनौती

कुलसचिव सुनील शर्मा ने कहा कि सफल संवाद वही है जो श्रोता की समझ और गरिमा को ध्यान में रखकर किया जाए। सार्वजनिक जीवन में हमारी भाषा का स्तर ही हमारे व्यक्तित्व और विचारों का दर्पण होता है। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्यों ने रेखांकित किया कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया की अति-सक्रियता के बीच भाषा की मर्यादा, संयम और संतुलन बनाए रखना पत्रकारिता और समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।

नियमित रूप से होंगे समकालीन विषयों पर मंथन

विश्वविद्यालय में नवगठित 'बौद्धिक विमर्श इकाई' के माध्यम से अब नियमित रूप से ज्वलंत व समकालीन विषयों पर परिचर्चाएँ आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के बीच वैचारिक आदान-प्रदान की संस्कृति और मजबूत हो सके। इस अवसर पर डॉ. शैलेंद्र खंडेलवाल, डॉ. आशुतोष मंडावी, डॉ. नृपेंद्र शर्मा एवं डॉ. राजेंद्र मोहंती, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष श्री पंकज नयन पांडेय उपस्थित थे।

फ्रेंडशिप डे पर एंजल विंग्स देगा 'दोस्ती का जश्न'

विश्व केसरी

रायपुर। दोस्ती के रिश्ते को समर्पित संस्था एंजल विंग्स इस बार फ्रेंडशिप डे को खास अंदाज में मनाने जा रही है। संस्था द्वारा 'एक शाम दोस्ती के नाम 'थीम पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। दोस्ती के इस खास आयोजन में रविवार, 2 अगस्त 2026 को शाम 6:00 बजे से रात 10:00 बजे तक कुशालपुर स्थित विरु कैफे, रायपुर में शहरवासी अपने मित्रों के साथ शामिल होकर इस शाम को यादगार बना सकते हैं। एंजल विंग्स के सदस्यों ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में मित्रता के मूल्यों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक और सोशल वर्कर्स भी शामिल होंगे। आयोजन में उपस्थित लोगों के लिए स्वादिष्ट भोजन, मनोरंजक खेल, क्विज प्रतियोगिता, लाइव म्यूजिक, आकर्षक डांस परफॉर्मेंस, ओपन डांस फ्लोर और थीम बेस्ड फोटो बूथ की व्यवस्था की गई है। गेम्स और एक्टिविटीज के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

विशेष संपादकीय — डॉ. आर.पी. दुबे

छत्तीसगढ़ की नई सुबह और जनसरोकारों की नई आवाज़

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाचार पत्र केवल सूचनाओं के वाहक नहीं होते, बल्कि वे समाज की चेतना, संस्कृति और जनभावनाओं के प्रतिबिंब भी होते हैं। किसी भी नए समाचार पत्र का किसी राज्य में प्रवेश केवल एक व्यावसायिक विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक संवाद की नई शुरुआत माना जाता है। ऐसे समय में जब एक प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र विश्व केसरी छत्तीसगढ़ की धरती पर अपने प्रवेश अंक के साथ नई यात्रा शुरू कर रहा है, यह अवसर प्रदेश के विकास, संस्कृति और जनसरोकारों को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है।

छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संसाधनों और जनजातीय परंपराओं के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। यह प्रदेश खनिज संपदा, कृषि और वनों से समृद्ध होने के बावजूद आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में मीडिया की भूमिका केवल समाचारों के प्रसारण तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि वह समाज और शासन के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है।

दैनिक विश्व केसरी समाचार पत्र के प्रवेश से प्रदेश के लोगों को निष्पक्ष, विश्वसनीय और तथ्यपरक समाचारों का एक नया मंच मिलेगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि जनता तक सही और संतुलित जानकारी पहुंचे। समाचार पत्र जनमत निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम होता है। यह सरकार की नीतियों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं को शासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है।

आज डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह अत्यंत तेज हो गया है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण कई बार अपुष्ट और भ्रामक सूचनाएं भी समाज में भ्रम पैदा करती हैं। ऐसे समय में समाचार पत्रों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। निष्पक्ष पत्रकारिता, तथ्यों की जांच और सामाजिक उत्तरदायित्व ही किसी समाचार पत्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने वाला दैनिक विश्व केसरी इन मूल्यों को प्राथमिकता देगा, तो निश्चित रूप से वह पाठकों का विश्वास जीतने में सफल होगा।

छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक संपदा तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की लोक कला, लोक संगीत, जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक जीवन शैली भी इसकी विशेषता है। समाचार पत्रों का दायित्व है कि वे इन सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास करें। प्रदेश के दूर-दराज़ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आवाज़ को मुख्यधारा तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाना भी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व है।

इसके साथ ही, युवाओं, किसानों, महिलाओं और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता देना समय की मांग है। बेरोजगारी, शिक्षा की गुणवत्ता, कृषि संकट और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर गंभीर और रचनात्मक विमर्श समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाचार पत्र यदि केवल नकारात्मक घटनाओं को प्रकाशित करने के बजाय समाधान आधारित पत्रकारिता को बढ़ावा दें, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

प्रदेश में औद्योगिक विकास, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और नई तकनीकों के विस्तार जैसे विषयों पर भी व्यापक चर्चा की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में मीडिया को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भी सजग रहना होगा।

दैनिक विश्व केसरी का प्रवेश अंक केवल उसके प्रकाशन की शुरुआत नहीं, बल्कि जनता के साथ विश्वास और जिम्मेदारी के नए रिश्ते की स्थापना भी होता है। पाठकों की अपेक्षा रहती है कि समाचार

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिजनों से उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की बात

विश्व केसरी

रायपुर। कश्मीर के कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दीपक रात्रे एवं भूपेन्द्र की निर्मम हत्या की सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान तत्काल दोनों दिवंगतों के परिजनों से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। शर्मा ने अधिकारियों को भी आवश्यक समन्वय एवं हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना ने पूरे प्रदेश को गहरे शोक में डाल दिया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध है। आतंकवाद के ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है और इस नृशंस हमले में शामिल आतंकियों को उनके अपराध की कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि आतंकियों को उनके कृत्य का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा और इस हमले का बदला अवश्य लिया जाएगा।

शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दोनों पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील निर्णय शोक संतप्त परिवारों को कठिन समय में संबल प्रदान करेगा तथा राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। वे पीड़ित परिवारों के साथ रहकर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा स्थानीय प्रशासन के साथ आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा विवाद : अजय चंद्राकर ने मांगी प्रदेशभर में जांच

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कटघोरा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा की जगह सीमेंट की प्रतिमा लगाए जाने का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। इस मुद्दे पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने सरकार से पूरे प्रदेश में स्थापित अटल प्रतिमाओं की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मामला बेहद गंभीर है और इसमें केवल एक सब इंजीनियर का निलंबन पर्याप्त नहीं है।

अजय चंद्राकर ने कहा कि सरकार को पूरे प्रदेश में लगी अटल प्रतिमाओं का परीक्षण कराना चाहिए। यदि कहीं भी अनियमितता मिली है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सिर्फ निलंबन नहीं, व्यापक जांच की मांग

भाजपा विधायक ने कहा कि इस मामले में एक सब इंजीनियर को निलंबित किया गया है, लेकिन इससे पूरी जिम्मेदारी तय नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन से बने स्मारकों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

बस्तर पंडुम पर कांग्रेस को घेरा

पत्रकारों से चर्चा के दौरान अजय चंद्राकर ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बस्तर पंडुम पर दिए गए बयान पर कहा कि किसी भी सरकारी आयोजन में खर्च हुई राशि का ऑडिट होता है। इसलिए यदि किसी को आपत्ति है तो जांच की प्रक्रिया मौजूद है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह आयोजन कांग्रेस के राजीव मितान क्लब की तरह फर्जी नहीं है और कांग्रेस बिना आधार के आरोप लगा रही है। सरकार स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए राज्यव्यापी आंदोलन को लेकर भी अजय चंद्राकर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने कार्यकाल की जवाबदेही तय करनी चाहिए। चंद्राकर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसलिए कांग्रेस नेताओं को पहले भूपेश बघेल से पूछना चाहिए कि यह योजना उनके कार्यालय से शुरू हुई

कॉर्पोरेट कनेक्शंस' के रायपुर चैप्टर के स्पाउसल ग्रुप द्वारा वृक्षारोपण

विश्व केसरी

रायपुर। बिज़नेस ओनर्स और शीर्ष अधिकारियों के प्रतिष्ठित ग्लोबल एग्जीक्यूटिव नेटवर्किंग संगठन, कॉर्पोरेट कनेक्शंस के रायपुर चैप्टर (सीसी रायपुर 1) ने के स्पाउसल ग्रुप ने इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, सरोना स्थित अम्यूज़ोरामा अम्यूज़मेंट पार्क में एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कम्युनिटी और लाइफस्टाइल में एक सार्थक और सकारात्मक बदलाव लाना है। विश्वास और विश्वसनीयता की नींव पर बने इस एक्सक्लूसिव नेटवर्क के स्पाउसल ग्रुप के सदस्यों ने एकजुट होकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस आयोजन का नेतृत्व सीसी रायपुर 1 की स्पाउसल चेयरपर्सन प्रिया माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम के दौरान आइस क्यूब हॉलीडेज़ से दिशा भाटिया, अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स से अंकिता बरड़िया, अम्यूज़ोरामा से रिंकू अग्रवाल और बीएनआई से श्वेता बैस्य व राजेश बैस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कनेक्शंस, रायपुर की स्पाउसल चेयरपर्सन प्रिया माहेश्वरी ने कहा, 'कॉर्पोरेट कनेक्शंस का उद्देश्य केवल बिज़नेस ग्रोथ नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर के बिज़नेस लीडर्स को उनके बिज़नेस, कम्युनिटी और निजी जीवन में नए अवसर पैदा करने के लिए सशक्त बनाता है। एक सफल बिज़नेस लीडर की पहचान केवल उसके बिज़नेस से नहीं, बल्कि समाज के प्रति उसके योगदान से भी होती है।

बीवीज़ेडआई वैगनों में ट्रेन प्रबंधक की सुविधाओं के उन्नयन पर आधुनिक संशोधन

विश्व केसरी

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का वैगन रिपेयर शॉप (डब्ल्यूआरएस), रायपुर द्वारा कुल 300 बीवीज़ेडआई वैगनों (गार्ड वैन) में ट्रेन प्रबंधक (गार्ड) की कार्य सुविधाओं के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में 05 बीवीज़ेडआई वैगनों में आरडीएसओ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से युक्त संशोधन सफलतापूर्वक किए गए हैं।

इन संशोधनों के अंतर्गत ट्रेन प्रबंधक के केबिन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं आरामदायक बनाया गया है। केबिन की दीवारों पर फ्लेक्स ग्राफिक्स फिल्म लगाई गई है, जिससे केबिन का स्वरूप आकर्षक होने के साथ-साथ उसकी साफ-सफाई भी आसान हो गई है। कपड़े एवं बैग रखने के लिए कोट हुक तथा पेयजल की बोतल को सुरक्षित रखने हेतु बोतल होल्डर की व्यवस्था की गई है।

ट्रेन प्रबंधक के कार्य को अधिक आरामदायक एवं सुविधाजनक बनाने के लिए एर्गोनॉमिक डिज़ाइन वाली 360 डिग्री घूमने वाली रिवॉल्विंग चेयर तथा फुट रेस्ट उपलब्ध कराया गया है। केबिन में टिकाऊ, फिसलन-रोधी एवं रसायन-प्रतिरोधी पॉलीअमाइन एपॉक्सी रेज़िन फ्लोरिंग की गई है। साथ ही एलईडी लाइट, पंखा, स्विच बोर्ड एवं सुरक्षित लॉकयुक्त दरवाजे की व्यवस्था भी की गई है।

संचार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए वॉकी-टॉकी स्टैंड लगाया गया है, जिससे उपकरण व्यवस्थित एवं आसानी से उपलब्ध रह सके। केबिन की विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बैटरी बॉक्स सहित बैटरी स्थापित की गई है तथा बैटरी को चार्ज करने एवं स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैगन की छत पर सोलर पैनल भी लगाया गया है।

कुलगाम आतंकी हमले में मृत श्रमिकों के परिजनों को राज्य सरकार देगी 20-20 लाख की सहायता

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिकों पर किए गए कायराना हमले में सक्ती जिले के निवासी दीपक रात्रे तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के निवासी भूपेंद्र भैना के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री साय ने इस जघन्य और अमानवीय आतंकी घटना की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के विरुद्ध अपराध है और ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और मजबूती से खड़ी है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार की ओर से दोनों दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर सरकार के अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्त की जाएगी, जो परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

रायपुर में कल होगा ऐतिहासिक चातुर्मास कलश स्थापना समारोह

150 साल पुराने जैन मंदिर को मिलेगा 'लघु तीर्थ' का स्वरूप

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर में दिगंबर जैन समाज के लिए 2 अगस्त का दिन ऐतिहासिक बनने जा रहा है। मालवीय रोड स्थित श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में नवोदय तीर्थ 2026 वर्षायोग (चातुर्मास) की भव्य कलश स्थापना दोपहर 1 बजे होगी। इस अवसर पर मुनि आगम सागर महाराज, पुनीत सागर महाराज, धैर्य सागर महाराज एवं स्वागत सागर महाराज के सानिध्य में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह चातुर्मास इस सदी के महान संत आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रेरणा और वर्तमानाचार्य समयसागर महाराज की परंपरा से जुड़ा विशेष आयोजन माना जा रहा है। सकल दिगंबर जैन समाज में इसे लेकर उत्साह का माहौल है।

150 वर्ष पुराने मंदिर का होगा कायाकल्प

नवोदय तीर्थ वर्षायोग समिति-2026 के अध्यक्ष नरेंद्र जैन गुरुकृपा और कार्यकारी अध्यक्ष संजय जैन नायक ने बताया कि लगभग 150 वर्ष पुराने अतिशयकारी जैन मंदिर का पुनर्निर्माण कर इसे 'लघु तीर्थ' के रूप में विकसित किया जाएगा। इस निर्माण का अंतिम आशीर्वाद समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर महाराज ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान दिया था।

भव्य निर्माण की रूपरेखा

समिति के अनुसार प्रस्तावित 'लघु तीर्थ' में कई धार्मिक एवं आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा, जिनमें शामिल हैं— तीन मंजिला ऊंचे शिखर वाला भव्य जिनालय, त्रिकाल चौबीसी एवं सहस्त्रकूट जिनालय, संत निवास, सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला, पार्किंग एवं सुंदर उद्यान, अखंड ज्योति बनी आस्था का केंद्र। समिति ने बताया कि आचार्य विद्यासागर महाराज की आज्ञा के अनुसार 25 जनवरी 2024 को मूलनायक आदिनाथ भगवान की वेदी के समक्ष अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की गई थी। यह ज्योति नवीन जिनालय निर्माण पूर्ण होने तक निरंतर जलती रहेगी और वर्तमान में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर परिसर में स्थापित है।

समाज से सहयोग का आह्वान

कार्यकारी अध्यक्ष संजय जैन नायक ने सकल दिगंबर जैन समाज, विभिन्न मंदिर समितियों और समाज के सभी धर्मप्रेमियों से 'लघु तीर्थ' निर्माण के महासंकल्प में सहभागी बनने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज के इस स्वप्न को साकार करना पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। समाज का मानना है कि मुनि आगम सागर महाराज ससंघ का रायपुर में चातुर्मास करना इस महायोजना के लिए अत्यंत शुभ संकेत है और इससे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

ई-20 पेट्रोल देश की जनता पर थोपने की साजिश : आम आदमी पार्टी

विश्व केसरी

रायपुर। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने ई20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए इसे देश के करोड़ों वाहन मालिकों के साथ जबरन थोपने की साज़िश करार दिया है। आप नेताओं ने बताया कि केंद्र सरकार की ई-20 पेट्रोल नीति के खिलाफ राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में शनिवार को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'नेशनल टाउनहॉल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन रिकार्डेड 702195 से अधिक लोग जुड़े,यह नया गिनीज बुक है कि भारत में किसी भी सरकारी या राजनीतिक कार्यक्रम में इतने लोग जुड़े। छत्तीसगढ़ से भी हजारों आम जनता और आम आदमी कार्यकर्ता ऑनलाइन जुड़े,जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर भारी असंतोष है। टाउनहॉल के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े वाहन मालिकों और मैकेनिकों ने खुलकर बताया कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से उनके वाहनों में इंजन खराब होना, माइलेज कम होना, पार्ट्स जल्दी घिसना और बार-बार मेंटेनेंस की समस्या सामने आ रही है। कई लोगों ने इसे आम आदमी की जेब पर सीधा हमला बताया।

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त वैज्ञानिक तैयारी और ग्राउंड टेस्टिंग के ई20 पेट्रोल को लागू करना जनता के साथ अन्याय है। पार्टी ने कहा कि सरकार ने वाहन कंपनियों और पेट्रोलियम कंपनियों के दबाव में आकर यह फैसला लिया है, जबकि इसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

पार्टी ने मांग की है कि जब तक ई20 पेट्रोल पर व्यापक अध्ययन, पारदर्शी रिपोर्ट और सभी वाहनों के लिए सुरक्षित उपयोग की गारंटी नहीं दी जाती, तब तक इसे लागू करना तुरंत रोका जाए और शुद्ध पेट्रोल का विकल्प दिया जाए। साथ ही जिन लोगों के वाहनों को नुकसान हुआ है, उन्हें मुआवजा दिया जाए। आप नेताओं ने बताया कि ई20 के खिलाफ देशभर से 2 लाख से ज्यादा पिटिशन लोगों द्वारा फ़ाइल की गई है।

कहानी

महेन्द्र तिवारी

मोरे पिया गए रंगून

बनारस की सुबहें हमेशा से अलग रही हैं। सूरज निकलने से पहले ही घाटों पर मंत्र गूंजने लगते, कहीं आरती की लौ काँपती, कहीं दूध उबलने की खुशबू गलियों में फैल जाती। कचौड़ी गली तो जैसे रात और दिन के बीच कभी सोती ही नहीं थी। सुबह होते ही गरम तेल में फूलती कचौड़ियों की आवाज़, जलेबी की मिठास और पान में लगते कत्थे की गंध पूरी हवा में तैरने लगती। उन्हीं तंग गलियों के बीच एक पुराना मकान था जिसकी खिड़कियों से हर शाम कजरी सुनाई देती थी।

उस घर में रहती थी सुन्दर।

लोग कहते थे कि उसका चेहरा बहुत खूबसूरत है, पर जिसने भी उसे गाते सुना, वह जान जाता कि उसकी असली सुंदरता उसकी आवाज़ में है। वह जब गाती तो लगता जैसे गंगा किनारे कहीं सावन उतर आया हो। उसकी कजरी सुनने दूर दूर से लोग आते। कोई व्यापारी, कोई जवान, कोई पंडित, कोई रसिक। कोई उसके पायल की तारीफ करता, कोई आँखों की, कोई गाने की। मगर सुन्दर सबकी निगाहें पहचानती थी। वह जानती थी कि कौन सचमुच संगीत सुनने आया है और कौन उसकी मजबूरी देखने।

दिन में उसका घर लगभग शांत रहता। बस एक बूढ़ी दासी भीतर बाहर करती रहती और सुन्दर कभी खिड़की से गली देखती, कभी पुराने गीत गुनगुनाती। मगर शाम ढलते ही दीये जलते और महफिल सज जाती।

उसी महफिल में एक दिन नागर आया।

पहली नजर में वह दूसरों जैसा नहीं लगा। न उसके कपड़े बहुत कीमती थे, न हाथों में अंगूठियाँ, न आवाज़ में बनावटी मिठास। वह चुपचाप बैठा रहा। पूरी महफिल में उसने एक बार भी ऊँची आवाज़ में वाह नहीं कहा। बस गीत खत्म होने पर धीरे से बोला, 'आज आपकी आवाज़ बहुत दूर तक गई।'

सुन्दर ने पहली बार किसी मेहमान की तरफ गौर से देखा।

उस दिन के बाद नागर आने लगा। कभी शाम में, कभी दोपहर ढलने पर। वह फूल नहीं लाता था। कभी कोई पुरानी किताब ले आता, कभी किसी कवि की पंक्तियाँ। वह सुन्दर को ऐसे सुनता था जैसे कोई आदमी पहली बार किसी इंसान को सुन रहा हो।

एक शाम सुन्दर ने पूछा, 'तुम इतने चुप क्यों रहते हो?'

नागर मुस्कुराया, 'क्योंकि तुम्हारे गाने के बाद शब्द छोटे लगने लगते हैं।'

सुन्दर हँस पड़ी। बरसों बाद उसकी हँसी में बचपन की हल्की खनक लौटी थी।

धीरे धीरे दोनों के बीच अपनापन बढ़ने लगा। अब नागर महफिल खत्म होने के बाद भी बैठा रहता। कभी दोनों खिड़की से गली देखते रहते, कभी दूर मंदिर की घंटियाँ सुनते। सुन्दर उससे अपने बचपन की बातें करती। कैसे छोटी उम्र में उसे गायन सिखाया गया, कैसे उसने लोगों की नजरों में खुद को धीरे धीरे एक तमाशा बनते देखा। नागर सब सुनता रहता।

एक रात उसने पूछा, 'तुम्हें कभी कहीं दूर जाने का मन नहीं करता?'

सुन्दर ने धीमे स्वर में कहा, 'हम जैसी औरतें कहीं जाती नहीं हैं बाबू। बस एक कमरे से दूसरे कमरे तक उम्र कट जाती है।'

उस जवाब के बाद नागर देर तक चुप रहा।

उसी दौरान बनारस में रंगून की बहुत चर्चा होने लगी। लोग

रोज़गार के लिए बाहर जा रहे थे। कोई कहता वहाँ खूब पैसा है। कोई कहता आदमी कुछ बरस में लौटकर बड़ा घर बना लेता है। नागर के सामने भी मौका आया। एक व्यापारी उसे अपने साथ ले जाना चाहता था।

कई दिनों तक उसने यह बात सुन्दर से छिपाए रखी। मगर एक शाम आखिर उसने कह ही दिया।

सुन्दर कुछ देर तक उसे देखती रही। फिर बोली, 'तो तुम भी चले जाओगे?'

'बस कुछ साल के लिए,' नागर ने जल्दी से कहा, 'फिर लौट आऊँगा।'

सुन्दर खिड़की की तरफ देखने लगी। बाहर बारिश की हल्की बूँदें गिर रही थीं।

'परदेस आदमी को बदल देता है,' उसने धीरे से कहा।

'मैं नहीं बदलूँगा।'

सुन्दर हल्का सा मुस्कुराई। 'यह बात जाने वाले हमेशा कहते हैं।'

उस रात महफिल नहीं सजी। सिर्फ एक छोटा दीया जल रहा था। नागर चुप बैठा रहा। जाने का दिन पास आता जा रहा था और दोनों के बीच शब्द कम पड़ने लगे थे।

रवाना होने से एक रात पहले सुन्दर ने उसके लिए एक छोटा रेशमी रुमाल निकाला। उसमें थोड़ा चावल, एक फूल और पान रखकर उसकी तरफ बढ़ाया।

नागर ने पूछा, 'यह किसलिए?'

'घर लौटने की पहचान के लिए,' उसने कहा।

नागर की आँखें भर आईं। उसने पहली बार सुन्दर का हाथ अपने माथे से लगा लिया।

उस रात सुन्दर ने कजरी गाई। मगर आज उसकी आवाज़ अलग थी। उसमें चंचलता कम थी, विरह ज्यादा। ऐसा लगता था जैसे हर पंक्ति किसी दूर जाते आदमी के पीछे भाग रही हो। नागर पूरी रात सुनता रहा।

सुबह वह चला गया।

शुरू शुरू में उसके पत्र आते रहे। वह रंगून की गर्मी, काम की कठिनाई और लौटने की उम्मीद लिखता। सुन्दर उन पत्रों को कई कई बार पढ़ती। फिर धीरे धीरे पत्र कम हो गए। महीनों का अंतर आने लगा।

गली में बातें फैलने लगीं। कोई कहता नागर ने वहीं शादी कर ली। कोई कहता बीमारी में मर गया। कोई कहता लौटना चाहता है मगर लौट नहीं सकता।

सुन्दर किसी की बात का जवाब नहीं देती। हर शाम दीपक जलाती और खिड़की के पास बैठ जाती।

अब उसकी कजरी बदल गई थी।

पहले लोग उसकी आवाज़ में मिठास सुनते थे, अब दर्द सुनते। जब वह गाती, पूरी गली चुप हो जाती। राह चलते लोग रुक जाते। बूढ़ी औरतें आह भरतीं। बच्चे भी खिड़की के नीचे आकर चुपचाप बैठ जाते।

उसकी एक कजरी बहुत मशहूर हो गई थी। उसमें वह गाती थी कि बलमु रंगून चला गया और पीछे गलियाँ सूनी हो गईं। लोग कहते, सुन्दर अब सिर्फ अपना दुख नहीं गाती, पूरे शहर का दुख गाती है।

बरस गुजरते गए।

उसके चेहरे पर उम्र उतर आई। मगर आवाज़ अब भी वैसी ही थी। एक शाम सावन की बारिश के बाद गली में कीचड़ जमा था। उसी समय एक दुबला आदमी धीरे धीरे चलता हुआ उसके दरवाजे तक आया।

उसके बाल सफेद हो चुके थे। कंधे झुक गए थे। आँखों में थकान थी।

सुन्दर ने पहले उसे पहचाना नहीं। मगर जब उसने धीमे स्वर में कहा, 'सुन्दर...'

उसका हाथ काँप गया।

'नागर?'

वह भीतर आया। कमरे में कुछ देर तक सिर्फ चुप्पी रही। फिर नागर रो पड़ा। उसने बताया कि रंगून में बीमारी ने उसे तोड़ दिया। काम छूट गया। कई बार लौटना चाहा मगर शर्म और डर रोकते रहे। उसे लगता था इतने वर्षों बाद लौटकर क्या मुँह दिखाएगा।

दोहे
मित्र दिवस पर

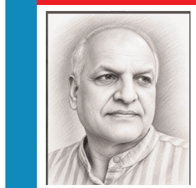

गिरीश पंकज

मित्र बनें हम ठीक है, पर यह करें विचार।
भूले से भी ना करें, छिप-छिप उस पर वार।।
मित्र अगर सच्चा रहे, करे सदा कल्यान।
संकट में कर दे मदद, बन कर ज्यों भगवान।।
मित्र कृष्ण-सा चाहिए, जो हर ले सब पीर।
बिन बोले ही बदल दे, साथी की तकदीर।।
मित्र इत्र बन कर रहे, बाँटे सदा सुवास।
नि:स्वार्थ हो दोस्ती, वही रचे इतिहास ।।
मित्र बनो और बाद में, माँगों भले उधार।
मगर चुकाना फ़र्ज़ है, वह सच्चा किरदार।।
मित्र मदद जब भी करे,तो फिर रखना ध्यान।
कर्ज चुकाना समय पर, रखना उसका मान।।
धर्म-जात हो कोई भी, मित्र करे ना भेद।
जो ऐसा करते अगर, होता मन को खेद।।
मित्र, सखा हो,फ्रेंड हो, या बोलें हम यार।
भाषा कोई भी मगर, अर्थ एक है प्यार।।
सब धर्मों में प्यार हो, तब उत्तम श्रृंगार ।
मंत्र जपें हरदम यही, सुखी रहे संसार।।
मित्र मित्र हर कोई कहे, कितने समझें मर्म।
जो समझे सच्चा वही,मित्र निभाए धर्म ।।

मो. 9425212720

लघुकथा
सच्चा मित्र

मीता अग्रवाल मधुर

शौर्य को मोबाइल ही सच्चा मित्र और ज्ञानी लगता. मोबाइल में सारी पढ़ाई है। किताब से पहले वह मोबाइल खोल लेता।परीक्षा के दिन शौर्य ने सोचा, मोबाइल है तो डर किस बात का!

परीक्षा के दिन मोबाइल बाहर , उत्तर पुस्तिका सामने,लेकिन जवाब मोबाइल में। अब शौर्य बहुत परेशान,कुछ लिखते नहीं बना। उसने माँ से कहा, 'माँ, मोबाइल तो ज्ञान देता है, पर परीक्षा में बोलता ही नहीं।'

माँ मुस्कराई और बोलीं, 'बेटा, मोबाइल राह दिखाता है, चलना तुम्हें खुद पड़ता है।' किताब ही अपना सच्चा मित्र है, मोबाइल तो साधन मात्र, किताब पढ़ना साधना, परिश्रम है और परिश्रम का फल मीठा होता है।'

रायपुर छत्तीसगढ़
9826540456

पुस्तक समीक्षा
छत्तीसगढ़ी लोक चेतना का संचित कोष

डॉ0 संतोष कुमार बघेल

छत्तीसगढ़ की लोकभाषा, लोकनृत्य, लोककला, लोकगीत, रीति-रिवाज, मुहावरे और लोकोक्तियां यहां की सांस्कृतिक अस्मिता के जीवंत प्रमाण हैं। इसी समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाती एक कालजयी कृति है 'गुड़ी के गोठ'। छत्तीसगढ़ी गद्य के युग प्रवर्तक,प्रख्यात भाषाविद् एवं शिक्षाविद् डॉ0 पालेश्वर प्रसाद शर्मा द्वारा रचित यह कृति केवल पुस्तक नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ी लोक चेतना का संचित कोष है।

'गुड़ी के गोठ' का शीर्षक ही इसकी आत्मा को उद्घाटित करता है। 'गुड़ी' छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में वह पवित्र-सामाजिक स्थल है, जहां ग्रामवासी एकत्र होकर सुख-दुख, न्याय-अन्याय और नीति-अनीति पर विमर्श करते हैं। कई गांवों में 'गुड़ी' ही न्याय-निर्णय का केन्द्र रही है। समीक्षक का यह अनुभव मार्मिक है कि बिलासपुर से मात्र 65 किलोमीटर दूर अपने ही गांव में 'गुड़ी' शब्द से अपरिचित होना, भाषा की स्थानिक विविधता 'कोस-कोस में पानी बदले, चार कोस में बानी' को रेखांकित करता है। लेखक ने इस भूली-बिसरी संस्था को पुनर्जीवित कर ग्रामीण लोकतंत्र की जड़ों से वर्तमान पीढ़ी को जोड़ने का स्तुत्य प्रयास किया है।

'गुड़ी के गोठ' ग्रामीण जनजीवन की विविध अनुभूतियों का विश्वकोश है। इसमें छत्तीसगढ़ी समाज की समस्याएं, संघर्ष, रिश्ते, संस्कृति और जीवन-दर्शन का मार्मिक चित्रण है। डॉ0 शर्मा की दृष्टि केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं है। वे वेद, रामायण, महाभारत, गीता और उपनिषदों के आलोक में भारतीय सामाजिक संरचना का समायोजन करते हुए ग्रामीण जीवन का यथार्थ प्रस्तुत करते हैं। प्राचीन काल से वर्तमान तक की यात्रा में वे हरेली, तीजा, पोला, छेरछेरा जैसे त्यौहारों, लोकगीतों, रीति-रिवाजों और धार्मिक आस्थाओं को प्रमाणिकता से उकेरते हैं।

लेखक कबड्डी की महत्ता से लेकर शराबखोरी के दुष्परिणाम, राजनीतिक स्वार्थ से लेकर मिलावट की समस्या, किसानों के संकट से लेकर अरपा नदी के सांस्कृतिक महत्व तक हर विषय को गंभीरता से उठाते हैं। वे 'तीजन बाई के योगदान', 'कबीर के दोहों की प्रासंगिकता' और 'ऋषि संस्कृति से अरण्य संस्कृति तक' की यात्रा को जोड़कर छत्तीसगढ़ को भारत की आत्मा से संबद्ध कर देते हैं।

कृति की भाषा छत्तीसगढ़ी है सरल, सहज, प्रवाहमान किन्तु ठेठपन के माधुर्य से संपृक्त। स्थानीय शब्दों, मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग भाषा को जीवंत बनाता है। गद्य और पद्य का सुंदर समायोजन, हास्य-व्यंग्य का संयमित प्रयोग और छोटे-छोटे प्रसंगों के माध्यम से रचा गया संवाद पाठक को 'गुड़ी' में बैठे होने का अनुभव कराता है। डॉ0 शर्मा केवल शिक्षक नहीं, 'शिक्षावान' होने पर बल देते हैं क्योंकि शिक्षावान व्यक्ति ही सामाजिक एकता, नैतिक मूल्य और पारिवारिक सद्भाव का वाहक बनता है।

पुस्तक वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ी अस्मिता के विखंडन पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। लेखक की स्पष्ट अवधारणा है कि 'अपनी संस्कृति, परंपरा और अस्तित्व को बचाना है तो मातृभाषा और मातृभूमि से प्रेम करना होगा। इसके लिए धरती को जन्म भूमि, कर्मभूमि और मरणभूमि के रूप में स्वीकारना होगा।' वे अंधविश्वास, भेदभाव, रूढ़िवादिता पर कुठाराघात करते हुए शिक्षा, अन्दान-गोदान से बढ़कर 'शिक्षादान' पर बल देते हैं। प्रेम, करुणा, सहानुभूति, त्याग और सहयोग जैसे मानवीय मूल्यों को ग्रामीण संबंधों की रीढ़ बताते हैं।

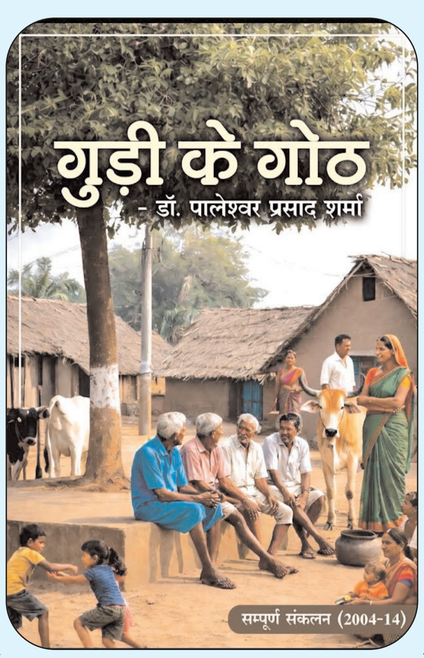

प्रकाशक :सर्वप्रिय प्रकाशन,
नयी दिल्ली
क़ीमत : तीन सौ रु.

'गुड़ी के गोठ' यथार्थवाद, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण है इसमें ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और समसामयिक विमर्श का सुंदर समन्वय है। यह कृति नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सेतु बनेगी। जिस प्रकार बड़े निर्णय सुसज्जित कार्यालयों में होते हैं, उसी प्रकार भारत के 70 प्रतिशत ग्रामीण जन का 'कार्यालय' उसकी 'गुड़ी' है - यह सत्य स्थापित कर डॉ0 शर्मा ने लोक को साहित्य के केन्द्र में प्रतिष्ठित किया है।

यह पुस्तक भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक, उपयोगी एवं मार्गदर्शक सिद्ध होगी। नि:संदेह, डॉ0 पालेश्वर प्रसाद शर्मा की यह कालजयी रचना छत्तीसगढ़ी साहित्य को समृद्ध करते हुए 'काल से संवाद' करने में सफल हुई है। 'गुड़ी के गोठ पढ़ना, मानों अपनी जड़ों से बतियाना है।

डॉ0 पालेश्वर प्रसाद शर्मा
कृति : 'गुड़ी के गोठ'
लेखक : डॉ0 पालेश्वर प्रसाद शर्मा

व्यंग्य
विकास की नदी बह रही है....

भूपेंद्र भारतीय

नदी बह रही थी। नदी को बहते देखना किसे अच्छा नहीं लगता है। लचकलाल भी नदी को निहार रहा था। मनोरम दृश्य को देखकर उसके मन में प्रकृति का कवि कुमार बनने की लहरें उठ रही थी। उस सौंदर्य को देखकर उसके मन में अनेक रचनाएं बहनें लगी। वह कवि बनने ही वाला था, कि इतने में उसके मन में न जाने कहाँ से 'विकास की नदी बह रही है'! जैसा विचार उमड़ता घुमड़ता आ धमका। कहा मन सौंदर्य व श्रृंगार रस में गोते लगा रहा था और कहाँ यह विकास की नदी ने मन को किंकर्तव्यविमूढ़ वाली स्थिति में पहुंचा दिया। लचकलाल अपने आसपास बहती विकास की नदी के बहाव में खोने लगा। लचकलाल देख रहा है कि पूरा शहर विकास में गोते लगा रहा है।

शहर की नालियां थोड़ी सी बरसात में बहने से मना कर रही है। ओर शहर के नालों से आता गंदा पानी (जिसे नगरपालिका वाले संभ्रांत भाषा में सीवेज कहते है) शहर से निकली नदी में मिलकर नदी की उपयोगिता बढ़ा रहे थे। बारिश का जल गरीबों के घरों में अतिक्रमण करने को आतुर है। शहर की नालियां नगरीय विकास के सूचकांक को बता रही थीं। बारिश नगरपालिका की सक्रियता व ईमानदारी पर हस्ताक्षर कर रही थी। लचकलाल के नगर का मुख्य मार्ग तरणताल की तरह लग रहा था। यहां बच्चों के लिए जल क्रीड़ा का विकास हुआ। जल्द ही हमारे युवा तैराकी में ओलंपिक पदक जीतेंगे। बच्चों ने भी विकास का नया मॉडल देख लिया। विकास की बहती नदी में लचकलाल अपने घर के आसपास सुअरों की सेना देख रहा था। यहां लचकलाल को 'देश के विकास में और सूअरों के विकास में अंतर करना मुश्किल हो रहा था।' उसे इस तरह के विकास में स्मार्ट सिटी का स्वरूप दिख रहा था। लचकलाल का राजधानी में एसी कार्यालयों में बैठकर नगरीय विकास के इस मॉडल को बनाने वाले अधिकारियों के दर्शन करने का मन होने लगा।

वह देख रहा था कि विकास की बहती इस नदी में नगर के प्रमुख मार्ग पर दोनों ओर न जाने कौन कौन से विकास पुरुषों व बहनों के बड़े बड़े पोस्टर लगे थे। एक तरफ बरसाती नदी बह रही थी और दूसरी ओर विकास की बहती नदी ने लचकलाल को मानों कुरुक्षेत्र में खड़े अर्जुन वाली स्थिति में पहुंचा दिया था। 'वह विकास की बहती नदी को देख तो रहा था लेकिन यह विकास जा कहाँ रहा था उसे नहीं दिख रहा था।'

लचकलाल ने एक ओर अद्भुत दृश्य देखा कि विकास आनलाइन हो गया है। वह अब कागजी फाइलों से निकल कर विभिन्न नेटवर्क के माध्यम से जल, जंगल व जमीन से भी आगे निकल चुका है। यह विकास की नदी आधुनिक हो गई है। जो विकास पहले फाइलों में किसी कारण से अटका था वह अब फाइबजी नेटवर्क की गति से दौड़ता है। आधुनिक शहरों में ही नहीं, गाँवो में भी यह विकास पहाड़ी नदियों की तरह बहने लगा है। एक तरफ विकास हुआ नहीं कि दूसरी ओर से विकास की नई नदी तेज गति से बहती हुई आती है और पहले वाले विकास को बहाकर अपने साथ ले जाती है।

लचकलाल देख रहा था कि यह बरसाती नदी तो कुछ समय बाद उतर जाएगी लेकिन क्या विकास की बहती नदी कभी रुकेगी ? भला कौन है जो इसे रोकने की हिम्मत करेगा। सबको विकास चाहिए। विकास किसे पसंद नहीं है। कोई विकास की इस नदी में डुबकी लगाकर रातोंरात विकास पुरुष बन जाता है तो कोई महापुरुष! कुछ लोग इस नदी में से अपने लिए नई विकास धारा का निर्माण कर लेते हैं। फिर उनकी विकास की नदी आगे बहती रहती है। वे अपने क्षेत्र में विकास की नदी बहाने के लिए विकास पुरुष बन जाते हैं। आजकल तो विकास पुरुषों के साथ-साथ विकास रूपी दीदी व बहनें भी अवतरित हो गई है।

लचकलाल सोच रहा था कि विकास की बहती इस नदी में कहीं वह बह न जाए। उसे इससे सावधान रहना चाहिए। विकास की बहती नदी उसके घर, खेत व पूजा स्थानों में तेज गति से अतिक्रमण कर रही है। वह आगे और सोचने लगा कि अभी जिस बहती नदी के किनारे वह बैठा है यहां से तो उठकर वह इस नदी के बहाव व बाढ़ से बच सकता है लेकिन अपने नगर-गाँवों में विकास की बहती नदी से वह कैसे बचेगा...!!

205, प्रगति नगर,सोनकच्छ,
जिला देवास, मध्यप्रदेश(455118)
मो. 9926476410

कविता
दोस्त जो दिल से जुड़े होते हैं

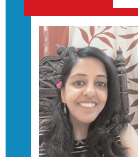

अनुपमा आर्य

दोस्त जो दिल से जुड़े होते हैं,
चट्टानों पर लिखे उन नामों की तरह होते हैं,
जो वक़्त की बारिश से भी नहीं मिटते।
जब ऊँची स्कर्ट पहनकर
मैं क्लास की बीच वाली बेंच पर बैठी थी,
तभी पहली बार
किसी ने अपनी कॉपी मेरी तरफ़ बढ़ाई थी।
शायद...
दोस्ती की मेरे लिए शुरुआत वहीं से हुई थी।
उसी समय
पहली बार अपनी साइकिल मिली थी।
स्कूल की छुट्टी होते ही
हम अपनी ही धुन में निकल पड़ते थे,
मानो पूरा शहर नाप लेना ही
दिन का सबसे ज़रूरी काम हो।
फिर एक दिन...
यूनिफ़ॉर्म बदल गई/रास्ते बदल गए।
जिन चेहरों से रोज़ मुलाक़ात होती थी,
वे धीरे-धीरे
किसी भीड़ का हिस्सा बन गए।
नए चेहरे मिले, नए नाम याद हुए।
दोस्त तो फिर भी बन गए,
पर पुराने वाले अपनेपन को
आने में थोड़ा वक़्त लगा।
लंच ब्रेक शुरू होने से पहले ही
किसी का खाना
किसी और के टिफ़िन में पहुँच जाता था।
जिस दिन क्लास अच्छी नहीं लगती थी,
पीछे वाले दरवाज़े से चुपचाप निकल जाते थे,
और बाद में
टीचर की डाँट भी साथ ले आते थे।
फिर कुछ चेहरे
दोबारा ज़िंदगी में लौट आए।
इस बार कंधों पर स्कूल बैग नहीं,
कॉलेज की किताबें थीं।
पर साइकिल पर गूँजती हमारी हँसी
बिल्कुल पहले जैसी थी।
यूनिफ़ॉर्म छूट गई थी,
अब सब अपने-अपने रंगों में थे,
लेकिन दोस्ती का रंग/अब भी वैसा ही था।
कई बार सिर्फ़ पाँच मिनट साथ चलने के लिए,
हम अपने घर से भी
थोड़ा पहले निकल आते थे।
बिना किसी वजह कैंटीन में बैठ जाना...
और घंटों बाद एहसास होना
कि बात क्या हुई थी,यह तो याद ही नहीं।
बस इतना याद है—
चेहरे पर जो हँसी होती थी,
वह बिल्कुल असली होती थी।
उस वक़्त कुछ कहने से पहले
सोचना नहीं पड़ता था।
शायद अब उन दोस्तों के पते बदल गए हैं,
कुछ नामों के साथ चेहरे भी धुंधले पड़ गए हैं।
पर आज भी,
जब मन किसी से बात करना चाहता है,
उँगलियाँ सबसे पहले
उन्हीं का नंबर खोजती हैं।
वे अपनी व्यस्त ज़िंदगी से
थोड़ा-सा वक़्त निकाल ही लेते हैं।
और हमारी बस एक 'ठीक हूँ' पर
पूरी कहानी समझ लेते हैं।

आगरा (उत्तर प्रदेश)

दोहे
सदा करो गुरु-वंदना

मोनिका डागा 'आनंद'

उत्तम हो संसार में, बच्चों का व्यवहार।
गढ़े प्रेम से गुरु सदा, शिक्षा शुभ संस्कार।।
वाणी में गुरुदेव की, होता प्रभु का वास।
हाथों से गुरुदेव के, बरसे निधियाँ खास।।
चलना पथ पर सीखते, गुरु से पाकर ज्ञान।
परम पूज्य गुरुदेव का, सदा करें सम्मान।।
सदा करो गुरु-वंदना, कहते श्री भगवान।
गुरु विवेक जाग्रत करें, दे गीता का ज्ञान।।
बाधाओं को गुरु हरें, बरसाए वरदान।
सर्वोपरि हित शिष्य का, वेद रचित व्याख्यान।।
पदवी दी गुरुदेव को, जग में यही विशेष ।
ईश्वर की प्रतिमूर्ति गुरु, ब्रह्मा, विष्णु, महेश।।
गुरु दिखलाए पथ सही, हरता है अंधकार।
दिव्य प्रकाशित ज्योति से, नौका लगती पार।।
राही को मंजिल मिले, आशाओं के पंख।
गुरु के शुभ आशीष से, बजे जीत के शंख।।
करुणा-हृदय मूरत रहे, थामें रखता हाथ।
संरक्षक बन के सदा, गुरुवर देते साथ।।
सांसारिक बंधन कटे, गुरुपद तीरथ धाम।
श्री गुरुवर दयालु को, बारम्बार प्रणाम।।
कर्मों में शुचिता बसे, सच्चा श्रद्धावान।
गुरु दक्षिणा श्रेष्ठतम, देना गुरु को मान।।
जीवन में 'आनंद' हो, गुरुकृपा अरु ओज।
नया ज्ञान गुरुदेव से, रहें सीखते रोज।।

चेन्नई (तमिलनाडु)

सीबीएसई के नाम पर अवैधानिक संस्थाओं का संचालन, रद्द करने की सिफारिश

सीएम हेल्पलाइन में हुई थी शिकायत

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। खमतराई के एसएस पब्लिक स्कूल के खिलाफ ष्टरू हेल्पलाइन में हुई शिकायत की जांच में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।

जांच में खुलासा हुआ कि स्कूल CGBSE से मान्यता प्राप्त है लेकिन गेट पर 'CBSE पैटर्न' का बोर्ड लगाकर पालकों से वसूली की जा रही थी। साथ ही किताब-कॉपी से लेकर TC तक में मनमानी फीस वसूली जा रही थी। इस स्कूल की एक भी दो-दो शाखाएं संचालित हैं।

बिल्हा BEO ने जांच के बाद DEO को स्कूल की मान्यता रद्द करने की अनुशंसा भेज दी है। अब अंतिम फैसला जिला शिक्षा विभाग लेगा।

जांच में क्या-क्या गड़बड़ी मिली ?

शिकायतों की जांच 28 जुलाई को की गई। इसमें यह पता चला कि स्कूल में मान्यता और संबद्धता संबंधी अनिवार्य सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित नहीं की गई थी। फीस नियमन से संबंधित अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए। यह भी पता चला कि आरटीई के नाम पर प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है, जबकि कक्षा 9 से 12 तक गेम्स फीस और अन्य मदों में भी राशि वसूली जा रही थी। जांच दल ने इसे फीस अधिनियम-2020 के प्रावधानों के विपरीत माना है। जांच रिपोर्ट यह भी पता चला कि विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम के अलावा निजी प्रकाशनों की महंगी किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर में ही कॉपी, किताब, टाई, बेल्ट और अन्य सामग्री बिक्री के लिए रखी हुई मिली। प्रधान पाठक ने भी बयान में स्वीकार किया कि यह सामग्री विद्यालय में ही उपलब्ध कराई जाती है।

नियमों की धज्जियां, नहीं थे जरूरी दस्तावेज

जांच दल ने पाया कि स्कूल में मान्यता और संबद्धता की अनिवार्य सूचना बोर्ड नहीं लगा था। फीस नियमन के अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

स्कूल का खेल मैदान तक नहीं

समिति के चेयरमैन संजय सिंह खुद मकान मालिक और ट्रस्ट के चेयरमैन हैं। आवासीय सह व्यावसायिक भवन पर लीज का खेल चल रहा है, जहां बच्चों के खेलने के लिए एक इंच का मैदान भी नहीं है।

हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप सिम्स के आसपास यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ करने संयुक्त बैठक

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में प्रचलित PIL-93/2023 के परिप्रेक्ष्य में सिम्स चिकित्सालय के आसपास बढ़ती यातायात एवं पार्किंग संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में यातायात पुलिस, नगर निगम एवं सिम्स प्रबंधन के अधिकारियों ने आपसी समन्वय स्थापित कर स्थायी एवं प्रभावी यातायात व्यवस्था विकसित करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक में सिम्स के समीप रिवर व्यू रोड से सदर बाजार की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर अनियोजित रूप से खड़े वाहनों, सड़क किनारे संचालित गुमटियों एवं ठेलों, निजी एम्बुलेंसों की अव्यवस्थित पार्किंग तथा आसपास की दुकानों में आने वाले लोगों द्वारा सड़क पर वाहन खड़े किए जाने से उत्पन्न जाम की समस्या पर गंभीर चर्चा की गई। अधिकारियों ने माना कि इस स्थिति के कारण सिम्स में आने वाले गंभीर मरीजों, दुर्घटना में घायल व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं एवं अन्य आपातकालीन मरीजों को समय पर चिकित्सालय तक पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि अस्पताल क्षेत्र को पूर्णतः आपातकालीन सेवाओं के अनुरूप सुगम एवं बाधारहित बनाया जाए।

पहली बारिश में टूटी 15 करोड़ 50 लाख की लागत से बनी नहर

ग्राम शामतरा में किसानों के सिचाई के लिये बनाये नहर बनी मुसीबत

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। बस्तर संभाग में लगातार बारिश से सभी नदी नाले उफान पर हैं। वही उत्तर बस्तर कांकेर में भी बारिश की वजह से शहर सहित ग्रामीण इलाके में लोगों का जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। इस बारिश से जल संसाधन विभाग के करोड़ो की लागत से हुए निर्माण कार्यों की भी पोल खोलकर रख दी है। कांकेर मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम शामतरा में 15 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनी नहर लाइनिंग,पहली ही बारिश में भसक कर टूट गई है,और किसानों की मेहनत पर पानी फेर दी है। जिस नहर के पानी से अपने खेतों की सिंचाई कर किसान लाभ उठाते उसी नहर के निर्माण में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी ने किसानों के आंख में पानी ले दिया है। 10 से 15 किसान जो ज्यादा प्रभावित हुए है,उनका कहना है कि हमारे खेत का सत्यानाश हो गया है,पूरे खेत मे रेत और बालू से पट गया है,हमारी फसल चौपट हो गई है। किसान पन्नालाल प्रधान जिनके ढाई एकड़ खेत बालू से पट गया है,उनका कहना है,कि निश्चितरूप से ठेकेदार इसके लिये दोषी है,भ्रस्टाचार जमकर हुआ है और इसमें विभाग भी शामिल है। जिन्होंने गुणवत्ता का ध्यान ही नही रखा और पहली बारिश ने ही उनके काम का नमूना सामने आ गया। किसानों को सिंचाई सुविधा देने के लिए दुधावा डैम से सोनपुर तक नहर लाइनिंग बनाई गई। 15 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बनी नहर लाइनिंग पहली ही बारिश नहीं झेल पाई और शामतरा के पास ढह गई है। ऐसे में फसल चौपट होने से ग्रामीण किसान काफी दुखी व आक्रोशित नजर आ रहे हैं। नहर नाली के टूटने के कारण वंहा पर बड़ा गड्ढा बन गया है,जहां से पानी लगातार तेज गति से बह रहा है। ग्रामीणों ने पहले नहर लाइनिंग के निर्माण कार्य को लेकर आपत्ति जताई थी। ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल भी खड़े करते हुए विरोध भी किया था। लेकिन उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया गया,अब नतीजा सबके सामने आ चुका है। 2025 में बनी है,यह नहर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार का जीता-जागता प्रमाण है,विभाग के अधिकारी की लापरवाही और ठेकेदार गुणवत्ता से समझौता और घटिया मटेरियल उपयोग का नतीजा है। गांव वालों ने समझाइश भी दी थी लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। किसानों का कहना है कि हमने कहा था कि गुणवत्ता का ध्यान रखा जाये, जलभराव बना हुआ है। किसान विष्णु प्रसाद सरोज ने बताया कि विरोध करने पर भी नहीं माने और अपने हिसाब से काम किया,अब खेत में पूरा पानी भर गया है। किसान पन्नालाल प्रधान ने बताया कि 40-45 एकड़ खेत में पानी भरा हुआ है,अभी तो पानी का बहाव है,बहाव रुकने पर कितना नुकसान हुआ है मालूम होगा।

अभियान के दौरान अब तक 52 प्रकरणों में कुल 84,000 रुपए की चालानी कार्यवाही

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में जिला यातायात सेल द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने तथा नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय विशेष एवं सघन चालानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़कों पर वाहन दौड़ाते पाए गए नाबालिग चालकों के अभिभावकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत सख्त चालानी कार्यवाही की गई। कार्यवाही के साथ-साथ यातायात पुलिस टीम ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों को रोककर समझाइश दी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी स्थिति में दोपहिया या चारपहिया वाहन चलाने की अनुमति न दें। यह न केवल कानून का गंभीर उल्लंघन है, बल्कि स्वयं बच्चों की जीवन रक्षा तथा सड़क पर चलने वाले अन्य नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरनाक हो सकता है। तीन दिवसीय सघन अभियान की कार्यवाही के अंतर्गत 29 जुलाई 2026 को 20 प्रकरणों में 20,000 रुपये, 30 जुलाई 2026 को 22 प्रकरणों में 44,000 रुपये तथा 31 जुलाई 2026 को 10 प्रकरणों में 20,000 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। इस प्रकार तीन दिनों के भीतर कुल 52 मामलों में 84,000 रुपये की चालानी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त, अभियान के दौरान नाबालिग चालकों के वाहनों को मौके पर ही रोककर उनके परिजनों को बुलाया गया और उन्हें यातायात नियमों के प्रति उनकी जिम्मेदारी से अवगत कराया गया। यातायात पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि पुनः नाबालिग वाहन चलाते हुए पाए जाते हैं, तो उनके परिजनों के विरुद्ध कानूनी कदम उठाए जाएंगे। सारंगढ़-बिलाईगढ़ यातायात पुलिस ने जिले के सभी अभिभावकों से विनम्र अपील की है कि बच्चों का उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य आपकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अभिभावक अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझें और नाबालिग बच्चों के हाथों में वाहनों की चाबी न सौंपें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2 अगस्त को करेंगे नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माई भारत के संयुक्त तत्वावधान में 2 अगस्त 2026 को प्रातः 10 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ करेंगे ।इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वस्थ, सशक्त एवं राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

शुभारम्भ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला पंचायत सभाकक्ष बलौदाबाजार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के. साथ ही जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधिगण, स्काउट एवं गाइड, एनसीसी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक, खेल संघों के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक संस्थानों, विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्रों, युवा संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, व्यापारिक एवं व्यावसायिक संगठनों तथा विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं युवा भी कार्यक्रम में शामिल होकर नशामुक्त भारत के संकल्प के सहभागी बनेंगे।

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, जीवन में कभी निराश न हों : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी के जे.आर. दानी शासकीय कन्या उत्कृष्ट हिंदी विद्यालय में शनिवार को साइकिल वितरण, प्रतिभा सम्मान एवं नव-नियुक्त बाल कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए जीवन में सफलता, निरंतर प्रयास और नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

जीवन में निराशा नहीं, उम्मीद और प्रयास ही असली सफलता है

छात्राओं को प्रेरित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा

कि शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान हासिल करना या परीक्षा में अंक पाना नहीं है। माता-पिता के बाद बच्चे का सबसे ज्यादा समय स्कूल में शिक्षकों के मार्गदर्शन में बीतता है।

उन्होंने कहा, 'पढ़ाई में कभी कम नंबर आ जाएं, तबीयत खराब हो जाए या कोई विपरीत परिस्थिति आ जाए, तो कभी निराश मत होना। जीवन निराशा का नहीं, बल्कि आशा और उम्मीद का नाम है। केवल 10वीं या 12वीं में मेरिट में आने से कोई डॉक्टर, आईएएस या आईपीएस नहीं बनता, बल्कि इसके लिए कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स पास करने होते हैं। इसलिए अगर कभी कम नंबर मिले तो हिम्मत मत हारो। आज खेल, कला और संगीत के क्षेत्र में भी लोग मेहनत करके ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं।'

दिखावे की प्रतिस्पर्धा से बचें, सही चीजों में मुकाबला करें

छात्राओं को सरल जीवन और सकारात्मक सोच की सीख देते हुए उन्होंने कहा, 'हमेशा मेहनत पर भरोसा रखें। अगर प्रयास के बाद भी मन मुताबिक परिणाम न मिले, तो यह समझें कि ईश्वर ने आपके लिए कुछ और बेहतर सोच रखा है। अभिभावकों और शिक्षकों की डांट में आपका हित छुपा होता है। कॉम्पटीशन कभी बाहरी दिखावे या भौतिक चीजों में नहीं, बल्कि अच्छी शिक्षा और ज्ञान हासिल करने में होना चाहिए।'

दुलीप ट्रॉफी 2026 : छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ियों का सेंट्रल जोन टीम में चयन

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित दुलीप ट्रॉफी 2026 के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के दो खिलाड़ियों और एक सपोर्ट स्टाफ का चयन सेंट्रल जोन टीम में किया गया है।

सीएससीएस के प्रतिभाशाली बल्लेबाज आयुष पांडे को सेंट्रल जोन की मुख्य टीम में जगह मिली है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज अमनदीप खरे को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में टीम से जोड़ा गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ से जुड़े वीडियो एनालिस्ट चंद्रशेखर राव का भी सेंट्रल जोन टीम के सपोर्ट स्टाफ में चयन हुआ है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन के दम पर आयुष पांडे ने 7 मैचों की 13 पारियों में 573 रन बनाए। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 183 रन रहा तथा उन्होंने 2 शतक और 2 अर्धशतक जड़े। वहीं अमनदीप खरे ने भी 7 मैचों की 13 पारियों में 547 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर 176 रन रहा और उन्होंने 2 शतक लगाए। बीसीसीआई की दुलीप ट्रॉफी 2026 का आयोजन 23 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में किया जाएगा। सेंट्रल जोन अपना मुकाबला 30 अगस्त को खेलेगा, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 6 सितंबर 2026 को होगा।

अल्ट्राटेक रावन सीएसआर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रावन में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री एवं प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा के मार्गदर्शन में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रावन में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया। नवस्थापित कंप्यूटर लैब में 8 आधुनिक कंप्यूटर सेट, टेबल, चेयर, आलमारी, डस्टबिन, फुटमैट, रायटिंग बोर्ड, नोटिस बोर्ड एवं एयर ब्लोवर उपलब्ध कराए गए हैं।

अतिथियों ने फीता काटकर कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच अमर सिंह नेताम, उपसरपंच टाकेश्वर वर्मा, शाला विकास समिति अध्यक्ष कुलेश्वर वर्मा, पत्रकार त्रिलोचन वर्मा, प्राचार्य लोमश साहू एवं योगेन्द्र वर्मा, विजय वर्मा, किशोर वर्मा, सत्यनारायण राजपूत, प्रितम यादव, ललिता रुसिया, अंचन चैहान, रिम्पी स्वर्णकार, हरिशचंद अनंत, सरस्वती साहू शिक्षक एवं शिक्षिकांओ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अपने संबोधन में सरपंच, उपसरपंच एवं प्राचार्य ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह नई कंप्यूटर लैब विद्यार्थियों को कंप्यूटर संचालन, डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा की बेहतर सुविधाएँ प्राप्त होंगी।

आज से बाबा भोरमदेव मंदिर के पास सजेगा संभागीय सरस मेला

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों द्वारा निर्मित स्वदेशी, प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु संभागीय सरस मेले का आयोजन बाबा भोरमदेव मंदिर के पास ग्राम चौरा में 2 अगस्त की सुबह से आयोजित होगा। यह आयोजन 02 अगस्त की सुबह से लेकर 06 अगस्त की शाम तक होगा। विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर की पावन एवं ऐतिहासिक धरा पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं बल्कि ग्रामीण उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 50 स्टॉलों के माध्यम से यहाँ आपको एक ही छत के नीचे ताज़े एवं पौष्टिक मिलेट उत्पाद, स्वादिष्ट घरेलू खाद्य सामग्री, वनोपज आधारित अन्य स्थानीय उत्पाद मिलेंगे। हस्तशिल्प एवं हथकरघा सामग्री बाँस एवं बेंत से बने आकर्षक उत्पाद,घरेलू सजावटी वस्तुएँ, पारंपरिक परिधान तथा अनेक प्रकार के अन्य उपयोगी स्वदेशी सामग्रियों का विशाल भंडार विक्रय के लिए उपलब्ध होगा।

संभागीय सरस मेला में प्रसिद्ध पंडवानी गायिका तरुणा साहू देगी अपनी प्रस्तुतिः सीईओ अभिषेक अग्रवाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना से जुड़ी महिला स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को बाजार उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से संभागीय सरस मेला का आयोजन हो रहा है।

इस दौरान दुर्ग संभाग के सभी सात जिले सहित अन्य ज़िलों की महिला समूह अपने उत्पादन लेकर शामिल हो रही हैं। मेला 2 अगस्त की सुबह से प्रारंभ हो जाएगा तथा इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। विशेष रूप से सावन के प्रथम सोमवार 3 अगस्त को सुबह 10:00 बजे से लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर पद्म विभूषण स्वर्गीय श्रीमती तीजन बाई की सुयोग्य शिष्या एवं प्रसिद्ध पंडवानी गायिका श्रीमती तरुणा साहू द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा शिव तांडव की मनमोहक प्रस्तुति भी दी जाएगी। सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि 2 तारीख की सुबह से प्रारंभ होने वाले संभागीय सरस मेला मे पधार कर ग्रामीण महिला समूह द्वारा उत्पादित आकर्षक सामग्रियों का अवलोकन करें तथा प्रत्येक खरीदी पर ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वदेशी भारत के संकल्प में अपना योगदान देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाएं।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कावड़ियों के लिए बनाए जा रहे विश्राम स्थलों का किया निरीक्षण

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। सावन माह में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए बेमेतरा सहित प्रदेश के अन्य जिलों से जल लेकर आने वाले कांवड़ियों की सुविधा, सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

इसी क्रम में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर से लेकर रायपुर मार्ग स्थित रानीसागर, बिरकोना और दशरंगपुर में बनाए गए विश्राम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर के समीप निर्माणाधीन डोम का अवलोकन किया और कांवड़ियों के लिए बेहतर विश्राम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने रानीसागर में बनाए गए कांवड़ स्टैंड का निरीक्षण किया तथा बिरकोना के पंचायत भवन में कांवड़ियों के ठहरने की व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए पृथक शौचालय, स्वच्छ पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

2035 तक 691 अरब डॉलर की बायोइकोनॉमी का लक्ष्य: नीति आयोग की नई रणनीति

बायोइकोनॉमी की नई दिशा: 2035 तक भारत को वैश्विक जैव अर्थव्यवस्था महाशक्ति बनाने का नीति आयोग का रोडमैप

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली

आयुषी कुमारी

भारत की अर्थव्यवस्था को अगले दशक में नई गति देने के उद्देश्य से नीति आयोग ने 'रोडमैप फॉर बिल्डिंग इंडिया ऐज ए लीडिंग बायोइकोनॉमी पावरहाउस' जारी किया है। वर्ष 2035 तक भारत को वैश्विक जैव अर्थव्यवस्था के अग्रणी देशों में शामिल करने की इस रणनीति का उद्देश्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि नवाचार, रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि और हरित उद्योगों को भी नई दिशा देना है।

वर्तमान में भारत की बायोइकोनॉमी तेजी से विस्तार कर रही है। जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, वैक्सीन निर्माण, जैव ईंधन, कृषि नवाचार और जैव आधारित विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में देश ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन उत्पादन और आपूर्ति के माध्यम से अपनी जैव प्रौद्योगिकी क्षमता का प्रदर्शन भी किया। इसी पृष्ठभूमि में नीति आयोग का यह रोडमैप भारत को वैश्विक बायोइकोनॉमी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीति प्रस्तुत करता है।

रोडमैप के अनुसार, भारत की बायोइकोनॉमी को वर्ष 2035 तक लगभग 691 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही लगभग तीन करोड़ उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित करने की परिकल्पना की गई है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, निजी निवेश और उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया है।

दस्तावेज में जैव अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कई प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की गई है। इनमें स्वास्थ्य सेवाएं, जैव प्रौद्योगिकी आधारित दवाइयां, कृषि जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, जैव ईंधन, हरित रसायन, जैव आधारित विनिर्माण और अपशिष्ट से मूल्य सृजन जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने से न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि आयात पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

रोडमैप में अनुसंधान और नवाचार को विशेष महत्व दिया गया है। इसके लिए जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और निजी उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के विकास तथा नई तकनीकों के व्यावसायीकरण को प्रोत्साहित करने की सिफारिश की गई है। साथ ही जैव प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को वित्तीय सहायता और निवेश उपलब्ध कराने के लिए बायोइकोनॉमी ग्रोथ फंड स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस रोडमैप को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो भारत वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी उद्योग में अपनी हिस्सेदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकता है। इससे देश में उच्च कौशल आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और स्वास्थ्य, कृषि तथा पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में भी सहायता मिलेगी।

हालांकि, इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के सामने कई चुनौतियां भी हैं। अनुसंधान पर पर्याप्त निवेश, कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, नियामकीय प्रक्रियाओं का सरलीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर निरंतर काम करने की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी के विकास के साथ जैव सुरक्षा, नैतिक मानकों और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा।

भारत पहले ही वैक्सीन निर्माण, जेनेरिक दवाओं और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में वैश्विक पहचान बना चुका है। अब नीति आयोग का यह रोडमैप उस क्षमता को व्यापक आर्थिक परिवर्तन में बदलने का प्रयास है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें, उद्योग, अनुसंधान संस्थान और निजी क्षेत्र समन्वित रूप से कार्य करते हैं, तो यह पहल भारत को वैश्विक जैव अर्थव्यवस्था के अग्रणी देशों की श्रेणी में पहुंचाने के साथ विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को भी नई मजबूती प्रदान कर सकती है।

जुलाई में यूपीआई ट्रांजैक्शन में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी, लेनदेन का कुल मूल्य बढ़कर 29.88 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में डिजिटल भुगतान का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए किए गए ट्रांजैक्शन्स की संख्या सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 23.66 अरब हो गई। वहीं, इन ट्रांजैक्शनों का कुल मूल्य 19 प्रतिशत बढ़कर 29.88 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई के दौरान प्रतिदिन औसतन 76.3 करोड़ (763 मिलियन) यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए। वहीं, प्रतिदिन औसतन 96,383 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए।

इससे पहले, जून 2026 में यूपीआई के जरिए 22.72 अरब ट्रांजैक्शन हुए थे, जो सालाना आधार पर 23 प्रतिशत अधिक थे। जून में इनका कुल मूल्य 20 प्रतिशत बढ़कर 28.92 लाख करोड़ रुपए रहा था। उस महीने प्रतिदिन औसतन 75.7 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए थे और दैनिक औसत लेनदेन मूल्य 96,405 करोड़ रुपए था।

सरकार के अनुसार, पिछले पांच वित्त वर्षों में यूपीआई ट्रांजैक्शन में लगातार तेज वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में यूपीआई के जरिए 4,595.61 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिनका कुल मूल्य 84.16 लाख करोड़ रुपए था। इसके बाद वित्त वर्ष 2022-23 में ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़कर 8,371.44 करोड़ और कुल मूल्य 139.15 लाख करोड़ रुपए हो गया।

इसके बाद वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई के जरिए 13,112.95 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिनका मूल्य 199.95 लाख करोड़ रुपए रहा। वहीं, वित्त वर्ष 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 18,586.60 करोड़ ट्रांजैक्शन और 260.56 लाख करोड़ रुपए के कुल ट्रांजैक्शन तक पहुंच गई।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा में लिखित जवाब में बताया था कि एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल), जिसकी स्थापना अप्रैल 2020 में एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में की गई थी, भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी कर रही है।

अगस्त में आईटीआर, बैंकिंग, एलपीजी और क्रेडिट-डेबिट कार्ड से जुड़े कई अहम वित्तीय बदलाव, जानिए आपकी जेब पर क्या होगा असर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अगस्त 2026 की शुरुआत के साथ ही आम लोगों, टैक्सपेयर्स, बैंक ग्राहकों और यात्रियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण वित्तीय बदलाव लागू हो गए हैं। इस महीने आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक, रेलवे के तत्काल टिकट बुकिंग नियमों में बदलाव, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें और कई बैंकों के डेबिट व क्रेडिट कार्ड नियमों में संशोधन जैसे बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में चलिए जानते हैं अगस्त में कौन-कौन से वित्तीय बदलाव आपकी जेब पर असर डाल सकते हैं।

अगस्त का सबसे अहम वित्तीय अपडेट आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की अंतिम तारीख है। ऐसे करदाता जो आईटीआर-3 या आईटीआर-4 दाखिल करते हैं और जिन पर टैक्स ऑडिट लागू नहीं होता, उनके लिए 31 अगस्त 2026 अंतिम तारीख है।

इसमें स्वरोजगार करने वाले पेशेवर, फ्रीलांसर, छोटे कारोबारी और आयकर अधिनियम की धारा 44एडी और 44एडीए के तहत प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन स्कीम चुनने वाले करदाता शामिल हैं। यदि निर्धारित समय तक रिटर्न दाखिल नहीं किया जाता है तो धारा 234एफ के तहत 5,000 रुपए तक का जुर्माना लग सकता है।

साथ ही, यदि टैक्स बकाया है तो धारा 234ए के तहत ब्याज भी देना पड़ सकता है। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 3 अगस्त से 5 अगस्त तक आयोजित होगी और 5 अगस्त को नीतिगत फैसले की घोषणा की जाएगी।

हालांकि इस बैठक के तुरंत बाद किसी बड़े नियामकीय बदलाव के लागू होने की संभावना नहीं है, लेकिन रेपो रेट, ब्याज दरों और तरलता को लेकर आरबीआई का रुख आने वाले समय में होम लोन की ईएमआई, बैंक लोन और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों को प्रभावित कर सकता है।

भारतीय रेलवे ने 1 अगस्त से रिजर्वेशन काउंटरों पर तत्काल टिकट बुकिंग के लिए टोकन सिस्टम लागू कर दिया है, जिसका उद्देश्य टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाना और काउंटरों पर भीड़ कम करना है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए बीते शुक्रवार को एक नई डिजिटल सेवा शुरू की है, जिसके अंतर्गत अब ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री टिकट बुक करते समय ही अतिरिक्त सामान की ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने से पहले अलग से पार्सल कार्यालय जाकर अतिरिक्त सामान बुक कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन 15.4 प्रतिशत बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपए के पार, 14 महीनों की सबसे तेज बढ़ोतरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकार द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में आर्थिक गतिविधियों और खपत में मजबूती के बीच जुलाई 2026 में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले 14 महीनों की सबसे तेज वृद्धि है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में यह दूसरा अवसर है, जब मासिक जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है।

आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू जीएसटी राजस्व जुलाई में 10.1 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 1.31 लाख करोड़ रुपए था।

वहीं, आयात पर जीएसटी संग्रह में जोरदार 28.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 66,511 करोड़ रुपए पहुंच गया। इसी के चलते जुलाई का कुल सकल जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

सरकार के अनुसार, जुलाई के दौरान जीएसटी रिफंड भी 13.1 प्रतिशत बढ़कर 29,968 करोड़ रुपए हो गया।

रिफंड समायोजित करने के बाद शुद्ध (नेट) जीएसटी राजस्व 1.81 लाख करोड़ रुपए रहा, जो जुलाई 2025 की तुलना में 15.8 प्रतिशत अधिक है।

मासिक जीएसटी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू शुद्ध राजस्व 10.5 प्रतिशत बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि सीमा शुल्क (कस्टम) से मिलने वाला शुद्ध जीएसटी राजस्व 30.3 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी के साथ 54,223 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में कुल सकल जीएसटी संग्रह 10.1 प्रतिशत बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 7.66 लाख करोड़ रुपए था।

इससे पहले जून 2026 में जीएसटी संग्रह 13.9 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपए रहा था, जिसमें आयात से मिलने वाले राजस्व का अहम योगदान था।

इस बीच, एसबीआई रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी संग्रह और बेसिक एक्साइज ड्यूटी (बीईडी) में राज्यों की हिस्सेदारी को मिलाकर देखा जाए तो वित्त वर्ष 2026-27 में राज्यों को पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 1.43 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ मिलने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रह में और सुधार देखने को मिल सकता है तथा पूरे वित्त वर्ष में इसकी वृद्धि 8 से 9 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है।

सेंसेक्स और निफ्टी जुलाई में करीब 2 प्रतिशत बढ़े, आईटी सेक्टर सबसे आगे रहा

विश्व केसरी ■

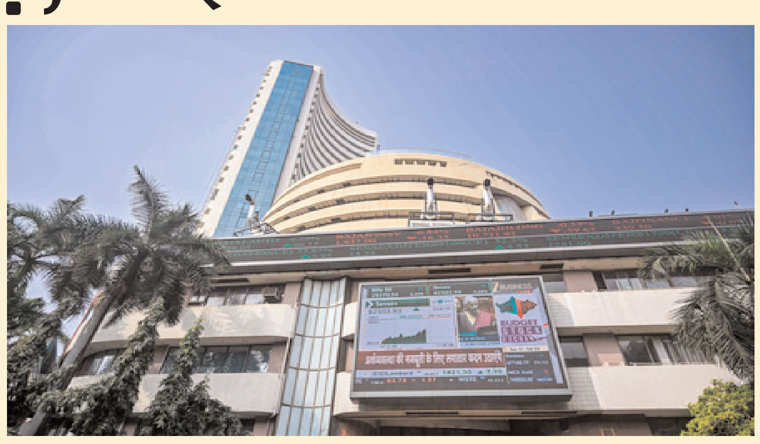

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना काफी अच्छा रहा है। इस दौरान दोनों मुख्य सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने 2 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

आखिरी कारोबार सत्र में सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत बढ़कर 78,094.64 और निफ्टी 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,383.60 पर बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन भी मजबूत रहा है। जुलाई में निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 2.53 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1.81 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

जुलाई में जिन प्रमुख शेयरों की मार्केट वैल्यू में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई, उनमें डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, बंधन बैंक, थर्मैक्स, तेजस नेटवर्क्स, सुजलॉन एनर्जी, जीई वर्नोवा टीएंडडी इंडिया, सीमेंस एनर्जी इंडिया और गुजरात एनर्जी शामिल थे।

वहीं, जुलाई में कल्याण ज्वैलर्स इंडिया के शेयर की कीमत में 60 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया। ई-क्लार्क्स सर्विसेज, सीई इन्फो सिस्टम्स, लोढ़ा डेवलपर्स, एचईजी, इन्फो एज (इंडिया), एटीएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयरों में करीब 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। सूचकांकों में जुलाई में निफ्टी आईटी 16.77 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (9.96 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (9.49 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (8.67 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (8.55 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (4.77 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (2.50 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (1.60 प्रतिशत) की तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

दूसरी तरफ, निफ्टी एनर्जी (2.54 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.98 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (1.48 प्रतिशत), और निफ्टी प्राइवेट बैंक (1.46 प्रतिशत) की गिरावट के साथ सूचकांकों टॉप लूजर्स थे।

सेबी ने पुनीत गोयनका और सुभाष चंद्रा को शेयर बाजार में कारोबार पर एक साल के लिए किया बैन, जीईईएल पर भी की कार्रवाई

विश्व केसरी ■

मुंबई । पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जीईईएल) और उसके शीर्ष अधिकारियों पुनीत गोयनका तथा सुभाष चंद्रा के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए उन्हें प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने पाया कि कंपनी की हैदराबाद स्थित जमीन को आवश्यक कॉर्पोरेट मंजूरी के बिना एस्सेल ग्रुप की कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज के बदले गिरवी रखा गया था।

सेबी के अर्ध-न्यायिक प्राधिकारी द्वारा जारी अंतिम आदेश के अनुसार, जीईईएल को दो महीने तक प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। वहीं, पुनीत गोयनका और सुभाष चंद्रा पर 12 महीने तक प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा, सेबी ने तीनों पर कुल 1.48 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसमें जीईईएल पर 30 लाख रुपए, पुनीत गोयनका पर 58 लाख रुपए और सुभाष चंद्रा पर 60 लाख रुपए का जुर्माना शामिल है।

नियामक ने माना कि इन सभी ने लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (एलओडीआर) रेगुलेशंस, 2015 और प्रोहिबिशन ऑफ फ्रॉडुलेंट एंड अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेज (पीएफयूटीपी) रेगुलेशंस, 2003 का उल्लंघन किया है। सेबी ने निर्देश दिया है कि सभी संबंधित पक्ष 45 दिनों के भीतर जुर्माने की राशि जमा करें।

सेबी के अनुसार, इस मामले की शुरुआत वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान जीईईएल के वैधानिक ऑडिट से हुई थी। ऑडिट में कंपनी की कुछ अचल संपत्तियों के मूल स्वामित्व दस्तावेज (टाइटल डीड) उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई थी।

जांच में पता चला कि दिसंबर 2016 में एस्सेल ग्रुप की चार कंपनियों ने इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (आईएचएफएल) से 726 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था, जिसमें एसेल होम प्राइवेट लिमिटेड सह-उधारकर्ता थी।

जांच में यह भी सामने आया कि इन कंपनियों पर कई कॉर्पोरेट स्तरों के माध्यम से पुनीत गोयनका, सुभाष चंद्रा और उनके परिवार का नियंत्रण था।

सेबी ने बताया कि जब उधार लेने वाली कंपनियां आवश्यक सुरक्षा बनाए रखने में विफल रहीं, तो नवंबर 2018 में आईएचएफएल ने अतिरिक्त संपार्श्विक (कोलेटरल) उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया।

इसके बाद 27 दिसंबर 2018 को जीईईएल की ओर से एक डिक्लेरेशन एंड एक्नॉलेजमेंट पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत कंपनी की हैदराबाद स्थित जमीन के मूल दस्तावेज आईएचएफएल के पास जमा कराए गए, जिसका उद्देश्य इन कर्जों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा के रूप में उस संपत्ति पर प्रथम श्रेणी का बंधक (फर्स्ट-रैंकिंग मॉर्टेज) बनाना था।

सावन, हरियाली तीज और रक्षाबंधन

घर पर बनाएं बाजार जैसा कुरकुरा और जालीदार घेवर

इस रेसिपी से बढ़ाएं त्योहार की मिठास

सावन का महीना आते ही मौसम का रंग बदल जाता है. हरियाली, खुले, भजन और पारंपरिक व्यंजन इस महीने को खास बनाते हैं. ऐसे में घेवर के बिना तीज-त्योहार अधुरे से लगते हैं. यह राजस्थानी मिठाई अब पुरे देश में बहुत पमंद की जाती है. सही बैटर, सही तापमान और एक तार की चाशनी से आप भी घर पर बना सकते हैं बाजार जैसा कुरकुरा और जालीदार घेवर.

घेवर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

बैटर के लिए

- मैदा – 2 कप
- पिघला हुआ घी – ¼ कप
- ठंडा दुथ – ½ कप
- ठंडा पानी – लगयग 2 कप
- बर्फ के दुकडे – 4 से 5
- घी या रिफाइंड ऑयल – तलने के लिए

चाशनी के लिए

- चीनी – 1 कप
- पानी – ½ कप
- इलायची पाउडर – ¼ छोटा चम्मच
- केसर के धागे – इच्छा अनुसार

सजावट के लिए

- भुना हुआ माया – ½ कप
- कटे बादाम और पिस्ता
- चांदी का वर्क – इच्छा अनुसार

बनाने की आसान विधि

1 जालीदार बैटर तैयार करें

पिघला हुआ घी लें, उसमें बर्फ के दुकड़े डालकर 3-4 मिनट फेटें जब तक रंग हल्का और बनावट ललाई जैसी न हो जाए. थोड़ा-थोड़ा करके मैदा मिलाएं. ठंडा दुथ डालें और धीरे-धीरे ठंडा पानी मिलाते हुए पतला बैटर तैयार करें. बैटर इतना पतला हो कि बह आसानी से बह सके.

2 सही तापमान पर तलें

कढ़ाई में घी/तेल मध्यम आंच पर गर्म करें. करछी से बैटर को ऊपर से बीच में धीरे-धीरे डालें. बैटर गिरते ही छोटे-छोटें छेद बनने लगेंगे. कुछ सेकंड बाद दोबारा थोड़ा बैटर डालें. यह प्रक्रिया 3-4 बार दोहराएं. सुनहरा और कुरकुरा होने पर निकाल लें.

3 चाशनी में डुबोकर बढ़ाएं स्वाद

चीनी और पानी से एक तार की चाशनी बनाएं. इलायची पाउडर और केसर डालें. तैयार घेवर को 1-2 मिनट हल्की गर्म चाशनी में डुबोकर निकाल लें. ऊपर से मावा फैलाएं और बादाम-पिस्ता से सजाएं.

ये छोटे टिप्स बनाएंगे घेवर और भी शानदार

- बैटर हमेशा पतला रखें, तभी जाली बनेगी.
- तेल/घी का तापमान मध्यम रखें, बहुत तेज आंच पर घेवर सही नहीं बनेगा.
- एक बार में सिर्फ एक ही घेवर बनाएं ताकि आकार सही रहे.
- सजावट के लिए गुलाब की पंखुड़ियां या गुलकंद भी डाल सकते हैं.
- चाशनी एक तार की होनी चाहिए, तभी घेवर कुरकुरा रहेगा.

सावन के त्योहार को बनाएं और भी खास

घर पर बना ताजा और कुरकुरा घेवर न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि त्योहार की खुशी को भी दोगुना कर देता है. इस बार बाजार की बजाय अपने हाथों की मिठास से परिवार और मेहमानों का दिल जीतें.

पारंपरिक स्वाद, घर की मिठास और त्योहार की खुशबू – एक साथ!

कपड़ों के साथ एल्युमिनियम फॉयल की बॉल डालने का ट्रेंड क्यों हो रहा है वायरल? एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं

सोशल मीडिया पर वॉशिंग मशीन और ड्रायर में एल्युमिनियम फॉयल की बॉल डालने का हैक तेजी से वायरल हो रहा है. दावा किया जाता है कि इससे कपड़ों में बनने वाली स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी कम होती है. जानें यह ट्रिक कैसे काम करती है, कब फायदेमंद है और इसे इस्तेमाल करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

सोशल मीडिया पर हर दिन कोई न कोई होम हैक वायरल होता रहता है. इन्हीं में से एक है वॉशिंग मशीन या ड्रायर में एल्युमिनियम फॉयल की बॉल डालने का ट्रेंड. कई लोग दावा करते हैं कि यह आसान-सा हैक कपड़ों में बनने वाली स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी को कम करता है, जिससे कपड़े आपस में कम चिपकते हैं. कुछ लोग इसे ड्रायर शीट का सस्ता विकल्प भी बताते हैं. लेकिन क्या यह तरीका वाकई काम करता है या सिर्फ इंटरनेट पर वायरल हुआ एक ट्रेंड है? आइए जानते हैं इसके पीछे का साइंस.

क्या है एल्युमिनियम फॉयल बॉल हैक?

इस हैक को अपनाने के लिए एल्युमिनियम फॉयल की एक शीट लें और उसे अच्छी तरह दबाकर टेनिस बॉल के आकार की गोल बॉल बना लें. अब इस बॉल को कपड़ों के साथ ड्रायर या वॉशिंग मशीन में डाल दें. बड़े लोड के लिए दो या तीन फॉयल बॉल का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. अगर बॉल सही तरह से बनी हो और फटे नहीं, तो इसे कई महीनों तक दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है.

आखिर लोग ऐसा क्यों करते हैं?

जब ड्रायर में कपड़े एक-दूसरे से लगातार रगड़ खाते हैं, तो उनमें स्टैटिक चार्ज बनने लगता है. यही वजह है कि कपड़े आपस में चिपक जाते हैं या उन्हें छूने पर हल्का झटका महसूस होता है. यह समस्या खासकर पॉलिएस्टर, नायलॉन और फ्लीस जैसे सिंथेटिक फैब्रिक में ज्यादा देखने को मिलती है.

चूंकि एल्युमिनियम बिजली का अच्छा चालक (कंडक्टर) होता है, इसलिए माना जाता है कि यह स्टैटिक चार्ज को कम करने में मदद कर सकता है. इसी कारण कई लोगों का अनुभव है कि फॉयल बॉल इस्तेमाल करने के बाद कपड़े पहले की तुलना में कम चिपकते हैं.

क्या इससे फैब्रिक सॉफ्टनर की जरूरत खत्म हो जाएगी?

एल्युमिनियम फॉयल सिर्फ स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी कम करने में मदद कर सकती है. यह कपड़ों को मुलायम नहीं बनाती, उनमें खुशबू नहीं जोड़ती और न ही रिंकल कम करती है. अगर आप चाहते हैं कि कपड़े सॉफ्ट, फ्रेश और महकदार रहें, तो फैब्रिक सॉफ्टनर या ड्रायर शीट का इस्तेमाल करना ही सही रहेगा.

वॉशिंग मशीन में या ड्रायर में?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह ट्रिक ड्रायर में ज्यादा प्रभावी मानी जाती है, क्योंकि स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी कपड़ों के सूखने के दौरान बनती है.

वहीं, वॉशिंग मशीन में कपड़े पानी में डूबे रहते हैं और पानी पहले से ही बिजली का अच्छा चालक होता है।

बरसात के मौसम में गद्दे और सोफे में लग गए हैं खटमल? अपनाएं ये 5 आसान घरेलू उपाय, तुरंत मिलेगा छुटकारा

बरसात का मौसम जहां एक तरफ भीषण गर्मी से राहत दिलाता है, वहीं दूसरी तरफ नमी और उमस के कारण अपने साथ कई तरह के कीड़े-मकोड़ों का खतरा भी लाता है. इन्हीं में से एक सबसे बड़ी समस्या है 'खटमलों का बढ़ता प्रकोप'. नमी वाले माहौल में ये बिन बुलाए मेहमान गद्दों, सोफों और लकड़ी के फर्नीचर में तेजी से अपनी तादाद बढ़ा लेते हैं और रात होते ही आपकी नींद हराम कर देते हैं. अगर आप भी बरसात में खटमलों के आतंक से परेशान हैं, तो बिना किसी महंगे कीटनाशक के सिर्फ कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इनसे पूरी तरह राहत पा सकते हैं.

बरसात के दिनों में नमी और उमस के कारण खटमल तेजी से पनपते हैं. ये घर के बिस्तर, गद्दे, तकिए, सोफा, लकड़ी के फर्नीचर और पर्दों में छिपकर अपनी संख्या बढ़ा लेते हैं. रात के समय ये इंसानों का खून चूसते हैं, जिससे शरीर पर लाल चकत्ते, खुजली, जलन और कई बार एलर्जी जैसी परेशानियां हो जाती हैं.

लगातार खटमलों के काटने से बच्चों और बुजुर्गों की नींद भी प्रभावित होती है. अगर समय रहते इन पर नियंत्रण न किया जाए तो इनकी संख्या बेहद तेजी से बढ़ जाती है. हालांकि बाजार में कई तरह के कीटनाशक उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर भी इनसे काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है।

संडे को बनाएं सुपर स्पेशलः पार्टनर को खुश करने के लिए बेस्ट हैं ये 6 रोमांटिक आइडियाज, नहीं खर्च होगा एक भी रुपया

रोजमर्रा की भागदौड़, ऑफिस के काम का दबाव और दिन-प्रतिदिन की जिम्मेदारियों के बीच अक्सर कपल्स को एक-दूसरे के साथ सुकून के पल बिताने का मौका नहीं मिल पाता. ऐसे में वीकेंड यानी संडे का दिन ही ऐसा होता है, जब आप अपने पार्टनर के साथ फुर्सत के पल बिता सकते हैं. लेकिन अक्सर लोगों को लगता है कि एक अच्छी और रोमांटिक डेट का मतलब है किसी महंगे रेस्टोरेंट में कैंडललाइट डिनर, सिनेमा हॉल में मूवी या किसी मॉल में शॉपिंग.

अगर आप भी यही सोचते हैं, तो अपनी इस धारणा को बदल लीजिए! किसी रिश्ते को खास और मजबूत बनाने के लिए महंगे तोहफों या पैसों की नहीं, बल्कि 'क्वालिटी टाइम' की जरूरत होती है. इस संडे अगर आप अपनी जेब ढीली किए बिना पार्टनर का दिल जीतना चाहते हैं, तो ये 6 रोमांटिक आइडियाज आपके बेहद काम आ सकते हैं:

1. बालकनी या छत पर 'सनराइज चाय डेट'

संडे की शुरुआत अगर प्यार भरी बातचीत से हो, तो पूरा दिन खास बन जाता है. सुबह जल्दी उठकर एक साथ बालकनी या छत पर जाएं. हल्की धूप, ठंडी हवा और हाथ में कड़क चाय का कप... बिना एक भी रुपया खर्च किए इससे बेहतर और रोमांटिक डेट की शुरुआत नहीं हो सकती. इस दौरान फोन को दूर रखें और आने वाले हफ्ते की जगह सिर्फ पुरानी खूबसूरत यादों पर बात करें.

2. पुरानी यादों का पिटारा: फोटो एलबम सेशन

डिजिटल दुनिया में हम अक्सर पुरानी तस्वीरों को भूल जाते हैं. इस संडे अपने फोन की गैलरी खोलें, शादी या पहली मुलाकात की पुरानी तस्वीरें देखें, या अगर आपके घर में पुराना फोटो एलबम है तो उसे निकालें. एक-दूसरे की पुरानी तस्वीरों को देखकर हँसना, उस वक्त के किस्से याद करना और पुरानी यादों को ताजा करना आपके रिश्ते में एक नई ताजगी भर देगा.

3. साथ मिलकर बनाएं 'कुक-टुगेदर' लंच

होटल से खाना ऑर्डर करने के बजाय इस बार संडे का खाना मिलकर बनाएं. फ्रिज में रखी साधारण सामग्री से ही कुछ स्पेशल या पार्टनर की पसंदीदा डिश बनाने का प्रयास करें. किचन में साथ काम करना, चुटकी भर मजाक और एक-दूसरे की मदद करना अपने आप में एक बेहद खूबसूरत बॉन्डिंग एक्सपीरियंस होता है.

4. होम-मेड मूवी नाइट (या बिंज-वॉच सेशन)

थिएटर जाकर महंगी टिकट खरीदने की कोई जरूरत नहीं है. अपने लिविंग रूम की लाइट्स बंद करें, पर्दे ढके और कुशन-ब्लैंकेट के साथ एक आरामदायक माहौल बनाएं. किसी फ्री ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी पसंदीदा रोमांटिक मूवी या शो चलाएं।

फेंकने वाली चीज नहीं है कटहल का बीज, सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद, जानिए खाने का सही तरीका

बारिश के मौसम में पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं, ऐसे में कटहल का कोवा यानी कटहल का बीज एक पौष्टिक विकल्प माना जाता है. इसमें मौजूद फाइबर और पोषक तत्व पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं. सही तरीके से पकाकर और संतुलित मात्रा में सेवन करने से यह शरीर को ऊर्जा और पोषण प्रदान कर सकता है.

मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर में कार्यरत आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि बारिश के मौसम में दस्त, उल्टी और पाचन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ जाती हैं. ऐसे में कटहल का बीज, जिसे कई जगह कटहल का कोवा भी कहा जाता है, काफी फायदेमंद माना जाता है. आयुर्वेद के अनुसार, इसका नियमित और सही मात्रा में सेवन करने से पाचन तंत्र को मजबूती मिल सकती है.

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कटहल का कोवा घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर से भरपूर होता है. घुलनशील फाइबर शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है, जबकि अघुलनशील फाइबर पेट को साफ रखने में सहायक होता है. इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर है, उनके लिए कटहल का सेवन फायदेमंद माना जाता है. यह भोजन को पचाने में मदद करता है और आंतों की कार्य क्षमता को बेहतर बनाने में सहायक होता है. बारिश के मौसम में पेट से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं, ऐसे में इसका सेवन लाभकारी माना जाता है. कटहल का कोवा पाचन तंत्र को संतुलित रखने में मदद करता है. इसी कारण बारिश के मौसम में होने वाली दस्त और उल्टी जैसी समस्याओं से बचाव के लिए लोग इसका सेवन करते हैं।

15 अगस्त पर आजादी का जश्न मनाने के लिए ये 5 जगहें होंगे यादगार, जिंदगी भर रखेंगे याद

अगर आप 15 अगस्त को सिर्फ़ एक छुट्टी के तौर पर नहीं, बल्कि देशभक्ति की भावना के साथ यादगार बनाना चाहते हैं, तो आपको इन 5 ऐतिहासिक जगहों पर जरूर जाना चाहिए. वहां का माहौल आपको आज़ादी की लड़ाई, देश के इतिहास और भारतीय संस्कृति से गहराई से जोड़ेगा.

15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस सिर्फ़ एक राष्ट्रीय त्योहार नहीं है; यह हर भारतीय के लिए गर्व और देशभक्ति का प्रतीक है. अगर आप इस मौके को अनोखे तरीके से मनाना चाहते हैं, तो देश की कुछ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जगहों पर जाना एक यादगार अनुभव हो सकता है. स्वतंत्रता दिवस पर इन जगहों पर खास कार्यक्रम और सांस्कृतिक आयोजन होते हैं, जिससे देशभक्ति का एक अनोखा माहौल बनता है. आइए जानते हैं ऐसी ही 5 जगहों के बारे में...

1. लाल किला, दिल्ली

15 अगस्त को लाल किला मुख्य आकर्षण का केंद्र होता है. हर साल, भारत के प्रधानमंत्री यहां राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं. इस दिन, पूरे इलाके में देशभक्ति का शानदार नज़ारा देखने को मिलता है. अगर आप इतिहास और देशभक्ति की भावना का संगम देखना चाहते हैं, तो यह जगह आपकी सूची में सबसे ऊपर होनी चाहिए.

2. अटारी-वाघा बॉर्डर, पंजाब

भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर पर होने वाली 'बीटिंग रिट्रीट' सेरेमनी दुनिया भर में मशहूर है. स्वतंत्रता दिवस के आसपास, यहां का माहौल देशभक्ति के नारों, तिरंगे झंडे और भारी उत्साह से भरा होता है. यह हर भारतीय के लिए एक यादगार अनुभव होता है.

3. सेलुलर जेल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

सेलुलर जेल भारत की आज़ादी की लड़ाई का एक अहम प्रतीक है. इसमें आज़ादी की लड़ाई और देश की आज़ादी के लिए देशभक्तों द्वारा सही गई कठोर कठिनाइयों की यादें जुड़ी हैं. शाम को होने वाला लाइट एंड साउंड शो इतिहास को जीवंत कर देता है.

4. साबरमती आश्रम, अहमदाबाद

महात्मा गांधी से जुड़ा साबरमती आश्रम आज भी लोगों को आज़ादी की लड़ाई की भावना से प्रेरित करता है. 15 अगस्त को यहाँ विशेष प्रार्थना सभाएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति से जुड़े आयोजन किए जाते हैं. शांत माहौल में इतिहास को करीब से जानने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है.

5. इंडिया गेट, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस पर इंडिया गेट और उसके आसपास का इलाका तिरंगे के रंगों से जगमगा उठता है शाम को यहां परिवार और दोस्तों के साथ भारी भीड़ जमा होती है. शानदार लाइटिंग, देशभक्ति का माहौल और उत्साह इस जगह को वाकई खास बनाते हैं।

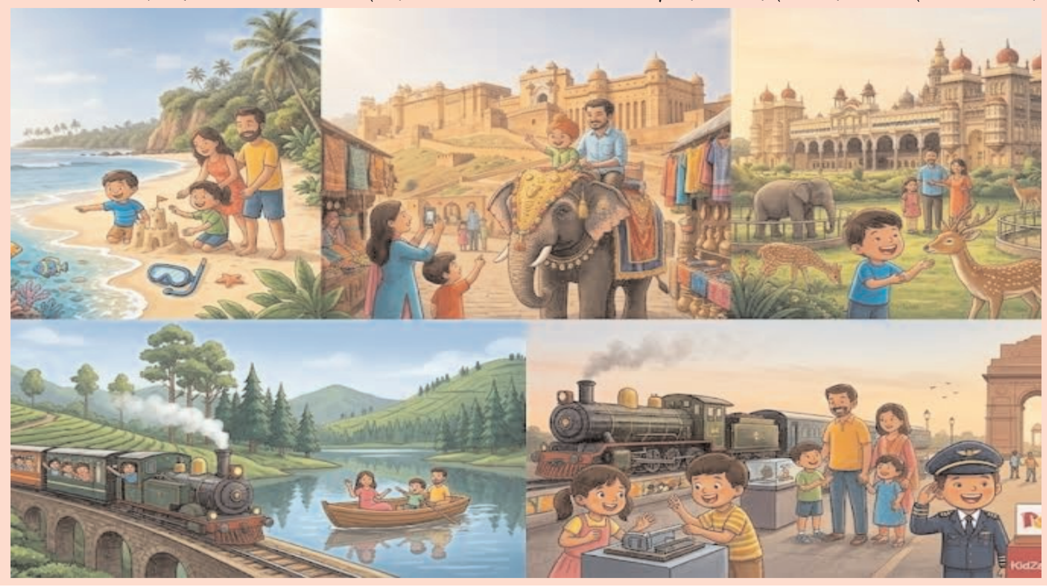

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम,

तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

मुंबई । सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है।

मीडिया से खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ' 'साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।

निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ' 'वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।''

बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ' 'इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।''

फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ' 'राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।''

विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना और विकल्प मेहता जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

तब्बू और श्रीदेवी भी हैं प्रेरणा

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा,

"वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एकिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।"

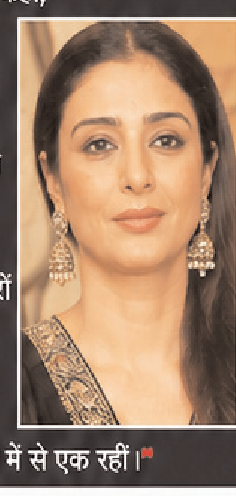

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को लेकर निहारिका ने कही खास बात

बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार हैं' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, "इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।।"

राघव जुयाल के साथ काम करना था बेहद मजेदार अनुभव

फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव कों याद करते हुए निहारिका ने कहा, "राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकंड का दिखाई देता हैं, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं।"

मृणाल ठाकुर के जन्मदिन पर संदीपा धर ने किया विश, लिखा- तुम्हारा आने वाला साल खुशियों से भरा हो

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी प्रिय को-स्टार अभिनेत्री संदीपा धर ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस पोस्ट के जरिए संदीपा ने मृणाल को अपनी पसंदीदा को-स्टार बताया।

अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का अनसीन वीडियो पोस्ट किया। इस क्लिप में संदीपा धर मृणाल ठाकुर को दुल्हन की तरह तैयार कर रही हैं।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं मृणाल ठाकुर। 'दो दीवाने सहर में' के साथ बिताए गए पल शेयर कर रही हूं। ये एक प्यारा सीन था, जो फिल्म से कट कर दिया गया था, लेकिन तुम्हारे खास दिन पर इसे शेयर किए बिना रह नहीं पाई। उस दिन मुझे सबसे खूबसूरत दुल्हन लग रही थीं, और सच में तुम्हें उस सीन को जीवंत करते हुए देखना मेरे लिए एक जादू जैसा था।

मेरी दुआ है कि तुम्हारा आने वाला साल खुशियों से भरा हो। उसमें कमाल के किरदार, तरक्की, सुकून और ढेर सारा प्यार हो। तुम उन सबसे टैलेंटेड और इंस्पायर करने वाले लोगों में से एक हो, जिन्हें मैं जानती हूं। तुम्हारे साथ फिर से स्क्रीन शेयर करने का इंतजार है।'

अभिनेत्री संदीप धर और मृणाल ठाकुर ने फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में साथ काम किया था। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि संदीप (संदीपा धर) सहायक भूमिका में नजर आती हैं।

मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म में 'रोशनी' नाम की एक संकोची लड़की का मुख्य किरदार निभाया है, और संदीप (संदीपा धर) ने फिल्म में बहन (नायिका के परिवार से जुड़ी भूमिका) का किरदार अदा किया है।

'दो दीवाने सहर में' साल 2026 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसके जरिए निर्देशक रवि उदयावर ने अपने अंदर की कमियों को स्वीकार करने के विषय में जोर दिया है।

फिल्म के मुख्य नायक शशांक को 'श' को 'स' बोलने की एक छोटी सी समस्या (स्पीच डिसऑर्डर) है, जिससे वे अपने आत्म-संदेह और असुरक्षा से जूझते हैं। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे आम इंसान अपनी कमियों और कम आत्मविश्वास के साथ भी प्यार और अपनापन पा सकते हैं।

निर्देशक कृष्णाकुमार की फिल्म 'जीडीएन' के मेकर्स ने करुणाकरण का पहला लुक किया आउट

मुंबई। निर्देशक कृष्णकुमार की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'जीडीएन' के मेकर्स ने शनिवार को अभिनेता करुणाकरण का पहला लुक शेयर कर दिया है। इस फिल्म में वे पेरुन्किलि की भूमिका में नजर आएंगे।

मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेता का पहला लुक पोस्ट किया। साथ ही, फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए किरदार का नाम भी रिवील किया। पोस्ट कर मेकर्स ने लिखा, 'करुणाकरण को पेरुन्किलि के रूप में इंट्रोड्यूस कर रहे हैं। पावर के कई साथी होते हैं।

इससे पहले मेकर्स ने फिल्म के बाकी कलाकारों का लुक रिवील किया था। इसमें शीला को युवा चेल्लामल, टीजय अरुणासलम को युवा जी.डी. नायडू के रोल में, अदिति बालन को पद्मावती की भूमिका में दिखाया जा चुका हैं। आर. माधवन जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे।

यह फिल्म मशहूर भारतीय आविष्कारक, किसान और समाजसेवी जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है, जिसमें अभिनेत्री अदिति बालन पद्मावती की भूमिका अदा करती हुई सभी का मनोरंजन करेंगी।

मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज कर दिया है, जिसमें महान आविष्कारक गोपालस्वामी दोरैस्वामी नायडू (जीडी नायडू) के जीवन, संघर्ष और ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनकी असंदिग्ध बगावत की एक रोमांचक झलक दिखाता है। इसकी शूटिंग मुख्य रूप से कोयंबटूर में की गई है, जहां नायडू ने अपनी कर्मभूमि बनाई थी।

अंकिता लोखंडे ने पति और मां को दी जन्मदिन की बधाई, दोनों के लिए लिखा खास नोट

विश्व केसरी

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया के जरिए मां और पति विक्की को जन्मदिन की बधाई दी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम सेक्शन पर पति विक्की जैन की तस्वीर शेयर कर लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, मेरी दुनिया आपको लंबी उम्र मिले। हैप्पी बर्थडे बेस्ट ऑफ माय लाइफ।'

इसके बाद अंकिता लोखंडे ने अपनी मां के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर कर लिखा, 'मां, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। आपने जो मुझे दिया है, उसका हिसाब मैं किसी भी रूप में नहीं चुका सकती। जन्मदिन की अनंत बधाई हो मां।'

अंकिता लोखंडे ने 14 दिसंबर 2021 को मुंबई के एक फाइव-स्टार होटल में व्यवसायी विक्की जैन के साथ शादी की थी। दोनों की लव स्टोरी एक कॉमन फ्रेंड के जरिए पार्टी में मिलने से शुरू हुई थी। शादी के बाद यह जोड़ा रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में भी नजर आया था।

हाल ही में यह कपल कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में देखा गया था। इस सीरीज को भारती सिंह होस्ट करती हैं और शेफ हरपाल सिंह सोखी जज करते हैं। यह स्टार विजय टीवी नेटवर्क के तमिल शो कूकू विद कोमाली पर बेस्ड है। हाल ही में खत्म हुए तीसरे सीजन में अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल एली गोनी, जन्नत जुबैर, अर्जुन बिजलानी, तेजस्वी प्रकाश, एल्विश यादव, करण कुंद्रा, कश्मीरा शाह, कृष्णा अभिषेक, अंकिता, विक्की, निया शर्मा और सुदेश लहरी जैसे कंटेस्टेंट थे। अली और जन्नत इस सीजन के विनर घोषित होकर ट्रॉफी अपने घर ले गए।

अंकिता लोखंडे की बात करें तो, उन्होंने पवित्र रिश्ता में अर्चना देशमुख के लीड रोल से डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 2009 से 2014 तक सुशांत सिंह राजपूत और हितेन तेजवानी के साथ काम किया। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'झलक दिखला जा 4', 'कॉमेडी सर्कस का नया दौर' और 'एक थी नायिका' में हिस्सा लिया। उन्होंने 2018 में 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जो रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित एक एपिक ड्रामा है।

मधुर भंडारकर ने संगीतकार प्रीतम से मिलने के बाद फिल्म दिल तो बच्चा जी के दिनों को किया याद

मुंबई। फिल्ममेकर मधुर भंडारकर ने हाल ही में मशहूर संगीतकार प्रीतम चक्रबोर्ती से मुलाकात की। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए फिल्ममेकर ने फिल्म 'दिल तो बच्चा है जी' के दिनों को याद किया।

दरअसल, दोनों की मुलाकात मुंबई एयरपोर्ट पर हुई थी, जिसकी तस्वीर मधुर भंडारकर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'देखो, मुंबई एयरपोर्ट पर मेरी मुलाकात किससे हुई। प्रीतम चक्रबोर्ती से मिलकर फिल्म 'दिल तो बच्चा है जी' में उनके द्वारा बनाए गए गानों की यादें ताजा हो गईं।

साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल तो बच्चा है जी' का निर्देशन मधुर भंडार ने ही किया था। रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अजय देवगन, इमरान हाशमी और ओमी वैद्य मुख्य भूमिका में थे, जबकि शजान पद्मसी, श्रुति हासन, रितुपर्णा सेनगुप्ता, टिस्का चोपड़ा और श्रद्धा दास सपोर्टिंग रोल में थीं।

फिल्म का संगीत प्रीतम ने तैयार किया था जो काफी लोकप्रिय हुए थे, जिनमें शीर्षक गीत 'दिल तो बच्चा है जी' विशेष रूप से पसंद किया गया था। मोहित चौहान द्वारा गाया गया गाना 'अभी कुछ दिनों से' फिल्म का मुख्य आकर्षण बना, जिसे इसकी ताजगी और सुरीलेपन के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया गया। इसके अलावा 'तेरे बिन' (सोनू निगम) और 'जादुगरी' (कुणाल गांजावाला) जैसे गानों को भी श्रोताओं का खूब प्यार मिला। 'दिल तो बच्चा है जी' तीन अलग-अलग उम्र और पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों नरेन, अभय और मिलिंद की प्रेम और उलझनों भरी जिंदगी के बारे में दिखाया गया है, जो प्यार, रिश्तों और दिल के बहकावे से जुड़ी अपनी-अपनी अजीब और दिलचस्प परिस्थितियों से गुजरते हैं।

इस फिल्म के जरिए निर्देशक ने दिखाया है कि कैसे अलग-अलग विचारों वाले ये तीनों आदमी प्यार के जाल में फंसते हैं और उनके जीवन में हास्य व भावनात्मक उतार-चढ़ाव आते हैं।

अंत में सबको समझ आता है कि उम्र चाहे जो भी हो, इंसान का दिल हमेशा बच्चा ही रहता है। भंडारकर की बात करें, तो उनकी अगली फिल्म 'द वाइव्स' है, जिसमें सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारुवाला मुख्य भूमिका में होंगे।

विक्की जैन ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस, रेमो डिसूजा के साथ लेकर आएंगे पहली फिल्म

विश्व केसरी

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति और प्रोड्यूसर विक्की जैन ने शनिवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर वीजे फ्रेम्स प्रोडक्शन हाउस की घोषणा की।

इस बैनर की पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी होगी, जिसका निर्देशन रैमो डिसूजा करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव अहम भूमिका में नजर आएंगे। अपने जन्मदिन पर बैनर की घोषणा करते हुए विक्की जैन ने कहा कि 'वीजे फ्रेम्स' के जरिए वे बड़े पैमाने वाली कमर्शियल फिल्में बनाने का प्लान कर रहे हैं। विक्की ने कहा, ' 'वीजे फ्रेम्स' को लॉन्च करना मेरा सपना था, जिसे लॉन्च करने में मुझे सालों लग गए और इस सफर को शुरू करने के लिए मेरे जन्मदिन से अच्छा अवसर और कोई नहीं हो सकता है। सिनेमा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। 'वीजे फ्रेम्स' के साथ मैं ऐसी कहानियां लेकर आने की उम्मीद करता हूं, जो एंटरटेन करने के साथ दर्शकों से जुड़े और उनके मन में एक गहरा असर छोड़ जाए।

उन्होंने कहा, 'रेमो के साथ-साथ जबरदस्त कास्ट के साथ एक्शन फ्रैंचाइजी की शुरुआत करना इसे और भी खास बनाता है। यह तो बस शुरुआत है और मैं आगे आने वाली हर चीज के लिए उत्साहित हूं।

निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा ने भी नए बैनर के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, 'वीजे फ्रेम्स की पहली फिल्म निर्देशित करने के लिए मैं बहुत खुश हूं। विक्की एक साफ विजन और सिनेमा के लिए सच्चे पैशन के साथ आए हैं और उनके साथ इस सफर का हिस्सा बनना एक्साइटिंग है।

फिल्म में अपनी बेहतरीन कास्ट को लेकर रेमो ने कहा, 'हमारे पास उम्दा कलाकारों की टीम हैं, जिनमें टाइगर श्रॉफ, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव शानदार लोग हैं और मैं कुछ बेहतर बनाने जा रहा हूं, जो हमारे दर्शकों के लिए मनोरंजक, एक्शन से भरपूर और मजेदार हो।

विक्की जैन को टीवी सुपरस्टार पत्नी अंकिता लोखंडे के साथ रियलिटी शो में आने के बाद काफी पहचान मिली थी। फिल्म 'हक' में एक सह-निर्माता के रूप में काम करने के बाद विक्की जैन अब उन्होंने फिल्म प्रोडक्शन में भी कदम रख लिया है।

अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ ने की 1.5 ट्रिलियन डॉलर के डिफेंस बजट की मांग

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप सरकार 1.5 ट्रिलियन डॉलर का डिफेंस बजट सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के साथ काम कर रहा है। उनका कहना है कि बढ़ा हुआ सैन्य खर्च, प्राइवेट सेक्टर का निवेश और ज्यादा भर्ती अमेरिकी सुरक्षा बलों को नया आकार दे रही है।

कैंप डेविड में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट मीटिंग के दौरान हेगसेथ ने कहा कि सरकार सेना में निवेश कर रहा है, साथ ही पेंटागन के लोगों और खरीद के तरीके में भी बदलाव कर रहा है।

हेगसेथ ने कहा, 'हम 1.5 ट्रिलियन डॉलर पाने के लिए कांग्रेस के साथ काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यह वैसा तरीका नहीं है जैसा हमने पहले अपने डिपार्टमेंट को फंड किया था।'

उन्होंने कहा कि प्रशासन ने रक्षा ठेकेदारों को केवल सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहने के बजाय निजी पूंजी का उपयोग करके अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ ने कहा, 'अब तक, डिफेंस कंपनियों की तरफ से 75 बिलियन डॉलर का निजी निवेश हुआ है, जो अब नए प्लांट, नए उपकरण, नई असेंबली लाइन में निवेश कर रही हैं ताकि भविष्य के हथियार पहले से कहीं ज्यादा तेजी से बनाए जा सकें। इससे टैक्सपेयर के पैसे बच रहे हैं, क्योंकि कंपनियां खुद निवेश कर रही हैं।' रक्षा सचिव ने कहा, 'जब आप डीईआई को हटा देते हैं, जब आप सोशल इंजीनियरिंग और सोशल जस्टिस को हटा देते हैं और मेरिट को शामिल करते हैं और फिर आप कमांडरों के हाथ खोल देते हैं ताकि वे अनुशासन और जवाबदेही लागू कर सकें, बेसिक बातों पर वापस जा सकें तो आपको हमारे रैंक में ऐतिहासिक भर्ती रिकॉर्ड देखने को मिलता है।' हेगसेथ के अनुसार, भर्ती भी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप, हमारे सबसे अच्छे लोग इस विभाग में इसलिए बने हुए हैं क्योंकि वे ऐसे ही विभाग में रहना चाहते हैं और फिर युवा अमेरिकियों के बीच भर्ती का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी बना है। हर महीने हमारा विभाग नए रिकॉर्ड तोड़ रहा है।'

उन्होंने भर्ती में हुई बढ़ोतरी का संबंध ट्रंप के फिर से सत्ता में आने से जोड़ा और कहा, 'यह ट्रेंड लाइन कब शुरू हुई? 2024 के चुनाव के दिन जब अमेरिकी लोगों ने कहा, 'मैं इस राष्ट्रपति के नेतृत्व में काम करना चाहता हूं।'

हेगसेथ ने ट्रंप के नेतृत्व में किए गए कई सैन्य ऑपरेशन पर भी रोशनी डाली, जिसमें हूतियों के खिलाफ कार्रवाई, ईरानी न्यूक्लियर फैसिलिटी को निशाना बनाने वाले ऑपरेशन और ड्रग कार्टेल के खिलाफ कोशिशें शामिल हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, 'एपिक फ्यूरी और इस ईरानी सरकार से निपटने की हिम्मत और यह सुनिश्चित करना कि उनके पास कभी परमाणु हथियार न हो, यह आपकी प्रतिबद्धता है।'

जापान में फिर हिली धरती, आओमोरी में 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके हुए महसूस

विश्व केसरी

टोक्यो। उत्तरी जापान में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। देश की मौसम एजेंसी ने बताया कि शनिवार को उत्तरी जापान के आओमोरी प्रांत में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप स्थानीय समय के हिसाब से सुबह 11:48 बजे आओमोरी के पैसिफिक कोस्ट पर 80 किमी की गहराई पर आया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप का सेंटर 41.3 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.0 डिग्री पूर्व देशांतर पर था। फिलहाल, सुनामी को लेकर कोई एडवाइजरी जारी नहीं की गई।

यह मंगलवार को स्थानीय के हिसाब से शाम करीब 4:27 बजे कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए एक और जोरदार भूकंप के ठीक बाद आया है।

बता दें, जापान के क्यूशू के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक 170 से अधिक आफ्टरशॉक (भूकंप के झटके) दर्ज किए गए। इस आपदा में कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई, जबकि कई घायल हुए। भूकंप से पुल ढह गए, कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने लोगों को अगले एक सप्ताह तक सतर्क रहने की चेतावनी दी थी। जापान के पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनएचके के अनुसार, एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि अगले दो से तीन दिन विशेष रूप से संवेदनशील हैं और इस दौरान जापान की भूकंपीय तीव्रता मापने वाले शिंदो स्केल पर अधिकतम 7 तीव्रता तक के और भूकंप आ सकते हैं।

विशेषज्ञों ने राहत एवं बचाव कार्य में जुटे लोगों से भीषण गर्मी के बीच नियमित अंतराल पर आराम करने की अपील की, ताकि हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

संक्षिप्त खबर

ओमान की सीमा तट के पास ऑयल टैंकर में धमाका, चालक दल ने दी सूचना : यूकेएमटीओ

विश्व केसरी

मस्कट। अमेरिका- ईरान के बीच हवाई हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। आसमान से लेकर समुद्र तक हलचल बढ़ी है। शनिवार को यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने जानकारी दी कि जबरदस्त धमाका ओमान की सीमा तट से करीब 21 नॉटिकल मील (करीब 39 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में हुआ। घटना के बाद इलाके में अलर्ट जारी कर जांच शुरू कर दी गई है। यूकेएमटीओ के मुताबिक, धमाका ओमान के खासाब से करीब हुई। चालक दल ने जहाज के बेहद करीब जोरदार धमाका और पानी का बड़ा गुबार उठने की सूचना दी। फिलहाल जहाज को किसी नुकसान की खबर नहीं है। यूकेएमटीओ ने कहा है कि अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और इलाके में मौजूद जहाजों को सावधानी से चलने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी गई है। इससे पहले यूकेएमटीओ ने कहा था कि इस धमाके से इंजन रूम को नुकसान पहुंचा, जिससे जहाज 'कंट्रोल से बाहर' हो गया, यानी उसे चलाना या दिशा बदलना मुश्किल हो गया। इसकी सूचना कोस्ट गार्ड फोर्स को दी गई। हालांकि इससे किसी के हताहत होने या पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है, जबकि इलाके में मौजूद दूसरे जहाजों को सावधानी से चलने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी गई

अमेरिकी सैन्य ठिकाने के पास चीनी कंपनी की एंट्री पर बढ़ी चिंता

विश्व केसरी

वाशिंगटन। रिपब्लिकन सीनेटर बर्नी मोरेनो ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से एक प्रस्तावित रियल एस्टेट सौदे की राष्ट्रीय सुरक्षा समीक्षा कराने की मांग की है। यह सौदा ओहायो में राइट-पैटरसन एयर फोर्स बेस के पास परिचालन स्थापित करने की योजना बना रही एक चीनी सौर ऊर्जा निर्माता कंपनी से जुड़ा है। मोरेनो का कहना है कि अमेरिका के सबसे संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों में से एक के निकट होने के कारण इस सौदे की तत्काल जांच आवश्यक है। शुक्रवार को भेजे एक लेटर में मोरेनो ने अपील की कि बेसेंट, अमेरिका में विदेश निवेश समिति (सीएफआईयूएस) के चेयरपर्सन के तौर पर सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड की एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा समीक्षा करें। सोलरस्पेस टेक्नोलॉजी फोटोवोल्टिक सेल और मॉड्यूल बनाने वाली एक चीनी कंपनी है। सीनेटर के अनुसार, यह मांग डेटन डेवलपमेंट कोएलिशन द्वारा 22 जून को प्रस्तुत किए गए एक प्रस्ताव के आधार पर की गई है, जो सोलरस्पेस से जुड़े एक लंबित रियल एस्टेट सौदे से संबंधित है। मोरेनो ने पत्र में लिखा, 'मेरी जानकारी के अनुसार, सोलरस्पेस ओहायो के केटरिंग स्थित 2555 वुडमैन ड्राइव पर एक सुविधा केंद्र को पट्टे पर लेने या खरीदने की योजना बना रही है, जो राइट-पैटरसन एयर फोर्स बेस से लगभग 13 मील की दूरी पर स्थित है।'

भारत-बेनिन संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता, राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल हुए एमईए के सुधाकर दलेला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पश्चिमी अफ्रीकी देश बेनिन के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारत के विदेश मंत्रालय सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारत और बेनिन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने तथा आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता समारोह से जुड़ी तस्वीरों के साथ एक बयान जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा कि भारत और बेनिन के बीच मित्रतापूर्ण संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं और दोनों देश व्यापार, निवेश, क्षमता निर्माण, विकास साझेदारी तथा अन्य साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत ने इस अवसर पर बेनिन की जनता और सरकार को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं भी दीं तथा दोनों देशों के बीच साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की इच्छा व्यक्त की। एमईए की आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, भारत और बेनिन के संबंध लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और आपसी विश्वास के अहम मूल्यों पर आधारित हैं। आर्थिक साझेदारी की बात करें तो, भारत बेनिन के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक तक पहुंच चुका है। भारत बेनिन को मुख्य रूप से चावल, फार्मास्युटिकल उत्पाद, मशीनरी, वाहन निर्यात करता है वहीं, बेनिन से काजू और कपास जैसे कृषि उत्पाद भारत को मुख्य रूप से निर्यात किए जाते हैं। वहीं ये छोटा सा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार में भारत की स्थायी सदस्यता का खुलकर समर्थन करता है। बेनिन में नाइजीरिया स्थित भारतीय उच्चायोग के माध्यम से राजनायिक संबंध देखे जाते हैं, जबकि बेनिन दूतावास नई दिल्ली में स्थित है। एमईए के मुताबिक इस देश में लगभग 1,500 भारतीय नागरिक रहते हैं जो व्यापार, शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हैं।

मोबाइल पर वीडियो देखती रही मां, छह महीने के मासूम की चली गई जान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मोबाइल पर रील देखने में मशगूल एक महिला ने अपने छह महीने के मासूम को तड़प-तड़प कर मरने पर मजबूर कर दिया। मामला अमेरिका के फ्लोरिडा का है। इस दिल दहला देने वाली घटना के सामने आने के बाद बच्चे की मां को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोप है कि बच्चे की हालत गंभीर होने पर भी अस्पताल ले जाने या इमरजेंसी सेवा उपलब्ध कराने में देरी हुई। वो घंटों मोबाइल पर टिक-टॉक वीडियो देखती रही, अश्लील वेबसाइटें खोलीं और इंटरनेट पर बच्चे के लक्षणों के बारे में जानकारी खोजती रही। मामला 29 जून का है।

द न्यूयॉर्क पोस्ट ने पुलिस के हवाले से बताया कि, 26 वर्षीय महिला तातियाना नॉर्मन ने पूछताछ के दौरान पहले कई अलग-अलग कहानियां सुनाईं। उसने कभी कहा कि बच्चा बिस्तर से गिर गया था, तो कभी हादसे की दूसरी वजह बताई। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में मिले सबूत उसकी बातों से मेल नहीं खाए।

जांच के दौरान महिला ने स्वीकार किया कि वो दो बच्चों को पालते हुए काफी थक चुकी थी और गुस्से में उसने बच्चे को प्लेपेन में जोर से फेंक दिया था, जिससे उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोट आई। इससे एक दिन पहले टीवी का रिमोट ढूंढते हुए कथित तौर पर उसके हाथ से बच्चा छिटक कर गिर गया था। अधिकारियों का कहना है कि बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। उनका मानना है कि अगर तुरंत चिकित्सा सहायता मिलती, तो स्थिति अलग हो सकती थी।

पूछताछ में महिला ने यह भी दावा किया कि वह अवसाद और मानसिक तनाव से जूझ रही थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि इन दावों की जांच की जा रही है और मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है।

कैलिफोर्निया में एफ-35बी फाइटर जेट हुआ क्रैश, अमेरिकी नौसेना के अधिकारियों ने की पुष्टि

विश्व केसरी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका नौसेना अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सैन डिएगो (कैलिफोर्निया) स्थित मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मिरामार के पास एफ-35बी लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राहत दल मौके पर बचाव कार्य में जुटा है। यह घटना शुक्रवार को स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 10 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि पायलट को सुरक्षित बचा लिया गया है।

बेस के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हम एमसीएएस मीरामार के पास मरीन कॉर्प्स एफ-35बी के साथ हुए हादसे की पुष्टि कर सकते हैं। पायलट ने इजेक्ट किया, उसे सुरक्षित निकाल लिया गया है और मेडिकल सुविधा के लिए ले जाया जा रहा है।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जेट थर्ड मरीन एयर विंग, मरीन एयर ग्रुप 11 को आवंटित था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना का कारण का पता लगाने के लिए अभी जांच की जा रही है।

एफ-35बी अमेरिकी मरीन कॉर्प्स का शॉर्ट टेकऑफ और वर्टिकल लैंडिंग वाला फाइटर जेट है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एमसीएएस मिरामार अमेरिका का एक बड़ा सैन्य हवाई अड्डा है, जहां अमेरिकी सेना की सभी शाखाओं के लगभग 15,000 जवान तैनात हैं।

इससे पहले जून की शुरुआत में, वाशिंगटन में एक अमेरिकी मिलिट्री फाइटर जेट क्रैश हो गया और जंगल में आग लग गई। हालांकि, पायलट क्रैश से पहले ही बाहर निकल गया और उसे मामूली चोटें आईं। एयरक्राफ्ट रिमरॉक लेक के पास क्रैश हो गया, जिससे जंगल वाले इलाके में इमरजेंसी फायरफाइटिंग शुरू हो गई।

एनबीसी न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि कैलिफोर्निया में मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मीरामार पर मौजूद एफ/ए-18 हॉर्नेट एयरक्राफ्ट रूटीन ट्रेनिंग कर रहा था, तभी वह गिर गया।

डीआरसी में बेकाबू हुआ इबोलाः इतिहास का सबसे तेज फैलता प्रकोप, मृतकों की संख्या हजार के पार

विश्व केसरी

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इस बार इबोला वायरस अब तक का सबसे तेजी से फैलने वाला प्रकोप बन गया है। लगातार बढ़ते संक्रमण ने देश के पूर्वी हिस्से में लोगों की जिंदगी को गहरे संकट में डाल दिया है। अब तक 3,442 लोगों में इबोला संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 1,521 लोगों की मौत हो चुकी है। यानी संक्रमितों में मृत्यु दर लगभग 45 प्रतिशत है।

डीआरसी के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार यह संक्रमण अब पूर्वी कांगो के पांच प्रांतों तक फैल चुका है, जहां वर्षों से जारी हिंसा और असुरक्षा के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर पहले से ही भारी दबाव है।

कांगो सरकार ने इस प्रकोप की आधिकारिक घोषणा 15 मई को की थी। इसके बाद से बुंडिबुग्यो स्ट्रेन का यह वायरस देश में पहले आए सभी 16 इबोला प्रकोपों की तुलना में अधिक तेजी से फैला है। संक्रमण के मामले अब 2018-20 के उस बड़े प्रकोप के आंकड़ों के करीब पहुंच चुके हैं, जब 3,470 लोग संक्रमित हुए थे।

यूएन ने भी गुरुवार को कहा कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में बीमारी तेजी से फैल रही है; इससे होने वाली मौतों की संख्या बढ़ रही है और हर 20 दिन में मामलों की संख्या दोगुनी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र इस स्थिति से निपटने में मदद कर रहा है, लेकिन उसने चेतावनी दी है कि यह महामारी पहले से ही गंभीर मानवीय संकट को और बदतर बना रही है। संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने निगरानी व्यवस्था मजबूत की है, 20 से अधिक इबोला उपचार केंद्र स्थापित किए हैं और स्थानीय स्तर पर जांच प्रयोगशालाएं बनाई हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि इबोला के मामूली लक्षण दिखाई देने पर भी तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचें ताकि संक्रमण की श्रृंखला को समय रहते रोका जा सके। इसके बावजूद बुनिया और रवामपारा जैसे स्वास्थ्य क्षेत्रों में हर सप्ताह 100 से 150 नए संक्रमित सामने आ रहे हैं।

दक्षिणी लेबनान में जल ढांचे को भारी नुकसान, लोगों की आजीविका और स्वास्थ्य पर खतरे को लेकर यूएन ने जताई चिंता

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। ईरान-अमेरिकी संघर्ष के बीच दक्षिणी लेबनान में जल आपूर्ति प्रणालियों और अन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण अपने घरों को लौट रहे 10 लाख से अधिक विस्थापित लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और बुनियादी सेवाओं की बहाली एक बड़ी चुनौती बन गई है।

संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार स्थानीय समयानुसार कहा, 'दक्षिण लेबनान जल प्राधिकरण द्वारा किए गए प्रारंभिक आकलन में पाया गया है कि दक्षिण और नबातियेह गवर्नरेट्स में जल प्रणालियों को हुए नुकसान के कारण 7 लाख से अधिक लोगों की सुरक्षित पेयजल तक पहुंच बाधित हुई है।'

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ओसीएचए ने कहा कि तालाबों, पंपिंग स्टेशनों, बोरहोल और दूसरी सुविधाओं को हुए नुकसान से लोगों की सेहत को खतरा बढ़ रहा है और खेती और रोजी-रोटी पर प्रभाव पड़ रहा है। ओसीएचए ने कहा कि 821,000 से ज्यादा लोग अपने समुदायों में लौट आए हैं, लेकिन 360,000 लोग अभी बेघर हैं।

जंग हम जीत चुके हैं, इसे लंबे समय तक कायम रखना चुनौती : ईरानी स्पीकर गालिबाफ

विश्व केसरी

तेहरान। ईरानी संसद के अध्यक्ष और संघर्ष विराम समूह के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने दावा किया है कि ईरान जंग जीत चुका है। अब सबसे बड़ी चुनौती इस जीत को लंबे समय तक कायम रखना और देश को मजबूत बनाना है।

अर्ध-आधिकारिक तस्नीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संसद अध्यक्ष ने ईरानी संसद समन्वय परिषद में यह टिप्पणी की। स्पीकर ने परिषद को बताया कि ईरान ने 'युद्ध जीत लिया' लेकिन लंबे समय तक स्थिरता सुनिश्चित करनी होगी

उन्होंने कहा, 'हमें शक्तिशाली ईरान बनाना है और इसकी शुरुआत सुप्रीम लीडर के अधिकार और फैसले लेने की ताकत को और मजबूत करने से होगी। देश को बेहतर भविष्य की उम्मीद करनी होगी और इसके साथ ही आगे बढ़ना चाहिए।'

इससे पहले अपने एक्स अकाउंट पर उन्होंने एक पोस्ट में हालिया अमेरिकी हमले की निंदा की। गालिबाफ ने केशम द्वीप पर आम नागरिकों के घरों पर हुए अमेरिकी हमले की निंदा की और इसे दक्षिणी ईरान के शहरों मिनाब और लामेर्द में अमेरिकी अपराधों का ही एक और हिस्सा बताया।

उन्होंने कहा, 'अमेरिका हर दिन एक नए अपराध में शामिल हो रहा है। केशम द्वीप पर आम नागरिकों के घरों पर हुआ हमला, मिनाब और लामेर्द में किए गए उसके अपराधों का ही सिलसिला है।'

इसके साथ ही गालिबाफ ने चेतावनी दी, 'उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।' गुरुवार को, अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में कई जगहों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें केशम द्वीप के साथ-साथ बुशेहर, फार्स और खुजेस्तान प्रांतों के कुछ इलाके भी शामिल थे।

वहीं, ईरानी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहम्मद बाकर जोलकद्र ने चेताया है कि अगर अमेरिका ने अपना रवैया नहीं बदला तो ये स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को और अधिक बंद करने का कारण बनेगा और इससे अन्य स्ट्रेट्स और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते (चोकपॉइंट्स) भी बंद हो सकते हैं। जोलकद्र ने अपने संदेश में वाशिंगटन द्वारा देश पर लगाई गई गैर-कानूनी नौसैनिक नाकेबंदी की आलोचना की।

बिहार रेजिमेंटल सेंटर में 24 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन का 33वां स्थापना दिवस मनाया गया

विश्व केसरी

दानापुर। दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंटल सेंटर में 24 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन (बिहार) का 33वां स्थापना दिवस बड़े गर्व, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। यह अवसर उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का भी था, जिन्होंने देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी।

इस बटालियन को 1 अगस्त 1994 को कर्नल उमेद सिंह की कुशल लीडरशिप में तैयार किया गया था। अपनी शुरुआत से ही इस बटालियन ने भारतीय सेना की बेहतरीन परंपराओं को कायम रखा है। इसे जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई, उसे इसने पूरी लगन, प्रोफेशनलिज्म, अनुशासन, सतर्कता और ऑपरेशनल काम में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ निभाया है। बटालियन ने उग्रवाद-विरोधी अभियानों में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए काफी पहचान बनाई है। इसे जहां भी तैनात किया गया, इसने अपने बेहतरीन प्रोफेशनलिज्म और ऑपरेशनल सफलता से

अपनी अलग पहचान बनाई और उन सभी यूनिट्स का सम्मान हासिल किया जिनके साथ इसने काम किया। इस गौरवशाली बिहार बटालियन के सैनिकों का अदम्य साहस, अटूट जज्बा और देशभक्ति मिसाल रही है। इन बहादुर योद्धाओं ने बार-बार असाधारण वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया है, जिससे न केवल बटालियन बल्कि पूरे बिहार रेजिमेंट का मान बढ़ा है। अपनी शानदार सेवा और असाधारण उपलब्धियों के लिए, बटालियन को कई वीरता पुरस्कारों और सम्मानों से नवाज़ा गया है। इनमें 'चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ यूनिट साइटेशन' (2013), एक 'कीर्ति चक्र', छह 'शौर्य चक्र', 28 'सेना मेडल' और 84 'कमेंडेशन कार्ड' शामिल हैं। बटालियन को प्रतिष्ठित 'सरताज ट्रॉफी' भी मिली है और 2013 में इसे 'बेस्ट राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन' चुना गया था।

देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों के सम्मान में बिहार रेजिमेंटल सेंटर के 'वीर स्मृति स्थल' पर एक गंभीर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। बिहार रेजिमेंट के कर्नल की ओर से बिहार रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा ने शहीद नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस समारोह में बिहार रेजिमेंटल सेंटर के एडजुटेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अंकुर कुमार मिश्रा, सूबेदार मेजर नारायण प्रधान, सूबेदार संजय सिंह के साथ-साथ बड़ी संख्या में जूनियर कमीशंड ऑफिसर और अन्य रैंक के जवान शामिल हुए। सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करते हुए सभी अधिकारियों, जेसीओएस और सैनिकों ने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए 'वीर स्मृति स्थल' पर दो मिनट का मौन रखा।

सरकार को डर है कि युवाओं का आक्रोश बाहर न आ जाए : सचिन पायलट

विश्व केसरी

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान के लोग भाजपा सरकार से आक्रोशित हैं। इस सरकार कार्यशैली से खफा होकर युवाओं को आक्रोश अपने चरम पर पहुंच चुका है। इसी को देखते हुए युवा दोबारा से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हो रही है, क्योंकि उन्हें इस बात का डर है कि अगर दोबारा चुनाव हुए तो उन्हें आक्रोश झेलना पड़ेगा।

उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार बैकफुट है। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पंचायत चुनाव कराने के आदेश दिए गए हैं। मैं हमेशा से ही इस चुनाव का पैरोकार रहा हूं। निश्चित तौर पर इस तरह के चुनाव होने चाहिए। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। लोगों का विश्वास बढ़ेगा। इसके अलावा, विधानसभा के मानसून सत्र पर भी प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, सरकार का आधे से ज्यादा का कार्यकाल पूरा हो चुका है। ऐसी स्थिति में यह जरूरी हो जाता है कि सरकार जनता के सवालों का जवाब दे। सरकार अपने इन सवालों से बच नहीं पाएगी। उन्हें जनता और विपक्ष के कड़वे सवालों का सामना करना ही होगा। सरकार हठधर्मी बनी रही, लेकिन अंत में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सरकार को पंचायत और नगर निकाय के चुनाव कराने के लिए राजी होना पड़ा। छात्र संघ के चुनाव भी होने हैं। इसे लेकर छात्र धरना कर रहे हैं। सरकार को इन सवालों का जवाब देना होगा।

वहीं, उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देने के बाद जब संसद पहुंचे, तो बीजेपी के नेता उनका ऐसे स्वागत कर रहे थे कि जैसे उन्होंने कोई किला फतह कर लिया है। पेपर लीक की वजह से तनाव में आकर कई छात्रों ने आत्महत्या की। इसके बाद पूरा देश और विपक्ष एकजुट हुआ। सभी ने धर्मेंद्र प्रधान पर दबाव बनाया।

संक्षिप्त खबर

गुजरात ने स्थानीय विकास में तेजी लाने के लिए तालुका प्लानिंग निकायों को एक ही समिति में मिलाया

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने तालुका-स्तर की दो अहम प्लानिंग बॉडीज को मिलाकर 18 सदस्यों वाली एक 'यूनिफाइड तालुका प्लानिंग कमिटी' (यूटीपीसी) बनाई है। इस कदम का मकसद विकेंद्रीकृत विकास प्लानिंग को आसान बनाना, प्रशासनिक देरी को कम करना और राज्य के ग्रामीण इलाकों में कल्याणकारी योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को लागू करने में बेहतर तालमेल बिठाना है। शनिवार को घोषित यह फैसला अगस्त 2025 में सौंपी गई गुजरात प्रशासनिक सुधार आयोग (जीएआरसी) की चौथी रिपोर्ट की सिफारिशों पर आधारित है। यह नई समिति, विकेंद्रीकृत जिला योजना कार्यक्रम के तहत मौजूदा तालुका योजना समिति और 'आपणो तालुको-वाइब्रेंट तालुको' (एटीवीटी) तालुका कार्यकारी योजना समितियों की जगह लेगी। राज्य सरकार के अनुसार, आयोग ने पाया कि तालुका स्तर पर कई समितियां अलग-अलग विकेंद्रीकृत योजना कार्यक्रमों को संभाल रही थीं, जिनमें तालुका योजना समिति,एटीवीटी कार्यकारी योजना समिति और तालुका पंचायत योजना समिति शामिल थी। आयोग ने देखा कि जिम्मेदारियों के ओवरलैप होने से काम का दोहराव होता था, प्रशासनिक प्रक्रियाएं लंबी हो जाती थीं और कई बार एक ही सदस्य कई समितियों में शामिल होकर बार-बार चर्चा करते थे, जिससे फैसले लेने और विकास परियोजनाओं को लागू करने में देरी होती थी।

भाजपा नेताओं ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का लगाया आरोप

विश्व केसरी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के चलते जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर प्रभावी अंकुश लगा है, लेकिन सीमा पार से लगातार शांति भंग करने की कोशिशें जारी हैं। भाजपा के जम्मू-कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा ने कुलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान किसी भी कीमत पर जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कश्मीर में आर्थिक गतिविधियों और पर्यटन के बढ़ने से पाकिस्तान परेशान है। उनके अनुसार पाकिस्तान चाहता है कि जिस तरह उसके अपने नागरिक आर्थिक संकट और कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, उसी तरह जम्मू-कश्मीर का माहौल भी अशांत बना रहे। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा एजेंसियां और सरकार ऐसी साजिशों को विफल करने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो संदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए सत शर्मा ने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति में खड़ा है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री के नेतृत्व के साथ-साथ देश के युवाओं को जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 1.4 अरब आबादी में बड़ी संख्या युवाओं की है और यही युवा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में सबसे अहम भूमिका निभाएंगे।

चुनाव आयोग ने ओडिशा में एसआईआर की समयसीमा बढ़ाई, 19 अगस्त तक करा सकेंगे दावे और आपत्तियां

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने ओडिशा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा बढ़ा दी है, जिससे मतदाता अब 19 अगस्त तक दावे और आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे।

आयोग ने बताया कि 14 मई को जारी संचार के माध्यम से 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'विशेष गहन संशोधन' की घोषणा की गई थी। ओडिशा में, मतदाता सूची का मसौदा 5 जुलाई को प्रकाशित किया गया था और दावे व आपत्तियां दाखिल करने की मूल अवधि 5 जुलाई से 4 अगस्त तक तय की गई थी।

हालांकि, ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के अनुरोध पर और 'मतदाता पंजीकरण नियम, 1960' के नियम 12 के प्रावधान के तहत मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए आयोग ने दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 19 अगस्त तक बढ़ाने का निर्णय लिया। यह संशोधन 1 जुलाई को अर्हता तिथि मानकर किया जा रहा है।

आयोग की ओर से 31 जुलाई को जारी एक अधिसूचना में कहा गया, '14 मई के पत्र का हवाला देते हुए यह बताने का निर्देश दिया गया है कि आयोग ने 30 जुलाई के आपके (सीईओ) अनुरोध पर विचार किया है और एसआईआर के कार्यक्रम में संशोधन करने का निर्णय लिया है।'

संशोधित कार्यक्रम के तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 5 अगस्त से बढ़ाकर 19 अगस्त कर दी गई है। नोटिस का चरण और दावों व आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया अब 17 सितंबर तक चलेगी। संशोधित मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 सितंबर को होगा। आयोग ने राज्य अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे इस अधिसूचना को राज्य के राजपत्र (गजट) के असाधारण अंक में प्रकाशित करें और आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए ईसीआई को इसकी तीन प्रतियां भेजें।

कृषि विभाग की ओर से विकसित किए जा रहे कॉर्न विलेज सैंजी का सीडीओ ने किया दौरा

विश्व केसरी

टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी जिले के मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने जौनपुर के ग्राम सैंजी का दौरा किया, जहां उन्होंने कृषि विभाग की ओर से विकसित किए जा रहे कॉर्न विलेज का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों के खेतों में पहुंचकर स्वीट कॉर्न की फसल का निरीक्षण किया और किसानों से खेती के अनुभवों एवं उत्पादन के संबंध में जानकारी ली।

मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि ग्राम सैंजी सहित आसपास के 8 अन्य गांवों में खरीफ सीजन के लिए किसानों को स्वीट कॉर्न, हाइब्रिड मक्का तथा राजमा/बीन्स के बीज उपलब्ध कराए गए हैं। किसानों को उनकी मांग के अनुसार स्वीट कॉर्न की उन्नत प्रजाति एवं आवश्यक कृषि दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई हैं। न्याय पंचायत कृषि अधिकारी द्वारा समय-समय पर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। ग्राम प्रधान कुसुम रावत ने बताया कि कृषि विभाग की ओर से योजना के प्रारंभ से ही किसानों के साथ गोष्ठियां आयोजित कर उन्हें योजना की जानकारी दी गई तथा किसानों से बीज की मांग भी एकत्र की गई। किसानों की मांग के अनुरूप उन्हें बीज एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिससे ग्रामीणों में इस फसल के प्रति उत्साह बढ़ा है। मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों के खेतों में तैयार स्वीट कॉर्न की फसल का निरीक्षण करते हुए किसानों एवं कृषि विभाग के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान ग्रामीणों ने अपने खेतों में उत्पादित स्वीट कॉर्न का स्वाद मुख्य विकास अधिकारी एवं उपस्थित अधिकारियों को भी चखाया।

कोलकाता से लौटते समय मुर्शिदाबाद के कंटेंट क्रिएटर की सड़क हादसे में मौत

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नादिया जिले के कृष्णानगर पुलिस स्टेशन इलाके में हुए सड़क हादसे में मुर्शिदाबाद के सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी साझा की।

पुलिस के अनुसार, मुर्शिदाबाद जिले के दौलताबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र स्थित बेनीदासपुर गांव के रहने वाले सलाम शेख के बेटे सुमन, सोशल मीडिया पर 'सुमन राइडर' के नाम से मशहूर थे।

पुलिस के मुताबिक, सुमन को बाइक चलाने का बहुत शौक था। शुरुआती जांच से पता चला है कि गुरुवार देर रात कोलकाता से मुर्शिदाबाद जिले लौटते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वे दुर्घटना का शिकार हो गए। वे कंटेंट बनाने के काम से कोलकाता गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार में बाइक चलाते समय युवा राइडर का अचानक संतुलन बिगड़ गया और वे बाइक से गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शुरुआती जांच में पुलिस का अनुमान है कि सुमन की मौत मौके पर ही हो गई थी। पिछले महीने ही दक्षिण कोलकाता के ढाकुरिया की बाइक राइडर देबाहुति बनर्जी की भी एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। देबाहुति पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर लोकल पुलिस स्टेशन इलाके के बालीहाटी इलाके में नेशनल हाईवे पर दुर्घटना का शिकार हुई थीं। कोलकाता से कुल 15 लोग आठ बाइक पर सवार होकर ओडिशा के चांदीपुर गए थे। ओडिशा से बाइक लेकर लौटते समय खड़गपुर के पास देबाहुति की बाइक का पहिया एक गड्ढे में चला गया। तेज रफ्तार के कारण देबाहुति का संतुलन बिगड़ गया था बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

पप्पू यादव और विपक्ष ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता का किया अपमानः सुनील बराल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव द्वारा संसद परिसर में साधु के वेश में प्रदर्शन किए जाने का भारतीय जनता पार्टी नेता सुनील बराल कड़ा विरोध किया है। भाजपा नेता ने कहा कि पप्पू यादव समेत विपक्ष के नेताओं ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता का भी अपमान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जेन जी को संबोधित करते हुए जारी किए गए वीडियो संदेश पर भाजपा नेता सुनील बराल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'प्रधानमंत्री का बहुत बड़ा दिल है। 140 करोड़ देशवासियों के अभिभावक के रूप में प्रधानमंत्री इस समय काम कर रहे हैं। पीएम मोदी बच्चों के माता-पिता की जिम्मेदारी समझते हैं। बच्चों ने जिस तरह से आंदोलन में प्रधानमंत्री की मां के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है, वह निंदनीय हैं। युवाओं से इतनी गाली सुनने के बाद भी प्रधानमंत्री ने सबको माफ कर दिया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के भगवा कपड़े पहनने पर बीजेपी नेता सुनील बराल ने कहा, 'यह न सिर्फ हिंदुओं का, बल्कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता का भी अपमान है। सनातन इस देश की पहचान है। पप्पू यादव ने सनतान धर्म और साधु-संतों का मखौल उड़ाया है। ऐसे में पप्पू यादव के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपी के भदोही जिले का नाम बदलने पर मायावती द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताने पर भाजपा नेता ने कहा, भाजपा भारतीय संस्कृति और संविधान में विश्वास रखते हुए प्राचीन परंपराओं को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भदोही जिले का नाम संत रविदास के नाम पर रख दिया है।

सपा नेताओं ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले-राम मंदिर में जमीन मामले से लेकर चढ़ावे तक में अनियमितता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले और जेन-जी को लेकर पीएम मोदी के संदेश पर प्रतिक्रिया दी है।

आईएएनएस से बातचीत करते हुए राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले को लेकर उन्होंने कहा, 'पप्पू यादव की ओर से ऐसा क्यों किया गया, इसका जवाब तो वही देंगे लेकिन भाजपा को यह घिनौना लग रहा है। राम मंदिर में जमीन के मामले से लेकर चढ़ावा अनियमितता मामला पुण्य का काम लग रहा है। भगवान राम और धर्म को लेकर ऐसे लोगों के मुंह से बातें सुनने का कोई मतलब नहीं है। इनके लिए धर्म सत्ता पाने का साधन और मंदिर पैसा कमाने का जरिया है।' जेन-जी को लेकर प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश पर राजीव राय ने कहा, 'प्रधानमंत्री की ओर से देर रात एक वीडियो जारी कर दिया जा रहा है। संसद के सत्र में लोग प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को देखने और सुनने को तरस गए हैं। उनको सदन में खड़े होकर देश के बच्चों से माफी मांग लेनी चाहिए। हम उनके साथ खड़े हो जाएंगे।6 कुलगाम में आतंकी हमले पर राजीव राय ने कहा, 'आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में देश एक है। आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।' कांवड़ यात्रा को लेकर राजीव राय ने कहा, 'जब बच्चे पेपर लीक मामले को लेकर आए तो उन पर लाठियां बरसाई गईं। अब उनको गुमराह करने के लिए फूल बरसाए जा रहे हैं।' एफसीआर संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना पर राजीव राय ने कहा, अगर सदन में बिल पेश किया जाएगा तो इस पर चर्चा की जाएगी।

बारिश और मरम्मत के कारण बंद हुआ जम्मू-श्रीनगर हाईवे, अमरनाथ यात्रा स्थगित

विश्व केसरी

जम्मू। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से चल रही श्री अमरनाथ यात्रा को राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने की वजह से शनिवार को स्थगित कर दिया गया। भारी बारिश और मरम्मत के काम के कारण हाईवे पर श्री अमरनाथ यात्रा के काफिले कोकश्मीर घाटी की ओर जाने की इजाजत नहीं दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिले में राजमार्ग के लधा-समरोली हिस्से पर मरम्मत का काम चल रहा है, इसलिए तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जम्मू बेस कैंप से कश्मीर घाटी के लिए निकलने की इजाजत नहीं दी गई।

उन्होंने बताया कि उधमपुर और रामबन जिलों में लगातार बारिश के कारण यह अहम राजमार्ग बंद हो गया, जिससे तीर्थयात्रियों के नए जत्थों की आवाजाही रुक गई। राजमार्ग को एक दिन पहले भी मरम्मत के काम के लिए बंद किया गया था। हालांकि, यात्रियों का काफिला ट्रैफिक रोके जाने से पहले ही वहां से गुजर चुका था।

इसके बाद हुई बारिश ने कामकाज में रुकावट डाल दी, जिससे सड़क की सतह कीचड़ वाली और बहुत अधिक फिसलन भरी हो गई। शनिवार को भी हल्की से मध्यम बारिश होती रही। इसी बीच, यात्रा का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने जम्मू आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी को देखते हुए यात्रा रजिस्ट्रेशन और टोकन वितरण काउंटर तवी रिवर फ्रंट से हटाकर भगवती नगर बेस कैंप में शिफ्ट कर दिए हैं। तवी रिवर फ्रंट को अमरनाथ तीर्थयात्रियों के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन, टोकन वितरण, ई-केवाईसी वेरिफिकेशन और आरएफआईडी जारी करने की सुविधा के तौर पर विकसित किया गया था। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि तीर्थयात्रियों की संख्या कम होने के कारण, रजिस्ट्रेशन की सुविधाओं को अब भगवती नगर बेस कैंप में एक साथ कर दिया गया है।

'समुद्र मंथन' योजना से भारत को कच्चे तेल और गैस के आयात पर दीर्घकालिक निर्भरता घटाने में मिलेगी मददः सरकार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार की नई 'समुद्र मंथन' योजना भारत को लंबे समय में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी। मंत्रालय ने कहा कि बेहतर भू-वैज्ञानिक डेटा, जोखिम साझा करने की व्यवस्था, साझा बुनियादी ढांचे और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के जरिए यह योजना देश में गहरे समुद्री (डीपवॉटर) तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करेगी, जिससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

मंत्रालय के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता है और देश का सालाना तेल आयात बिल करीब 144 अरब डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपए) है। हाल के वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षित और निर्बाध उपलब्धता रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है।

मंत्रालय ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा मांग लगातार बढ़ने की संभावना है।

ऐसे में घरेलू स्तर पर तेल और गैस उत्पादन बढ़ाना आयात पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने और देश की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय (ऑफशोर) अन्वेषण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के लिए 84,084 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इसे वित्त वर्ष 2030-31 तक लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार यह अब तक का भारत का सबसे महत्वाकांक्षी ऑफशोर तेल एवं गैस अन्वेषण मिशन है।

मंत्रालय ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में किए गए व्यापक सुधारों का अगला चरण है, जिसका उद्देश्य नीतिगत सुधारों को जमीन पर उतारते हुए भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई गति देना है।

सरकार ने 2014 के बाद से हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं उत्पादन क्षेत्र में कई बड़े संरचनात्मक सुधार किए हैं, जिनमें पहले प्रतिबंधित माने जाने वाले 99 प्रतिशत से अधिक 'नो-गो' क्षेत्रों को खोल दिया गया है, जिससे पहली बार भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के 10 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल और गैस की खोज का रास्ता साफ हुआ है।

इसके अलावा, सरकार ने प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (पीएससी) व्यवस्था की जगह रेवेन्यू शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (आरएससी) लागू किया है, जिससे कर एवं राजस्व ढांचा अधिक सरल, पारदर्शी और प्रशासनिक हस्तक्षेप से मुक्त हुआ है।

ऑयलफील्ड्स (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) संशोधन अधिनियम, 2025 के जरिए इस क्षेत्र के कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाया गया है। नए कानून में अनुबंधों की स्थिरता, एकीकृत पेट्रोलियम संचालन की मान्यता, विवाद निपटान व्यवस्था को मजबूत करने और आधुनिक नियामकीय ढांचा तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया है।

बच्चों की बातचीत का पैटर्न बताता है भविष्य में कैसी रहेगी उनकी मेंटल हेल्थ, नए शोध में खुलासा

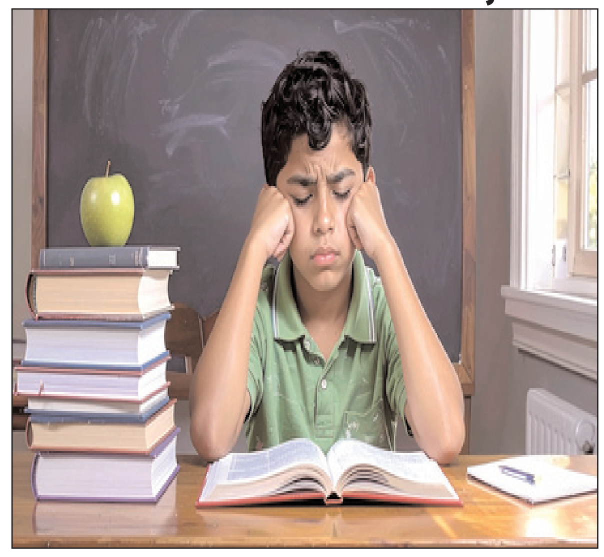

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। क्या किसी बच्चे के बोलने के तरीके से यह पता लगाया जा सकता है कि भविष्य में उसे डिप्रेशन या एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं हो सकती हैं? सुनने में यह बात थोड़ी हैरान करने वाली लग सकती है, लेकिन एक नए शोध में कुछ ऐसा ही सामने आया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चे क्या बोलते हैं, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वे कैसे बोलते हैं। यानी उनके शब्दों को जोड़ने का तरीका, वाक्य बनाने का अंदाज और बातचीत की शैली भविष्य में उनकी मानसिक सेहत के बारे में अहम संकेत देती है।

यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल नेचर मेंटल हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। इसमें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 9 से 13 साल की उम्र के 200 से ज्यादा बच्चों का अध्ययन किया। बच्चों से उनके जीवन में हुई तनावपूर्ण घटनाओं के बारे में लगभग डेढ़ घंटे तक बातचीत की गई। इन इंटरव्यू की रिकॉर्डिंग को बाद में चार नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग सिस्टम से विश्लेषित किया गया।

सभी मॉडल्स इस बात का काफी सटीक अनुमान लगाने में सफल रहे कि अगले छह सालों में किन बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकसित होने की संभावना है।

शोध के प्रमुख लेखक और स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड साइंसेज में न्यूरोसाइंस के डॉक्टरेट स्टूडेंट चेस एंटोनैकी के अनुसार, यह अध्ययन इस बात का मजबूत प्रमाण है कि भविष्य में ऐसे आसान और बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जा सकने वाले उपकरण विकसित किए जा सकते हैं, जो बीमारी सामने आने से पहले ही जोखिम वाले बच्चों की पहचान कर सकें।

शोधकर्ताओं ने पाया कि बच्चों की बातचीत का स्टाइल, यानी वे 'और', 'लेकिन', 'से', 'तक' जैसे छोटे-छोटे जोड़ने वाले शब्दों का कितना और कैसे इस्तेमाल करते हैं, यह उनके मानसिक स्वास्थ्य का ज्यादा सटीक संकेत देता है। वहीं उन्होंने किस घटना का जिक्र किया, यह अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण साबित हुआ।

किशोरावस्था के समय डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी समस्याएं अक्सर शुरू होती हैं। एक बार ये बीमारियां विकसित हो जाएं तो उनका इलाज आसान नहीं होता। ऐसे में अगर पहले ही यह पता चल जाए कि कौन-सा बच्चा जोखिम में है, तो समय रहते उसकी काउंसलिंग और मदद की जा सकती है।

अब तक बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य के खतरे का आकलन करने के लिए डॉक्टरों की जांच, तनाव वाले हार्मोन कॉर्टिसोल की जांच, शरीर की तनाव प्रतिक्रिया या अन्य वैज्ञानिक परीक्षणों का सहारा लिया जाता था। लेकिन ये तरीके महंगे, समय लेने वाले और बड़े स्तर पर लागू करना मुश्किल हैं। इसके मुकाबले बातचीत का विश्लेषण करना कहीं ज्यादा आसान, सस्ता और व्यावहारिक तरीका हो सकता है।

मणिचक्र को एक्टिव करता है ये आसन, रक्त संचार को भी नियंत्रित करने में करता है मदद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दफ्तर में घंटों कुर्सी पर बैठने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पीठ दर्द होना आम है। इससे निजात पाने के लिए व्याघ्रासन एक सटीक, सरल और असरदार समाधान है। इसको करने से पेट कम होता है और शरीर में नई ऊर्जा आती है।

व्याघ्रासन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा बाघ के समान होती है, जिस वजह से इसे टाइगर पोज भी कहा जाता है। यह मुद्रा ऊर्जा को नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण तरीके से प्रवाहित करने में भी सहायक है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, व्याघ्रासन (टाइगर पोज) रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाने, कमर दर्द व साइटिका से राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है।

व्याघ्रासन को करते समय पेट के अंगों पर पड़ने वाले हल्के दबाव से पाचन तंत्र सक्रिय होता है, जिससे गैस और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। नियमित अभ्यास से भोजन का पाचन बेहतर होता है और भूख सही समय पर लगती है।

व्याघ्रासन (टाइगर पोज) मणिपुर (सोलर प्लेक्सस चक्र) और स्वाधिष्ठान चक्र (सैक्रल चक्र) को उत्तेजित करता है। यह आसन आत्मविश्वास, आंतरिक शक्ति और सशक्तीकरण की भावना को बढ़ाता है।

यह शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाता है। इस आसन से शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व अच्छी तरह पहुंचते हैं, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और थकान कम होती है।

खासकर पैरों, हाथों और पीठ की मांसपेशियां व्याघ्रासन से मजबूत बनती हैं। बेहतर रक्त संचार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और आप लंबे समय तक स्वस्थ बने रहते हैं।

व्याघ्रासन करने के लिए योगा मैट पर घुटनों के बल बैठ जाएं और हथेलियों को जमीन पर टिका लें ताकि शरीर का भार हाथों और घुटनों पर आ जाए। अब गहरी सांस लें, सामने देखें और अपनी दाईं टांग को पीछे की ओर सीधा उठाएं।

साथ ही, अपनी गर्दन को ऊपर की ओर खींचें। इसके बाद, सांस छोड़ते हुए उस दाईं टांग को मोड़कर अपनी छाती की तरफ लाएं और पीठ को ऊपर की ओर गोलाई में झुकाएं।

डीआरसी में बेकाबू हुआ इबोलाः इतिहास का सबसे तेज फैलता प्रकोप, मृतकों की संख्या हजार के पार

विश्व केसरी ■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इस बार इबोला वायरस अब तक का सबसे तेजी से फैलने वाला प्रकोप बन गया है। लगातार बढ़ते संक्रमण ने देश के पूर्वी हिस्से में लोगों की जिंदगी को गहरे संकट में डाल दिया है। अब तक 3,442 लोगों में इबोला संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 1,521 लोगों की मौत हो चुकी है। यानी संक्रमितों में मृत्यु दर लगभग 45 प्रतिशत है।

डीआरसी के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार यह संक्रमण अब पूर्वी कांगो के पांच प्रांतों तक फैल चुका है, जहां वर्षों से जारी हिंसा और असुरक्षा के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर पहले से ही भारी दबाव है।

कांगो सरकार ने इस प्रकोप की आधिकारिक घोषणा 15 मई को की थी। इसके बाद से बुंडिबुग्यो स्ट्रेन का यह वायरस देश में पहले आए सभी 16 इबोला प्रकोपों की तुलना में अधिक तेजी से फैला है। संक्रमण के मामले अब 2018-20 के उस बड़े प्रकोप के आंकड़ों के करीब पहुंच चुके हैं, जब 3,470 लोग संक्रमित हुए थे।

यूएन ने भी गुरुवार को कहा कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में बीमारी तेजी से फैल रही है; इससे होने वाली मौतों की संख्या बढ़ रही है और हर 20 दिन में मामलों की संख्या दोगुनी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र इस स्थिति से निपटने में मदद कर रहा है, लेकिन उसने चेतावनी दी है कि यह महामारी पहले से ही गंभीर मानवीय संकट को और बदतर बना रही है।

संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने निगरानी व्यवस्था मजबूत की है, 20 से अधिक इबोला उपचार केंद्र स्थापित किए हैं और स्थानीय स्तर पर जांच प्रयोगशालाएं बनाई हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि इबोला के मामूली लक्षण दिखाई देने पर भी तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचें ताकि संक्रमण की श्रृंखला को समय रहते रोका जा सके। इसके बावजूद बुनिया और रवामपारा जैसे स्वास्थ्य क्षेत्रों में हर सप्ताह 100 से 150 नए संक्रमित सामने आ रहे हैं।

जुलाई की शुरुआत में बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ विकसित की गई नई वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल शुरू हुआ है। इस स्ट्रेन के लिए फिलहाल कोई मानक इलाज उपलब्ध नहीं है। 15 जुलाई तक लगभग 20 वॉलिंटियर्स को इस परीक्षण में शामिल किया जा चुका था और वैज्ञानिकों का अनुमान है कि परीक्षण पूरा होने में लगभग चार महीने लग सकते हैं।

उधर, हाल ही में अपने यहां इबोला प्रकोप खत्म होने की घोषणा करने वाले युगांडा ने भी कांगो की मदद के लिए विशेषज्ञों की टीम भेजी है। ये विशेषज्ञ विशेष रूप से सीमा से लगे टचोमिया और कासेनी क्षेत्रों में कांगो के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर संक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते संक्रमण की रफ्तार नहीं थमी, तो यह प्रकोप कांगो के इतिहास का सबसे भयावह इबोला संकट बन सकता है।

बालों के झड़ने से है परेशान, जानें तेल लगाने का सही समय और तरीका

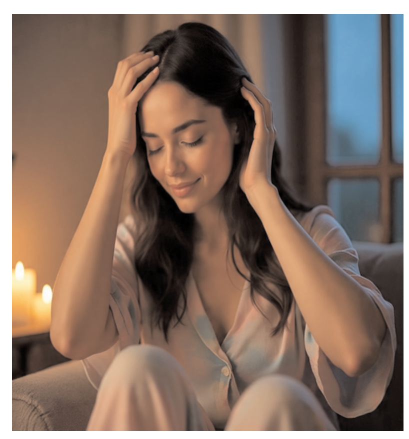

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बालों की देखभाल को लेकर लोगों की अपनी-अपनी राय हैं। कोई बालों में घंटों तेल लगाकर रखने को सबसे अच्छा तरीका मानता है, तो कोई जल्दी-जल्दी तेल लगाकर धो लेना पसंद करता है। लोग बालों को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में सबसे पुराना तरीका है बालों में तेल लगाना। लेकिन सवाल ये है कि क्या ज्यादा देर तक तेल लगाए रखना बालों के लिए फायदेमंद होता है?

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे बाल मुख्य रूप से केराटिन नाम के प्रोटीन से बने होते हैं। बालों की बाहरी परत कई छोटी-छोटी कोशिकाओं से बनी होती है, जो पानी को सोखने की क्षमता रखती हैं। जब बाल बार-बार पानी के संपर्क में आते हैं तो ये कोशिकाएं फूल जाती हैं और सूखने के बाद वापस अपनी पुरानी स्थिति में लौटती हैं। यह प्रक्रिया लगातार होने पर बालों की मजबूती धीरे-धीरे कम हो सकती है। इस वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं, आसानी से टूट सकते हैं और दोमुंहे बालों की समस्या भी बढ़ सकती है।

बालों को धोने से पहले तेल लगाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। नहाने से कुछ समय पहले बालों और स्कैल्प पर तेल लगाने से बालों के ऊपर एक हल्की सुरक्षा परत बन जाती है। यह परत बालों को जरूरत से ज्यादा पानी सोखने से बचाने में मदद करती है। इसके अलावा शैंपू में मौजूद कुछ रसायनों का सीधा असर बालों पर कम हो सकता है, जिससे बालों की प्राकृतिक नमी बनी रहती है और वे ज्यादा रूखे नहीं होते।

कई लोग रातभर बालों में तेल लगाकर सोते हैं। उनका मानना होता है कि ज्यादा समय तक तेल लगा रहने से बालों को ज्यादा पोषण मिलेगा। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए यह तरीका सही नहीं होता। खासकर जिन लोगों की स्कैल्प ज्यादा तैलीय रहती है, उनके लिए लंबे समय तक तेल लगा रहना परेशानी बढ़ा सकता है।

स्कैल्प पर प्राकृतिक रूप से एक तेल बनता है, जिसे सीबम कहा जाता है। जब इसके ऊपर लंबे समय तक अतिरिक्त तेल जमा रहता है तो कुछ लोगों में फंगल ग्रोथ बढ़ सकती है।

चेहरे की चमक से लेकर बालों की मजबूती तक, बादाम का तेल है कुदरती ब्यूटी टॉनिक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल बढ़ता प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खराब खानपान और तनाव का असर सबसे पहले हमारी त्वचा और बालों पर दिखाई देता है। कम उम्र में ही बाल झड़ने लगते हैं और त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है। ऐसे में लोग महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन अगर कुछ प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल किया जाए तो अच्छा फायदा मिल सकता है। इन्हीं में से एक है बादाम का तेल। बादाम के तेल में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा और बालों दोनों की देखभाल में मदद कर सकते हैं।

बादाम के तेल में विटामिन ई, हेल्दी फैट, एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह त्वचा की नमी बनाए रखने, बालों को मुलायम बनाने और बाहरी नुकसान से बचाने में मदद करता है। बादाम के तेल से हल्के हाथों से सिर की मालिश करने से बालों को नमी मिलती है और वे पहले से ज्यादा मुलायम महसूस होते हैं। कुछ लोग बादाम के तेल को जैतून के तेल के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। इससे बालों की देखभाल बेहतर तरीके से होती है। हालांकि अगर बाल बहुत ज्यादा झड़ रहे हों, तो पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, बादाम के तेल में ऐसे फैटी एसिड होते हैं, जो बालों की बाहरी परत को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। इससे बालों का रूखापन कम होता है और बालों के टूटने की संभावना भी कुछ हद तक कम हो जाती है।

आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स की समस्या भी आजकल काफी आम हो गई है। देर रात तक जागना, तनाव, नींद की कमी और शरीर में पानी की कमी इसके बड़े कारण माने जाते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि रात में सोने से पहले आंखों के नीचे थोड़ी मात्रा में बादाम के तेल से हल्की मालिश करने से त्वचा को नमी मिलती है।

जिन इलाकों में लगे होते हैं खूब सारे पेड़, वहां बुजुर्ग आबादी रहती है डिप्रेशन से कोसों दूरः स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी ■

सिडनी। संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डिप्रेशन एक आम मानसिक विकार है। इससे दुनिया के लगभग 28.0 करोड़ लोग जूझ रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो दुनिया के 5.7 फीसदी बुजुर्ग डिप्रेशन से पीड़ित हैं। डिप्रेशन की वजह अनगिनत हैं, लेकिन हाल की एक स्टडी कैसे इससे बचा जा सकता है इस ओर ध्यान दिलाती है। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक लंबे समय तक चले अध्ययन में पाया गया है कि अधिक वृक्षों वाले इलाकों में रहने से बुजुर्गों में बढ़ती उम्र के दौरान अवसाद (डिप्रेशन) से बचाव में मदद मिल सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने ऑस्ट्रेलिया की 'न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के सिडनी सेंटर फॉर हेल्दी ब्रेन एजिंग' (सीएचईबीए) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 'जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर्स' में प्रकाशित यह शोध स्वस्थ उम्र बढ़ने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अर्बन प्लानिंग की संभावित भूमिका को रेखांकित करता है। सीएचईबीए ने ऑस्ट्रेलियन कैथोलिक यूनिवर्सिटी के सहयोग से यह अध्ययन किया। इसमें 70 से 90 वर्ष की आयु के 1,000 से अधिक बुजुर्ग ऑस्ट्रेलियाई लोगों को शामिल किया गया और 12 वर्षों तक उनका अध्ययन किया गया। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने ऐसे इलाकों में जीवन बिताया जहां पेड़ों की छाया और हरियाली अधिक थी, उनमें समय के साथ अवसाद के लक्षण कम देखने को मिले।

शोधकर्ताओं ने यह जांच की कि आसपास के पर्यावरण से जुड़ी कौन-कौन सी चीजें जैसे पेड़ों की छतरी (ट्री कैनोपी), पार्क, समुद्र, नदियों और झीलों तक पहुंच, जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता और वायु प्रदूषण अवसाद के लक्षणों में बदलाव से जुड़ी हैं। अध्ययन में कहा गया कि लंबे समय तक अधिक पेड़ों वाले वातावरण में रहने का संबंध लगातार कम अवसाद स्तर से पाया गया।

ताइपे ओपन 2026

तन्वी शर्मा ने कटाया फाइनल का टिकट

सेमीफाइनल में हुआंग यू-हसुन को हराया

तन्वी की प्रमुख उपलब्धियां

- 2025: ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 – उपविजेता
- 2025: गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 – उपविजेता
- 2024: बॉन इंटरनेशनल – विजेता
- 2025: डेनमार्क चैलेंज – विजेता

उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में बाहर

भारत महिला सिंगल्स इवेंट में 'ऑल-इंडियन फाइनल' के करीब पहुंचकर चूक गया। उन्नति हुड्डा को छठी वरीयता प्राप्त गुयेन थूई लिन्ह से 15-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

ताइपे । तन्वी शर्मा ने ताइपे बैडमिंटन ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एकतरफा गेम में जीत हासिल की और बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में भारत के खिताब जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

शनिवार को ताइपे एरिना में दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया। उन्होंने सिर्फ 33 मिनट में जीत हासिल की और रविवार को वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ होने वाले फाइनल मैच में अपनी जगह पक्की की।

क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपनिडा काटेथोंग के खिलाफ मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए तीन गेम में जीत हासिल की थी। हालांकि, सेमीफाइनल में तन्वी पूरी तरह से नियंत्रण में नजर आई और उन्होंने यू-हसुन को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। पिछले दो वर्षों में तन्वी का प्रदर्शन लाजवाब रहा है।

2024 में हुई बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत की स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं तन्वी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई है। 2025 में वह ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 दोनों में दूसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने 2024 में बॉन इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज का खिताब भी जीता था।

हालांकि, उन्नति हुड्डा के सेमीफाइनल में बाहर होने के बाद भारत महिला सिंगल्स इवेंट में 'ऑल-इंडियन फाइनल' (दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच फाइनल) के बहुत करीब पहुंचकर चूक गया। इस युवा खिलाड़ी को छठी वरीयता प्राप्त गुयेन थुई लिन्ह से 15-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पुरुष सिंगल्स में भारत का सफर निराशाजनक रहा; राउंड ऑफ़ 16 में एचएस प्रणय के बाहर होने के बाद भारत के बचे हुए आखिरी खिलाड़ी किरण जॉर्ज को क्वार्टर-फाइनल में जापान के चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी युदाई ओकिमोटो के खिलाफ 21-12, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, डबल्स इवेंट में भारत का सफर जल्द ही खत्म हो गया था। भारतीय जोड़ी भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बूरु पुरुष डबल्स इवेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गई थी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

'पहला मेडल जीतने की बहुत खुशी है'

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ब्रॉन्ज जीतने के बाद बोले यशवीर सिंह

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जैवलिन थ्रो में यशवीर सिंह ने 85.41 मीटर की थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। यशवीर का यह अब तक का बेस्ट प्रदर्शन भी रहा। इंटरनेशनल स्टेज पर पहला मेडल जीतने पर यशवीर ने खुशी जताई है।

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जैवलिन थ्रो में यशवीर सिंह ने 85.41 मीटर की थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। यशवीर का यह अब तक का बेस्ट प्रदर्शन भी रहा। इंटरनेशनल स्टेज पर पहला मेडल जीतने पर यशवीर ने खुशी जताई है।

यशवीर ने पत्रकारों संग बातचीत करते हुए कहा, 'यह मेरा पहला इंटरनेशनल मेडल है और मुझे बहुत ज्यादा खुशी है। मेरे पूरे परिवार ने मुझे काफी सपोर्ट किया है। इसके साथ ही प्रतियोगिता के बीच में नीरज चोपड़ा ने भी मेरा काफी समर्थन किया। शुरुआत में मेरे थ्रो अच्छे नहीं जा रहे थे और बीच में एक थ्रो 81.33 के आसपास गई थी। फिर मैंने नतीजे की तरफ देखा, तो ब्रॉन्ज मेडल की रेस 82 मीटर के आसपास चल रही थी। इसके बाद मेरे मन में चल रहा था कि 82 मीटर का थ्रो मैं ग्राउंड में लगाकर आया हूं, तो उससे अच्छा कर सकता हूं। अंतिम थ्रो से पहले मैंने सोचा की, जो होगा देखा जाएगा और आखिरी थ्रो अच्छा चला गया।' यशवीर ने दूसरे प्रयास में 78.55 मीटर का थ्रो फेंका था। इसके बाद वह तीसरे प्रयास में 81.33 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे। यशवीर का पांचवां प्रयास 76.95 मीटर तक गया।

ब्रॉन्ज मेडल

- थ्रो: जैवलिन थ्रो
- सर्वश्रेष्ठ थ्रो: 85.41 मीटर
- स्थान: ग्लासगो, स्कॉटलैंड

'आपकी उपलब्धि युवा एथलीटों को प्रेरित करेगी', पीएम मोदी ने दी पदक विजेताओं को बधाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों का दमदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को भारत ने कुल 6 मेडल अपने नाम किए। जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर, जबकि यशवीर सिंह ने ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज समेत देश के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने डेकाथलॉन स्पर्धा में ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले तेजस्विन शंकर को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय खिलाड़ी लगातार इतिहास रच रहे हैं और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। तेजस्विन शंकर ने ग्लासगो सीडब्ल्यूजी में पुरुषों के डेकाथलॉन इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। उन्होंने 10 इवेंट्स में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्हें बधाई। वे ऐसे ही कामयाबी हासिल करते रहें। मेरी शुभकामनाएं।'

जूडो में भारत को सिल्वर मेडल दिलाने वाली यामिनी मोर्या की भी पीएम मोदी ने प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, 'जूडो की 57 किलोग्राम कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने पर यामिनी मौर्य को बधाई। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और जूडो के प्रति उनका जुनून उनके प्रदर्शन में साफ झलकता है।

उनकी इस उपलब्धि से आने वाले समय में कई युवा जूडो की ओर आकर्षित होंगे। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के मेडल की सबसे बड़ी उम्मीद माने जा रहे नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

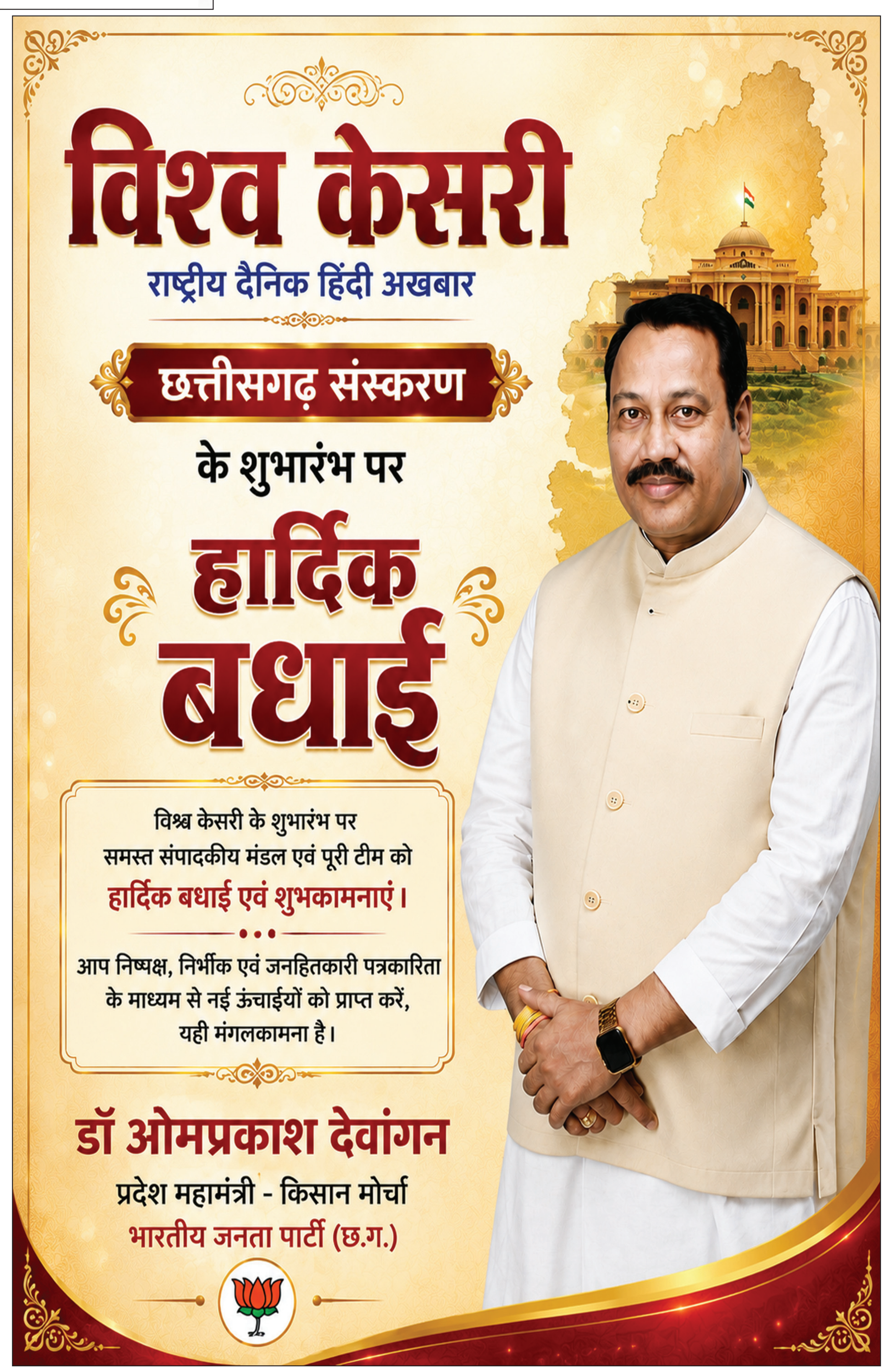

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099 से प्रकाशित
संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251